हिन्दी दैनिक पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शुक्रवार | 07 मार्च 2025 | वर्ष : 03 अंक : 64 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

'मुगलों का इतिहास खत्म करने की हो रही कोशिश,

एजेंसी

दिल्ली: नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार पर मुगलों का इतिहास मिटाने का आरोप लगाया। भाजपा पर निशाना साधते हुए अब्दुल्ला ने कहा वे मुगलों के इतिहास को मिटाना चाहते हैं, ऐसा नहीं होगा। वे (मुगल) सैकड़ों वर्षों तक यहां रहे और यहीं दफन भी हुए। नेशनल कांफ्रेंस प्रमुख मुगल बादशाह औरंगजेब पर समाजवादी पार्टी विधायक की टिप्पणी और शहरों तथा ऐतिहासिक इमारतों के नाम बदलने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले से उपजे विवाद पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी द्वारा मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने के बाद राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया, जिस पर सत्तारूढ़ भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। आजमी ने औरंगजेब को एक "अच्छा प्रशासक" कहा था और दावा किया था कि उसके शासन में भारत ने खूब तरक्की की। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल द्वारा प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद उन्हें महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित कर दिया गया।

सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव को कहा बउआ, बोले-

नीतीश ने खटारा गाड़ी को मर्सिडीज बनाया

सम्राट चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव बउआ हैं, उन्हें जो कुछ भी लिखकर दिया जाता है उसे सदन में आकर पढ़ देते हैं। उन्होंने क्रिकेट भी खेला तो पूरे करियर में कुल 37 रन ही बनाए।

एजेंसी

पटना: बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव पर पलटवार किया। उन्होंने तेजस्वी को बउआ बताया और कहा कि उन्हें जो कुछ भी लिखकर दिया जाता है, उसे सदन में आकर पढ़ देते हैं। सम्राट ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें साल 2005 में खटारा गाड़ी मिली थी, जिसे उन्होंने मर्सिडीज में तब्दील किया। 20 सालों से वे बिहार को सींच रहे हैं। उनके नेतृत्व में बिहार हर मानकों पर तेजी से विकास कर रहा है।उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को बिहार विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट पर दो दिनों से चल रही चर्चा के बाद सरकार का उत्तर सदन में रखा। इस दौरान सीएम नीतीश भी सदन में मौजूद रहे। सम्राट के संबोधन के दौरान विपक्षी सदस्यों ने असंतोष जाहिर करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।सम्राट

चौधरी ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी 34 साल के हैं, लेकिन मुख्यमंत्री 74 साल की आयु में भी उनसे चार गुना अधिक काम करते हैं। राज्य के विकास में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार का कोई योगदान नहीं है। 1990 और 2005 के बीच बिहार में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं खोला गया। अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया गया है, कई जिलों में खोल भी दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि लालू यादव ही कहा करते थे कि रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होता है और उन्होंने ही इस कथन को नहीं अपनाया। पहले रानी (राबड़ी देवी) को लाए और फिर राजकुमार (तेजस्वी) को लाना चाहते हैं। मगर बिहार की जनता रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होने देगी। सम्राट ने तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होने क्रिकेट भी खेला तो पूरे करियर में कुल महज 37 रन ही बनाए।सम्राट चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव बउआ हैं, उन्हें जो कुछ भी लिखकर दिया जाता है उसे सदन में आकर पढ़ देते हैं। उन्होंने क्रिकेट भी खेला तो पूरे करियर में कुल 37 रन ही बनाए।

पीएम मोदी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गुजरात के नवसारी में लखपति दीदी कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गुजरात के नवसारी में लखपति दीदी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। नवसारी के वानसी-बोरसी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में 1.1 लाख से अधिक महिलाओं के भाग लेने की उम्मीद है, जहां सभी व्यवस्थाएं महिला पुलिसकर्मियों और कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित की जाएंगी। ये जानकारी सूत्रों से मिली है।एक सूत्र ने कहा, यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ-साथ कार्यक्रम की व्यवस्था भी महिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित की जाएगी।सूत्रों ने बताया कि कुल 2,165 कांस्टेबल, 187 इंस्पेक्टर, 61 सब-इंस्पेक्टर, 19 डीएसपी, पांच डीएसपी, एक पुलिस महानिरीक्षक और एक अतिरिक्त पुलिस

एक सूत्र ने कहा, यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ–साथ कार्यक्रम की व्यवस्था भी महिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित की जाएगी।

महानिदेशक (सभी महिलाएं) समग्र कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे और इसके सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेंगे।एक सूत्र ने कहा, यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ-साथ कार्यक्रम की व्यवस्था भी महिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित की जाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर के विकास के लिए खोला खजाना

एजेंसी

अयोध्या। वादों पर खरा उतरने वाली प्रदेश की योगी सरकार ने मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए खजाना खोल दिया है। पर्यटन व सांस्कृतिक दृष्टि से भी मिल्कीपुर को सजाया और संवारा जाने लगा है। इसी क्रम में 106.60 लाख रुपये से विकास खण्ड अमानीगंज के राम पट्टी में स्थित गहनाग बाबा धाम का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। राम मंदिर निर्माण के बाद जिले के सभी पौराणिक स्थलों को विकसित करने का काम तेजी से चल रहा है। मिल्कीपुर में विधानसभा के उपचुनाव के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं यह घोषणा की थी कि गहनाग बाबा धाम का जल्द ही सौंदर्यीकरण कराया जायेगा। इस क्रम में कार्य शुरू हो चुका है। बता दें कि मिल्कीपुर में सड़कों के निर्माण व कुछ विद्यालयों के निर्माण की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है। वह सब निमार्णाधीन हैं।

अयोध्या तीर्थ विकास परिषद करा रहा कार्य

चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद कश्मीर विवाद सुलझ जायेगा: जयशंकर, पाकिस्तान ने बेबुनियाद बताया

एजेंसी

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि कश्मीर विवाद का समाधान कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा, जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है।जयशंकर ने बुधवार को लंदन में चैथम हाउस थिंक-टैंक के एक सत्र को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस बीच पाकिस्तान ने कश्मीर के संबंध में जयशंकर की टिप्पणी को 'बुनियाद बताते हुए बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। साथ ही इस मुद्दे के समाधान की मांग की।जयशंकर ने कश्मीर मुद्दे के समाधान के बारे में एक श्रोता के सवाल का जवाब देते हुए कहा था, कश्मीर के संबंध में, मुझे लगता है, वास्तव में हमने इसके ज्यादातर मुद्दों को हल करने की दिशा में अच्छा काम किया है।उन्होंने कहा, अनुच्छेद-370 को

हटाना पहला कदम था, कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था तथा बहुत अधिक मतदान के साथ चुनाव कराना तीसरा कदम था।जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हम जिस चीज का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी है, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। जब ऐसा हो जाएगा, तो मैं आपको आश्वासन देता हूं कि कश्मीर मुद्दे का समाधान हो जायेगा।इस्लामाबाद में, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में जयशंकर की टिप्पणी को खारिज कर दिया। खान ने कहा, ह्यह्यआजाद जम्मू-कश्मीर के बारे में बेबुनियाद दावे करने के बजाय भारत को पिछले 77 वर्षों से अपने कब्जे में रखे गए जम्मू-कश्मीर के एक बड़े क्षेत्र को खाली कर देना चाहिए।भारत द्वारा पांच अगस्त, 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंध निचले स्तर पर चले गये थे।

बजट सत्र के बीच डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का दिल्ली दौरा, अमित शाह से मुलाकात पर क्या बोले

एजेंसी

पटना:बिहार विधानमंडल का बजट सत्र चल रहा है। 28 फरवरी को शुरू हुआ बजट सत्र 28 मार्च तक चलेगा। इस बीच डिप्टी सीएम और बिहार बीजेपी के बड़े लीडर विजय कुमार सिन्हा दिल्ली पहुंच गए। उन्होंने पार्टी के चाणक्य और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर भी किया। विजय सिन्हा ने लिखा है कि अमित शाह से मार्गदर्शन प्राप्त किया। सूबे के सियासी गलियारे में चर्चा है कि

अमित शाह से विजय सिन्हा ने आखिर किस मुद्दे पर मार्गदर्शन लिया। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें जारी कर विजय सिन्हा ने कहा कि आज नई दिल्ली में देश के यशस्वी केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री आदरणीय अमित शाह जी से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्नेह, सानिध्य और मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान बिहार के विकास से जुड़े विषयों पर भी सार्थक परिचर्चा हुई। आज गुरवार को बिहार विधानसभा के बजट सत्र का पांचवां दिन था। विजय कुमार सिन्हा इसमें शामिल होने के बजाए दिल्ली चले गए।विजय कुमार सिन्हा भले ही इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बता रहे हों पर राजनैतिक हलके में इसके मायने तलाशे जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर सरकार के लिए तैयार कामकाजी नियम मंजूरी के वास्ते एलजी को भेजे गए : मुख्यमंत्री

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर:जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार के लिए कामकाजी नियम तैयार कर लिए गए हैं और बिना किसी भ्रम के सुचारू शासन चलाने के लिए अनुमोदन के वास्ते उपराज्यपाल के पास भेज दिए गए हैं।अब्दुल्ला ने विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब में कहा, ह्लजब तक हमें राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, स्पष्टता के लिए कार्य नियम स्थापित करना आवश्यक है। इसमें

कुछ समय लगा, लेकिन कल रात आठ बजे हमने कैबिनेट की बैठक बुलाई और कार्य नियमों को अंतिम रूप दिया। उन्हें कैबिनेट द्वारा अनुमोदित किया गया।उन्होंने आगे कहा कि नियमों को मंजूरी के लिए उपराज्यपाल के पास भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, ह्लहमें उम्मीद है कि उन्हें मंजूरी मिल जाएगी।ह्व उन्होंने कहा कि इस कदम से भ्रम कम होगा, ह्लजब तक यह प्रणाली लागू रहेगी, इसे बिना किसी भ्रम के सुचारू रूप से संचालित होना चाहिए। हालांकि मैं इसे अस्थायी मानता हूं, लेकिन भ्रम कम करने के लिए कामकाज के नियमों को लागू करना बेहतर है।मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने पिछले महीने केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में दोहरे शासन मॉडल - जहां वे उपराज्यपाल के साथ सत्ता साझा करते हैं -

ओवैसी की पार्टी के MLA ने औरंगजेब को महान बादशाह बताया, बिहार में छिड़ा सियासी संग्राम

एजेंसी

पटना: बिहार में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने औरंगजेब को महान बादशाह बताया।बिहार में भी मुगल शासक औरंगजेब पर बहस छिड़ गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी अक्टक्ट से विधायक अख्तरुल ईमान ने औरंगजेब को महान शासक बताया है। उन्होंने महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आजमी को विधानसभा से सस्पेंड किए जाने की भी आलोचना की। बिहार के इकलौते अक्टक्ट विधायक ईमान ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की राजनीति को विभाजनकारी और असंवैधानिक बताया। उन्होंने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेने की अपील की है।अक्टक्ट के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने गुरुवार को पटना में मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि बीजेपी के पास नफरत की राजनीति करने के अलावा कोई और काम नहीं है। उन्होंने कहा, "औरंगजेब एक महान सम्राट था। उसने टोपियां सिलकर अपनी रोजी-रोटी चलाई। उसने करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल खुद पर नहीं किया। उसे यहीं दफनाया गया। उसने अंग्रेजों की तरह लूटपाट करके नहीं छोड़ा, बल्कि इस देश की सेवा की। उसने भारत को एकीकृत किया, इसे अफगानिस्तान से बर्मा (म्यांमार) तक फैलाया और 'अखंड भारत' बनाया।

बिहार में खत्म होगी शराबंदी?

तेजस्वी ताड़ी तो प्रतिमा दास ने दारू से पाबंदी हटाने का किया ऐलान

एजेंसी

पटना: कांग्रेस पार्टी की विधायक प्रतिमा दास उनसे दो कदम आगे निकल गई हैं। उन्होंने कहा है कि महागठबंधन बिहार में सत्ता में आई तो शराब को फिर से चालु किया जाएगा। 2016 के पहले जिस प्रकार ठेके पर शराब की बिक्री होती थी उसी पैटर्न पर शराब की बिक्री शुरू कराई जाएगी।बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शराबबंदी कानून 2016 में बदलाव लाने का ऐलान कर नई बहस छेड़ दिया है। उन्होंने कहा है कि 2025 में महागठबंधन की सरकार बनी तो ताड़ी को शराबबंदी कानून से बाहर कर दिया जाएगा। कांग्रेस पार्टी की विधायक प्रतिमा दास उनसे दो कदम आगे निकल गई हैं। उन्होंने कहा है कि महागठबंधन बिहार में सत्ता में आई तो शराब को फिर से चालु किया जाएगा। पहले जिस प्रकार ठेके पर शराब की बिक्री होती थी उसी पैटर्न पर शराब की बिक्री शुरू कराई जाएगी। शराबबंदी कानून को खत्म कर दिया जाएगा क्योंकि इससे

राज्य का बड़ा नुकसान हुआ है।मीडिया से बात करते हुए प्रतिमा दास ने कहा कि बिहार में शराबबंदी कानून फेल है। पहले नीतीश कुमार की सरकार ने बड़े पैमाने पर शराब की बिक्री के लिए पंचायत-पंचायत में दुकानें खुलवा दी और उसके बाद रोक लगाने का कानून पास कर दिया। हमारी सरकार बनेगी तो शराब की दुकानें फिर से खोल दी जाएंगी। कांग्रेस पार्टी पहले भी ऐसा कर चुकी है। कपूर्री ठाकुर ने बिहार में शराब बंदी लागू किया था। जब कांग्रेस की सरकार बनी तो शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने पंचायत स्तर पर दुकानें खुलवाई। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए।इसका एक नियम होता है। अनुमंडल स्तर या प्रखंड स्तर पर दुकानें खोली जाती हैं। उनका वेयर हाउस होता है और मद्यनिषेष विभाग बिक्री पर निगरानी रखता है।उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार में मद्य निषेध विभाग को अधिक से अधिक शराब बिकवाने का टारगेट दिया गया। शराबंदी करने से यह कारोबार माफिया तत्वों के हाथ में चला गया। पहले से जो एक्साइज एक्ट बना हुआ है उसका पालन नहीं हो रहा है। डबल इंजन की सरकार ने पंचायतों में दुकान खोलवाने का एक्साइज अधिकारियों पर दबाव दिया जाता था। शराब का ठेका प्रथा फिर से चालू कर दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से हमारी सरकार बनेगी क्योंकि जो अराजकता का माहौल बना हुआ है।

विपक्ष जो रेवड़ी बांटने की घोषणा कर रही वह एनडीए सरकार सम्मान के साथ देगी

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद डॉ. दिलीप जायसवाल ने कार्यकताओं को दिया धन्यवाद, जताया आभार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- जनता को अब 'लालटेन युग' नहीं, नीतीश का 'विकास युग' पसंद है : डॉ. दिलीप जायसवाल
- विपक्ष भाषा की मयार्दा की लक्ष्मण रेखा भी पार कर जा रही है : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल का विपक्ष को नसीहत, 'किसी एक मुद्दे पर स्थिर होना होगा'
- छत्तीसगढ़ और दिल्ली उदाहरण हैं, झूठा वादा नहीं, सिर्फ मोदी की गारंटी चलेगी : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा कार्यकर्ताओं में सकारात्मक जोश आया है जो बिहार को विकसित बनाएगा : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 6 मार्च। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज विपक्ष पर जहां जमकर सियासी हमला बोला, वहीं नसीहत भी दी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि आज विपक्ष जिस तरह की राजनीति कर रहा है, उसे जनता पसंद नहीं करती है। आज जनता न संस्कारहीन बातों को सुनना चाहती है और न ही एक-दूसरे पर की जा रही टीका-टिप्पणी को। बिहार की जनता अब लालटेन युग में भी नहीं लौटना चाहती है। जनता को अब लालटेन युग नहीं, नीतीश का विकास युग पसंद है।

भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने औपचारिक रूप से पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद आज अपनी पहली प्रेस वार्ता में कार्यकताओं और केंद्रीय नेतृत्व को अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि आज राजनीति सिर्फ एक-दूसरे पर टीका-टिप्पणी तक सीमित रह गई है। विपक्ष तो भाषा की मयार्दा की लक्ष्मण रेखा भी पार कर जा रही है। विपक्ष लगातार भ्रम फैलाने का काम कर रहा है।उन्होंने कहा कि पहले विपक्ष विकास, रोजगार और अपराध की बात करता था, लेकिन जब हमने विकास नहीं देखने को लेकर आंख का इलाज करने की बात और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 12 लाख रोजगार देने की बात कही, तो विपक्ष इन मामलों को भूल गया। विपक्ष युवाओं की बात कर रहा है, लेकिन जब युवा भविष्य के लिए प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ रहा है और आपका इतिहास चरवाहा विद्यालय का हो, तो प्रदेश के युवा कैसे विश्वास करें ?भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि एनडीए संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में जिस तरह युवाओं का हुजूम उमड़ रहा है, उससे विपक्ष हताश है। उन्होंने बिना किसी के नाम लिए कहा कि पहले छह से आठ घंटे ही बिजली रहती थी। आज भी जब विपक्ष लालटेन की बात कर रहा हो, तो सोच सकते हैं कि वह कैसा विकास की बात कर रहा है।

मशरक थाना में नये थानाध्यक्ष ने किया पदभार ग्रहण,

शराब, अपराध नियंत्रण और विधि व्यवस्था प्राथमिकता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाने में नए थानाध्यक्ष के पद पर रणधीर कुमार ने पदभार ग्रहण किया। यहां एसपी डॉ कुमार आशीष ने रणधीर कुमार को थानाध्यक्ष नियुक्त किया है। वे गुरुवार से अपना पदभार संभाला । पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने कहां कि अपराध नियंत्रण, विधि व्यवस्था और अवैध शराब पर रोक उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। पदभार ग्रहण के बाद थाने के सभी पुलिस पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों से औपचारिक जान पहचान की। बता दें कि रणधीर कुमार 2009 बैच के पीएसआई हैं। वे अभी तक सारण जिले की जिला आसूचना इकाई में कार्यरत थे। वहीं मशरक में बेहतर कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण स्थापित करना उनके सामने बड़ी चुनौती होगी। इससे पहले एसएसपी डॉ कुमार आशीष ने पूर्व थानाध्यक्ष अजय कुमार को लाइन हाजिर कर दिया था। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सारण की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। अजय कुमार पर अपराध नियंत्रण में विफलता का आरोप था। एसएसपी ने अपने आदेश में कहा कि बेहतर विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और प्रशासनिक सुगमता के लिए रणधीर कुमार को यह जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें तत्काल नए पद पर योगदान करने का निर्देश दिया गया है। मशरक थाना क्षेत्र के बहरौली में श्मशान विवाद में ग्रामीणों के बीच मारपीट में पुलिस पर हमले के बाद पुलिसिया कार्रवाई को लेकर राजनीति गरमा गई थी। ग्रामीणों ने पुलिस पर ज्यादत्तरी और बर्बरता से मारपीट करने का आरोप लगाया था। बढ़ते मामले में नेताओं के आने जाने और थानाध्यक्ष पर आरोप लगाने के बाद पुलिस अधिकारियों द्वारा जांच के आदेश दिए गए थे। जांच के क्रम में अपराध नियंत्रण और कर्तव्य विफलता के आरोप में कार्रवाई हुई है। ग्रामीण एसपी शिखर चौधरी के रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई हुई है।

मशरक में 7 दिवसीय महायज्ञ भव्य कलशयात्रा से शुभारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के पुरानी रेलवे स्टेशन अवस्थित शिव मंदिर के प्रांगण में 7 दिवसीय भव्य महायज्ञ भव्य कलशयात्रा से शुभारंभ किया गया। आचार्य सुमन महाराज, सुरेंद्र उपाध्याय, धनंजय मिश्रा, उज्जवल शास्त्री, नागेन्द्र तिवारी, धर्मेंद्र पांडेय, चुनमुन बाबा ने यजमान अंकित उपाध्याय और धर्मपत्नी वर्षा देवी की मौजूदगी में भव्य कलशयात्रा गुरुवार की सुबह मंदिर परिसर में विधिवत मंत्रोच्चार से पीला वस्त्र धारण किए सैकड़ों कन्याओं और महिलाओं को पवित्र कलश सौंपा गया जो यज्ञ स्थल से निकल पानापुर के मथुरा धाम पहुंची जहा मंत्रोच्चार से पवित्र कलश में पवित्र जल बोझी कराई गई। आचार्य चुनमुन बाबा ने बताया कि मंदिर परिसर में मां आदिशक्ति सिद्धि विनायक राम-जानकी, राधा कृष्ण शिव परिवार एवं हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन किया गया है जिसमें 6 मार्च को कलशयात्रा, पंचाडग पुजन, जलाधिवास, गंधधिवास, 7 मार्च को वेदी पूजन एवं घृताधिवास, फलाधिवास, धान्यधिवास।, 8 मार्च वेदी पूजन एवं पुष्पाधिवास, द्रव्याधिवास, नगर भ्रमण एवं शय्या धिवास, 9 मार्च को वेदी पूजन एवं देव पूजन, 10 मार्च को वेदी पूजन एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा 11 मार्च को वेदी पूजन एवं दो दिवसीय अखंड अष्टयाम का शुभारंभ और 12 मार्च को यज्ञ अष्टयाम और भंडारा और महायज्ञ का विसर्जन किया जाएगा। मौके पर बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह, रितुराज सिंह, शशी सिंह, जितेन्द्र सिंह, मोहन ओझा, राजेश तिवारी, अखिलेश सिंह समेत अन्य मौजूद रहें।

मनोज के नेतृत्व में सिवान जिला हैंडबॉल टीम नवादा रवाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ बिहार द्वारा नवादा जिले के हरिशचंद्र स्टेडियम में 7 मार्च से 8 मार्च 2025 तक आयोजित प्रथम बिहार राज्य जूनियर बालक हैंडबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली सिवान जिला की टीम राष्ट्रीय खिलाड़ी मनोज कुमार के नेतृत्व में नवादा के लिए रवाना हो गई। हैंडबॉल एसोसिएशन आफ सिवान की सचिव सलमा खातून ने बताया कि सभी खिलाड़ियों का चयन 8 फरवरी 2025 को चयन शिविर के माध्यम से किया गया था चयन के पश्चात इन सभी खिलाड़ियों का गैर आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा था, जिन्हें राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी चंदा कुमारी एवं विवेक कुमार सिंह प्रशिक्षित कर रहे थे। चयनित सभी खिलाड़ी एन आई एस प्रशिक्षक रंजीत लकड़ा के साथ नवादा के लिए रवाना हो गए ।चयनित खिलाड़ियों में मनोज कुमार (कप्तान), आदित्य कुमार(उप कप्तान),कौशिक कुमार, अजय कुमार ,अभिषेक कुमार, मुन्ना कुमार, कुंदन कुमार, प्रवीण कुमार, प्रियांशु कुमार यादव, मनोज कुमार, अमृत कुमार एवं निरज कुमार शामिल हैं।इन चयनीत सभी खिलाड़ियों को हैंडबॉल एसोसिएशन आफ सिवान के कोषाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, आई एम ए सिवान के अध्यक्ष डॉ शशि भूषण सिंहा ,सचिव डॉक्टर शरद चौधरी, डॉ रीता सिंहा ,डॉ संगीता चौधरी, आदर्श मध्य विद्यालय मैरवा के प्रधानाध्यापक मोहम्मद रफीक अंसारी, हरिराम उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर ज्ञान प्रकाश पाठक सहित कई अन्य लोगों ने शुभकामनाएं दी है।

सारण जिला में 54 में से मात्र 4 बालूघाट हुये हैं नीलाम

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा, शेष बालू घाट तीन-तीन बार निविदा आमंत्रण के बाद भी नहीं हो सके हैं नीलाम

नीलाम नहीं होने वाले बालू घाटों के सुरक्षित मूल्य के पुनरीक्षण को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तकनीकी समिति की बैठक।

सारण जिला में कुल 54 बालू घाट नीलामी के लिये चिन्हित हैं। इनमें से 4 बालू घाटों की नीलामी हो चुकी है। बार बार प्रयास के बाद भी शेष 50 बालूघाट की निलामी नहीं हो सकी है ।तीन-तीन बार नीलामी की आम सूचना का प्रकाशन समाचार पत्रों में भी कराया गया परंतु किसी भी बीडर द्वारा इन घाटों में रुचि नहीं ली गई। इन बालू घाटों की नीलामी को क्रियान्वित करने के लिये विभागीय निदेशानुसार सुरक्षित मूल्य को पुनरीक्षित किया जा रहा है। इसके लिये आज जिलाधिकारी श्री अमन समीर की अध्यक्षता में तकनीकी समिति की बैठक आहुत की गई। तकनीकी समिति द्वारा इन सभी 50 बालू घाटों के सुरक्षित मूल्य को पुनरीक्षित करने का निर्णय लिया। सभी घाटों के पुनरीक्षित मूल्य का निर्धारण कर प्रस्ताव अनुमोदन के लिए विभाग को भेजा जा रहा है। विभाग से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत पुनरीक्षित सुरक्षित मूल्य के आधार पर फिर से नीलामी की प्रक्रिया की जायेगी। बैठक में अपर समाहर्त्ता, जिला खनिज विकास पदाधिकारी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मशरक में राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल से कामकाज ठप

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक अंचल कार्यालय परिसर में कार्यरत राजस्व कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण से सरकारी कामकाज ठप हो गया है। आमजन को म्यूटेशन, भू-मापी, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाणा पत्र और जमाबंदी सुधार जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां बीडीओ पंकज कुमार, सीओ सुमंत कुमार और अन्य कर्मी अपने कार्यों का निष्पादन करते दिखे। लेकिन राजस्व कॅर्मचारियों की हड़ताल के कारण कई महत्वपूर्ण सरकारी सेवाएं ठप रही। कार्यालय पहुंचे कई लोगों को बिना काम ही लौटना पड़ा। हड़ताल कई लोगों को बिना काम ही लौटना पड़ा। ग्रामीणों ने शिकायत की कि प्रमाण पत्रों को जरूरत है। लेकिन हड़ताल के कारण कोई काम नहीं हो रहा है। अंचल का चक्कर लगा रहे शिव कुमार कुमार ने बताया कि एनसीएल प्रमाण पत्र का आज अंतिम तिथि है लेकिन राजस्व कर्मचारी के नहीं आने के कारण सत्यापन नहीं हो सका जिससे मेरा काम नहीं हुआ। वही ग्रामीण जितेंद्र यादव, मो. महबूल, शंकर साह आदि ने बताया कि जाति प्रमाण पत्र बनवाने आया हूं, लेकिन राजस्व कर्मचारी के नहीं मिलने से वापस लौटना पड़ा।

मधुबनी शहर में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जिलाधिकारी ने नगर निगम मधुबनी की नई स्प्रिंकलर मशीन युक्त वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी शहर में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जिलाधिकारी ने नगर निगम मधुबनी की नई स्प्रिंकलर मशीन युक्त वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।
- जिलाधिकारी ने नगर निगम मधुबनी की इस पहल के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहल शहर में वायु गुणवत्ता सुधारने और सड़कों पर जमी धूल को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।
- इस पहल से मधुबनी शहर के एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) में सुधार होगा और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा।- जिलाधिकारी

मधुबनी, 06 मार्च2025 मधुबनी शहर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय से नगर निगम मधुबनी की स्प्रिंकलर मशीन युक्त वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कियाइस अवसर पर जिलाधिकारी ने नगर निगम मधुबनी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहल शहर में वायु गुणवत्ता सुधारने और सड़कों पर जमी धूल को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।इस स्प्रिंकलर मशीन युक्त वाहन से रोड पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा, जिससे सड़क किनारे जमी धूल नहीं उड़ेगी और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) में सुधार होगा और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा।जिलाधिकारी ने आगे बताया कि शहरी क्षेत्रों में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए यह एक प्रभावी प्रयास है। इससे अस्थमा, एलर्जी और अन्य सांस संबंधी बीमारियों से राहत मिलेगी। उन्होंने आम जनता से भी अनुरोध किया कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान अवश्य दें।उन्होंने कहा कि व्यापक जनसहभागिता से ही स्वच्छता अभियान को सफल बना सकते है।मेयर अरुण राय ने कहा कि इससे मधुबनी शहर प्रदूषण मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम मधुबनी नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर कार्य कर रहा है।इस अवसर पर मेयर नगर निगम मधुबनी अरुण राय, नगर आयुक्त अनिल चौधरी, एसडीओ अश्वनी कुमार, मनीष सिंह, मुन्ना सिंह सहित कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक उपस्थित थे ।

पुलिस अधीक्षक, सारण के द्वारा मढ़ौरा थाना का किया गया वार्षिक निरीक्षण एवं दिये गये विभिन्न दिशा-निर्देश

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा, आज दिनांक-06.03.2025 को पुलिस अधीक्षक, सारण के द्वारा मढ़ौरा थाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। वार्षिक निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष मढ़ौरा उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में थाने में पदस्थापित थानाध्यक्ष सहित सभी पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों एवं चौकीदारो को ू३९ील्ल & ूल्ल३१ू स्र्ङ्मूल्लॅ के साथ ही अपराध नियंत्रण के संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। मढौरा थाना के निरीक्षण के दौरान थाना भवन के साथ ही थाना के सभी अभिलेखों एवं पंजीयों की जाँच कर अभिलेखों व पंजीयों के संधारण में मिली त्रुटियों के सुधार करने, लंबित कांडो का समीक्षा कर त्वरित निष्पादन करने एवं थाना में साफ-सफाई रखने सहित कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही महिला हेल्प डेस्क में प्रतिनियुक्त महिला पुलिस पदाधिकारी/कर्मी को महिला परिवादी से शालिनता पूर्वक व्यवहार करने तथा उनके समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया गया। 05 साल से अधिक पुराने गंभीर कांडो का प्रभार थानाध्यक्ष द्वारा स्वयं लेकर निष्पादित करने का निर्देश दिया गया है। थाना के एक-एक कर्मी पर नजर रखना, आम जनता से अच्छा व्यवहार और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान जिला पुलिस की प्राथमिकताएं होंगी।

कायस्थ समाज का रंग-बिरंगा होली मिलन समारोह झ्र 9 मार्च को स्थानीय पार्टी क्लब में

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा, प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी कायस्थ परिवार के सौजन्य से चित्रांश समाज में रंगों का आपसी सौहार्द प्रदर्शित करने हेतु होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम समाज में एकता, प्रेम और भाईचारे का संदेश फैलाने के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

समाजिक और रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने वाले चित्रांश समाज ने 9 मार्च को स्थानीय पार्टी क्लब में इस मिलन समारोह का आयोजन किया है। कार्यक्रम की सूत्रधार और संस्थापक अभिजीत श्रीवास्तव एवं राजेश कुमार सिन्हा मिन्टू एवं प्रिंस राज ने बताया कि होली इस समाज के लिए एक विशेष पर्व है। होली के आगमन से पहले समाज के सभी सदस्य एकत्र होकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार एक-दूसरे को बधाई देते हैं और स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते हैं।युवा सदस्यों का योगदानःयुवा संस्थापक सौरव श्रीवास्तव, सशांक श्रीवास्तव, कोर काकोरी के सदस्य अजय सहाय, राजेश वर्मा, मनीष सिन्हा एवं मार्गदर्शक डॉ विद्या भूषण श्रीवास्तव समेत अन्य सदस्यों ने समाज के सभी परिवारों एवं पदाधिकारियों से आग्रह किया है ।

केंद्रीय बजट 2025 में बढ़े हुए आवंटन से अल्पसंख्यक सशक्तिकरण को बढ़ावा: आगे की चुनौतियाँ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय बजट 2025 भारत में अल्पसंख्यक समुदायों के उत्थान के लिए एक बहुत जरूरी कदम है, जिसमें अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को कुल ?3,350 करोड़ का आवंटन प्राप्त हुआ है। यह पिछले वित्तीय वर्ष के बजटीय अनुमान से 166 करोड़ अधिक है और 2024-25 के संशोधित अनुमान से ?1,481 करोड़ अधिक है। बजटीय आवंटन में वृद्धि अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली अनूठी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों की सरकार की मान्यता और शिक्षा, विकास योजनाओं और लक्षित कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें संबोधित करने के प्रयास का संकेत देती है।आवंटित बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के शैक्षिक सशक्तीकरण की ओर निर्देशित है, इस उद्देश्य के लिए 678.03 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। शिक्षा को लंबे समय से सामाजिक गतिशीलता के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है, और इस प्रावधान का उद्देश्य अल्पसंख्यकों के लिए शैक्षिक अवसरों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय के तहत प्रमुख योजनाओं और परियोजनाओं के लिए 1,237.32 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो मौजूदा कल्याण कार्यक्रमों की निरंतरता और विस्तार सुनिश्चित करते हैं। अल्पसंख्यकों के विकास के लिए अम्ब्रेला कार्यक्रम के लिए 1,913.98 करोड़ रुपये का पर्याप्त आवंटन किया गया है, जिसमें कौशल विकास, बुनियादी ढांचे के समर्थन और आर्थिक समावेशन पर केंद्रित कई पहल शामिल हैं। जबकि बढ़ा हुआ आवंटन सही दिशा में एक कदम है, लेकिन महत्वपूर्ण सवाल बना हुआ है: इन निधियों का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जाएगा ? कई योजनाएं, विशेष रूप से शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण पर केंद्रित, नौकरशाही देरी से जूझ रही हैं जिन प्रमुख क्षेत्रों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है उनमें से एक है मदरसों का आधुनिकीकरण, यह सुनिश्चित करना कि वे धार्मिक अध्ययन के साथ-साथ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करें। बड़ी संख्या में मुस्लिम छात्र, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से, मदरसों में पढ़ते हैं, लेकिन इनमें से कई संस्थानों में आधुनिक पाठ्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रमों तक पहुंच नहीं है। मदरसों के भीतर रळएट शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी प्रशिक्षण के लिए धन आवंटित करने से मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं दोनों को समकालीन नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जा सकता है। इससे न केवल उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी बल्कि शैक्षिक और आर्थिक अंतराल को पाटने में भी मदद मिलेगी जो समुदाय की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। सार्थक सशक्तीकरण के लिए, ध्यान बजट के आंकड़ों से परे जाना चाहिए। कार्यान्वयन तंत्र पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि धनराशि नौकरशाही बाधाओं के बिना जमीनी स्तर तक पहुंचे।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के लिए बढ़ा हुआ बजट आवंटन एक आशाजनक विकास है, जो अल्पसंख्यक समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों की स्वीकृति को दशार्ता है। हालाँकि, केवल आवंटन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसका प्रभावी उपयोग और कार्यान्वयन भी प्राथमिक ध्यान का क्षेत्र होना चाहिए। वर्तमान सरकार लालफीताशाही और नौकरशाही देरी को कम करने के लिए जानी जाती है। पहुँच, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और निधि वितरण में आसानी सुनिश्चित करना भारत में अल्पसंख्यक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की असली परीक्षा होगी।

1065 लाभुकों को मिशन गृहप्रवेश योजना के तहत दिया प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति पत्र

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सभी लाभुकों को 90 दिनों के अंदर आवास पूर्ण करना है : राकेश कुमार, बीडीओ
- आरटीजीएस के माध्यम से प्रथम किस्त की राशि चालीस हजार रुपये लाभुकों के खाते में गई !

जिला संवाददाता

साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगूसराय तेघड़ा प्रखंड क्षेत्र में मिशन गृह प्रवेश योजना के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के सभी लाभुकों को आवास योजना की स्वीकृति पत्र का वितरण प्रखंड के अटल कलाम भवन में हुआ ।प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार ने अटल कलाम भवन में मौजूद प्रखंड क्षेत्र से आए सभी 1065 लाभुक को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति पत्र सौंपा। प्रखंड क्षेत्र के सभी लाभुकों को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा आवास योजना 90 दिनों में पूर्ण करना है । आवास योजना के प्रथम किस्त की राशि बिहार के मुखिया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा पटना से ही आरटीजीएस के माध्यम से सभी लाभुकों के खाते में भेजा गया।मकान की कुर्सी तक निर्माण होने के बाद दूसरे किस्त की राशि चालीसहजार रुपये लाभुकों के खाते में दोबारा भेजी जाएगी।वही छत ढलाई के बाद आवास योजना की तीसरी किस्त चालीस हजार रुपये की राशि लाभुकों के खाते में भेजी जाएगी। आवास योजना में मनरेगा के तहत श्रमिक के लिए 245 रुपया की दर से प्रतिदिन 90 दिनों की राशि 22050 रुपया 90 दिन के अंदर भवन निर्माण जिनका पूर्ण होगा उनको यह राशि आरटीजीएस के माध्यम से मिलेगा । उन्होंने कहा जिन लाभुकों को शौचालय योजना का लाभ अभी तक नहीं मिला है उन्हें आवास के साथ शौचालय बनाने पर 12 हजार रुपये की राशि अतिरिक्त दी जाएगी।उन्होंने कहा मिशन गृह प्रवेश योजना के तहत सरकार का उद्देश्य सभी लोगों को मिले पक्के की मकान के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2024 25 में लाभुकों के चयन के लिए सर्वे किया गया था । सर्वेक्षण कार्य के लिए पंचायत स्तर पर ग्रामीण आवास सहायक, पंचायत रोजगार सेवकों को प्राधिकृत किया गया था । जिन पंचायत में ग्रामीण आवास सहायक, पंचायत रोजगार सेवक नहीं थे वहां पंचायत सचिव से सर्वेक्षण का कार्य कराया गया । उचित पात्रों को पीएम आवास योजना का लाभ देने के लिए । चयनित सभी लाभुकों को आज बुधवार को आवास योजना की स्वीकृति पत्र दी गई है। सभी को दिए गए समय सीमा में अपना आवास पूर्ण करना है।

पूर्व एमएलसी रामेश्वर कुमार महतो बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी : राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रधान महासचिव ने पत्र जारी कर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर पूर्व विधान परिषद सीतामढ़ी जिला के लोक प्रिय नेता रामेश्वर कुमार महतो को मनोनीत किया है रामेश्वर महतो ने उपेंद्र कुशवाहा के प्रति आभार व्यक्त किया है और,कहा सामान्य कार्यकर्ता को मिला सम्मान मिला है में पूरी निष्ठा और लगन से पार्टी के लिए काम करूंगा

मशरक में परिछावन के दौरान दो महिला सड़क दुघर्टना में घायल, सदर अस्पताल छपरा रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर बंगरा गढ़ गांव में शादी के लिए परिछावन के लिए निकली महिला सड़क दुघर्टना में गंभीर रूप से घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराई गई। घायल बंगरा गढ़ गांव निवासी संजीव राम की 30 वर्षीय पत्नी प्रतिमा कुमारी हैं ।परिजनों ने बताया कि शादी समारोह के लिए बारात का परिछावन हो रहा था कि अनियंत्रित अज्ञात वाहन की चपेटे में महिला आ गयी।प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया।

मैथिली साहित्य के यशस्वी कवि-साहित्यकार पं. चंद्रनाथ मिश्र अमर ने अपनी साहित्यिक कृतियों के माध्यम से क्षेत्रीय संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, समकालीनता आदि को संजो कर रखा है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

दरभंगा : मैथिली साहित्य के यशस्वी कवि-साहित्यकार पं. चंद्रनाथ मिश्र अमर ने अपनी साहित्यिक कृतियों के माध्यम से क्षेत्रीय संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, समकालीनता आदि को संजो कर रखा है। साहित्य जिस सर्वसाधारण के इतिहास को अपने अंतःकरण में रखता है वह पं. अमर की रचनाओं में प्रत्यक्ष है। यह बात पूर्व प्रधानाचार्य, समाजशास्त्री एवं मैथिली के साहित्यसेवी प्रो. (डॉ.) विश्वनाथ झा ने कही। वे गुरुवार को स्थानीय सीएम कालेज के सभागार में मैथिली विभाग की ओर से आयोजित पं. चंद्रनाथ मिश्र अमर जन्मशताब्दी व्याख्यान के प्रथम आयोजन में मुख्यवक्ता पद से बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि पं. अमर मूलतः कवि थे, लेकिन उन्होंने कथा, उपन्यास, नाटक आदि विभिन्न विधाओं में सफलतापूर्वक अपनी लेखनी चलाई। उनकी रचनाओं में काव्य तत्त्व नदी के जल के समान प्रवाहित होती रही हैं। डॉ. झा ने कहा कि पं. अमर की सांस-सांस में मिथिला और मैथिली विद्यमान रही है। उनके शब्द प्रयोग की प्रशंसा करते हुए डॉ. झा ने कहा की सभी को अगर एकत्र कर लिया जाए तो एक बहुमूल्य शब्दकोश तैयार किया जा सकता है। उनकी सत्यनिष्ठा, दृढ़ता, प्रत्युत्पन्नमतित्व, हास्यप्रियता आदि की विस्तार से चर्चा करते हुए डॉ. झा ने पं. अमर की कई रचनाएं भी सुनाईं जिनमें समाज और व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य किया गया है।

मौके पर विशिष्ट वक्ता के रूप में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित डॉ. योगानंद झा ने कहा कि पं. अमर सरीखे साहित्यकारों के अवदान से ही मैथिली भाषा-साहित्य आज शीर्षस्थ है। उन्होंने कहा कि पं. अमर की रचनावली और उनके जीवन को देखने से पता चलता है की दोनों में ही सामानता है।जिन तथ्यों को उन्होंने साहित्य में रखा उसे जीवन में भी उतारा। डॉ. झा ने पं. अमर की सत्य, निष्ठा, अभिनय के साथ ही नवरत्न गोष्ठी, विद्यापति गोष्ठी आदि संस्थाओं के संस्थापन, व्यंग्य स्तंभ लेखन के साथ ही उनकी विभिन्न रचनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्रधानाचार्य डॉ. मुस्ताक अहमद ने कहा कि छात्रों के बौद्धिक एवं सर्वांगीण विकास की कड़ी में यह आयोजन महत्वपूर्ण है। दरभंगा का परिक्षेत्र भाषाओं को पल्लवित-पुष्पित करने का केंद्र अतीत से ही रहा है।सच पूछा जाए तो भारत मात्र खनिज संपदाओं हेतु ही नहीं भाषिक दृष्टिकोण से भी सोने की चिड़िया के रूप में ख्यात रहा है। क्षेत्रीय भाषाओं में स्थानीय माटी-पानी की आवाज होती है।किसी भी क्षेत्र के इतिहास को जानना-समझना हो, वहां की सांस्कृतिक और आर्थिक स्थितियों से अवगत होना हो तो निश्चित रूप से साहित्य का अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर चिंता जाहिर की की स्थानीय स्तर पर क्षेत्रीय भाषाओं से जनजुड़ाव का प्रतिशत काफी कम है। यही स्थिति राष्ट्रीय स्तर पर भी है, जबकि विश्व के विभिन्न देशों में यह काफी आगे है। पं. चंद्रनाथ मिश्र अमर जन्मशताब्दी व्याख्यान के आयोजन से इस दिशा में भी चिंतन और प्रयासों को अवसर प्राप्त होगा।यही पं. अमर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

तारा पंप खराब होने से पानी के तरस रहे ग्रामीण

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता,ताजपुर / समस्तीपुरः - - - जिले के ताजपुर प्रखंड क्षेत्र के रहिमाबाद वार्ड संख्या 09 में पानी की समस्या होने से लोग परेशान हैं।मिली जानकारी के अनुसार रहिमाबाद वार्ड संख्या 09 तारा पंप (नल) दो वर्षों से खराब बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों में सुरज राम, मुंशी राम, जगदेव राम, विनोद राम, रेखा देवी सहित अन्य ग्रामीणों बताया कि जब से नल खराब होने से सबसे अधिक पानी की समस्या हमलोगों साथ हो गई है।नल खराब होने कई बार ऊपर के अधिकारियों तक अवगत कराया गया है, लेकिन किसी भी प्रतिनिधि का ध्यान अब तक खराब नल (तारा पंप) की ओर नहीं गया है। अब देखना है उक्त समस्या को लेकर अधिकारियों की नींद कबतक खुलती है।

लोक अदालत का जिला अभियोजन पदाधिकारी ने की समीक्षा

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी : आगामी 8 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला अभियोजन पदाधिकारी शिव शंभू की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक अदालत के लिए चयनित वादों की गहन समीक्षा की गई और अभियोजन पदाधिकारियों को अधिक से अधिक वादों के निष्पादन के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान जिला अभियोजन पदाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत लोगों को शीघ्र, सुलभ और सुलहपूर्ण न्याय दिलाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे वादों के निपटारे की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

इसके साथ ही, आम जनता से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत पहुंचकर अपने मामलों का निस्तारण कराए जिससे समय और धन की बचत हो। राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेकर अपने वादों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। लोक अदालत के माध्यम से वादों का निपटारा न केवल त्वरित न्याय दिलाता है, बल्कि इससे समय और धन की भी बचत होती है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय लोक अदालत एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली है, जहां आपसी सहमति से मामलों का निपटारा किया जाता है। यह अदालत विवादों के निपटारे में सहमति आधारित समाधान को बढ़ावा देती है, जिससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम होता है ।उक्त बैठक मे रोहित कुमार अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी के साथ संबंधित अभियोजन पदाधिकारी उपस्थित थे।

अलग अलग मामले में एक महिला समेत तीन लोगों को किया गया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के तहत चकमहेसी थाना की पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर एनबीडब्लू दो वारंटियों को थाना क्षेत्र के सोरमार गांव वार्ड संख्या 12 से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।इस संबंध में थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गये वारंटी की पहचान गांव के ही चंदेश्वर सदा के पुत्र राम सिंह सदा व भदई सदा के पुत्र गन्नौर सदा के रूप में हुई है जिसे को गुरुवार को जेल भेजा गया है। वही दूसरी दहेज अधिनियम की आरोपी सोमनाहा गांव की राज नारायण की पत्नी निभा देवी को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेजा है।इसकी जानकारी थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने दी।

एससी एसटी केस के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत में

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के कल्याणपुर प्रखंड के अंतर्गत चकमहेसी थाना की पुलिस ने थाना क्षेत्र के बसुवारी गांव से एक एसटी - एससी कांड के प्राथमिकी आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।इस संबंध में थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गये आरोपी की पहचान गांव के ही संजय राय के पुत्र रिशु कुमार उर्फ अमन कुमार के तौर पर की गई है जिसे गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

विशेष उत्पाद न्यायालय द्वारा मशरक थाना कांड सं0-283/23 के 02 अभियुक्तों को 05-05 वर्ष सश्रम कारावास, जुमार्ना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्ष के अभियुक्तों सहित मद्यनिषेध एवं अन्य कांडों के अभियुक्तों के विरूद्ध सारण पुलिस के सहयोग से माननीय न्यायालय द्वारा समुचित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अनन्य विशेष उत्पाद न्यायाधीश अतुल वीर सिंह द्वारा मशरक थाना कांड सं0-283/23, दिनांक-31.05.23, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधि० के 02 अभियुक्त 1. प्रभुनारायण सिंह उर्फ दीपरंजन सिंह, 2. मनीष कुमार सिंह को 05-05 वर्ष के सश्रम कारावास के दण्ड एवं 01 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।अर्थदण्ड भुगतान नही किये जाने की स्थिति में दोषसिद्धि दोनों अभियुक्तों को 01-01 वर्ष कारावास की सजा सुनाई गई है।गंभीर कांडो के मामलों में सारण पुलिस आगे भी लक्ष्य निर्धारित कर माननीय न्यायालय में त्वरित विचारण कराते हुए अभियुक्तो को सजा दिलाने हेतु प्रयासरत है।

होली को लेकर शराब और स्प्रीट पर रहेगी विशेष निगरानी : एसपी (ग्रामीण)

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

होली को लेकर शराब और स्प्रीट की तस्करी पर विशेष ध्यान रखने का कड़ा निर्देश जारी किया गया है।विशेषकर मशरक, तरैया और पानापुर जो दूसरे जिलों को सारण से जोड़ता है।ऐसे स्थानों पर खास निगरानी रखनी है। गुरूवार को मशरक डीएसपी कार्यालय में एसपी (ग्रामीण) शिखर चौधरी ने डीएसपी अमरनाथ की मौजूदगी इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह,तरैया थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह, इसुआपुर थानाध्यक्ष कमल राम, पानापुर थानाध्यक्ष विश्व मोहन राम और मशरक थानाध्यक्ष रणधीर कुमार के साथ होली पर्व पर विधि व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक में यह निर्देश जारी किए। बताया गया कि 13 मार्च को होलिका दहन, 14 को

होली हैं । यह पर्व काफी संवेदनशील है। हर स्तर पर सतर्कता और सावधानी की आवश्यकता है। उन्होंने ने सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहें। हाल के सालों में जहां आपासी सौहार्द बिगड़ने और विधि-व्यवस्था की समस्या रही है उसकी समीक्षा करें। स्पॉट पर जाकर देखें की वर्तमान में क्या स्थिति है। सभी थानाध्यक्ष तीन दिनों में थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक जरूर करा लें।होलिका दहन को लेकर कहीं-कहीं विवाद रहता है। सभी थानाध्यक्ष सीओ की मदद से उन विवादित स्थलों का निरीक्षण कर समाधान कराएं। जिससे होलिका दहन के दिन कोई विवाद न हो। वहीं शराब तस्करों पर विशेष नजर रखें। गांवों में चौकीदार के माध्यम से सूचना तंत्र मजबूत करें जिससे गांव में छोटी से छोटी घटनाओं की जानकारी आप तक पहुंचे,वैसी भी खबरें जो भविष्य में विवाद का कारण बन सकें,उन पर समय रहते ही कारवाई करें। जैसे ही घटना की जानकारी हो त्वरित घटनास्थल पर पहुंचे।

अगर आपका नाम महबूबा होता तो तीन तलाक मिल जाता

महबूब आलम पर विधानसभा अध्यक्ष ने ली चुटकी, कहा- कितना झगड़ा करते हैं

पटना। बिहार विधानसभा में बजट सत्र का आज यानी गुरुवार को पांचवां दिन है। सदन की कार्यवाही प्रश्न काल के साथ शुरू हुई, वहीं कार्यवाही शुरू होते ही लेफ्ट के विधायक वेल में आ गए। लेफ्ट विधायकों ने रसोइया और सफाई कर्मियों का मानदेय 18 हजार करने की मांग को लेकर प्रोटेस्ट किया। स्पीकर बार-बार उन्हें बैठने के लिए कहते रहे। इस दौरान विपक्ष की नारेबाजी जारी रही। माले विधायकों के प्रदर्शन पर स्पीकर नंद किशोर यादव ने चुटकी लेते हुए महबूब आलम से कहा - 'आपके नाम में एक पाई खींच दी जाती तो आप महबूबा हो जाते। अगर आपका नाम महबूबा होता तो तीन तलाक मिल जाता। कितना झगड़ा करते हैं आप।' वहीं प्रदर्शन कर रहे वाम दल के विधायकों को उट नीतीश कुमार ने कहा कि 'कोई समस्या है तो लिख कर दीजिए। हम उसे देखेंगे।' जिसके बाद माले विधायक अपनी सीट पर बैठ गए। सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई है इधर, सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले लेफ्ट के विधायकों ने सदन के बाहर प्रदर्शन किया। पोर्टिको में प्रदर्शन करते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन 2000 करने की मांग की। साथ ही डोमिसाइल नीति को लेकर प्रदर्शन किया। नालंदा में महिला की हत्या का मामला विधानसभा में उठा। महिला के तलवे में कील ठोंकी गई है। घोषी से माले विधायक रामबली यादव ने इसे उठाया, जिस पर स्पीकर ने कहा कि कल यानी शुक्रवार को सबसे पहले महिलाओं से जुड़े सवाल लिए जाएंगे। वहीं मनेर से आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि 'नालंदा की घटना पर सीएम नीतीश कुमार को बयान देना चाहिए। मुख्यमंत्री बेबस हैं, वो सोच नहीं पा रहे हैं। कुछ अधिकारी हैं जो उनको चला रहे हैं। सरकार को जबरदस्ती चलाया जा रहा है। सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।'सदस्यता बहाल होने के बाद राजद एमएलसी सुनील कुमार सिंह अपने पुराने तेवर में दिखे। विधान परिषद पहुंचने पर उन्होंने विक्ट्री साइन दिखाई। वहीं नालंदा की घटना पर कहा कि 'बिहार में भ्रष्टाचार और लॉ एंड ऑर्डर पर बात मत कीजिए। अब तो ये स्थिति है कि कोई महिला कहीं काम मांगने जाती है तो उसे क्या-क्या भुगतना पड़ता है।' 'किस तरह से रोज हत्याएं हो रही है। ये बताने की जरूरत नहीं है। लोगों की आवाज को पहले भी उठाता था। आगे भी हक के लिए आवाज उठाऊंगा।' आज सरकार थर्ड सप्लीमेंट्री बजट सदन में पेश करेगी। लंच के बाद वित्तीय कार्य में इसे पास कराया जाएगा। सत्र के सेकेंड हाफ में बजट 2025-26 पर चर्चा होगी।

लंच के बाद पूरे समय बजट पर चर्चा होगी।

संक्षिप्त डायरी

मोतिहारी में 7-8 मार्च को सौर्य वेदनम का आयोजन

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी में 7 और 8 मार्च को गांधी मैदान में 'सौर्य वेदनम उत्सव' का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना के जवान हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम को लेकर संसदीय रक्षा समिति के अध्यक्ष राधामोहन सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। थल सेना के मध्य भारत के डीजी पद्म सिंह शेखावत और बिहार-झारखंड के ब्रिगेडियर विकास भारद्वाज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें बोफोर्स तोप, के-90, केएनपी रॉकेट लॉन्चर और टैंक शामिल हैं। सेना की विभिन्न गतिविधियों का लाइव प्रदर्शन भी होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सेना से जोड़ना है। उन्हें अग्निवीर योजना की जानकारी दी जाएगी। साथ ही देशभक्ति से जुड़ी प्रस्तुतियां भी होंगी। सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा। इससे वे देश की रक्षा सेवाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान का भी अवसर है।

हथियार के साथ 8 बदमाशों की गिरफ्तार

भोजपुर। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कुबेरचक धनडीहा के समीप रेलवे छोटी पुलिया के पास से अपराध की योजना बना रहे आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए बदमाशों के पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी कुबेरचक धनडीहा रेलवे पुल के पास इकट्ठा हुए हैं और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर कोईलवर थानाध्यक्ष नरोतमचंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की, लेकिन पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे। इसके बावजूद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान गीधा थाना क्षेत्र के मटियारा गांव निवासी संजीव कुमार, नीलेश कुमार, रोशन कुमार, कोईलवर थाना क्षेत्र के कुबेरचक धनडीहा निवासी कुंदन कुमार उर्फ पंकज कुमार, कोईलवर के सकड्डी निवासी मुकेश कुमार राय, धीरज कुमार, मुफस्सिल थाना के जमीरा निवासी कन्हैया कुमार और पटना जिला के बिहटा थाना के डुमरी निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है।पुलिस जांच में पता चला कि गिरफ्तार बदमाशों में से दो के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। संजीव कुमार पर चार मामले दर्ज हैं, जबकि कुंदन उर्फ पंकज के खिलाफ तीन केस लंबित हैं। दोनों पहले से फरार चल रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीपीओ ने बताया कि हाल के महीनों में हुई गोलीबारी की घटनाओं में इनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इनमें मटियारा में क्रिकेट खेलते समय युवक पर फायरिंग, सकड्डी में जमीन कारोबारी पर गोली चलाने और टाउन थाना के धरहरा जमीरा रोड पर दुकान में हुई गोलीबारी जैसी घटनाएं शामिल हैं। पुलिस को लंबे समय से इनकी तलाश थी। वहीं, संजीव कुमार इससे पहले बीरमपुर स्थित सीएसपी लूट कांड में जेल जा चुका है और दो महीने पहले ही रिहा हुआ था। पुलिस अब गिरफ्तार बदमाशों से गहराई से पूछताछ कर रही है और इनके अन्य आपराधिक गठजोड़ की पड़ताल की जा रही है।

गोली लगने से युवक घायल

आरा। के नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ले में बुधवार की देर शाम हथियारबंद बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली दाहिने साइड पेट में लगी है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद परिजन इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ला वार्ड नंबर 44 निवासी गोविंद वर्मा का 24 वर्षीय पुत्र अभिनय कुमार है। जख्मी युवक स्नातक पास करने के बाद नौकरी की तैयारी करता है।घटना की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर अभिनय कुमार ने बताया कि बुधवार की देर शाम वह अपने दो अन्य दोस्तों के साथ बाइक से आटा लाने के लिए गोढना रोड जा रहा था।

एक बुलेट पर सवार 4 दोस्त सड़क हादसे का शिकार

लखीसराय। में बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। टाउन थाना क्षेत्र के बाइपास स्थित अशोक धाम मार्ग पर यह हादसा हुआ। चार दोस्त एक ही बुलेट बाइक पर सवार थे। शाम करीब चार बजे बीएड कॉलेज के सामने बाइक बेकाबू होकर पोल से टकरा गई। हादसे में आलोक कुमार (22) और पियूष कुमार (23) की मौके पर ही मौत हो गई। जय कुमार (22) और बाइक चला रहे सागर कुमार (24) गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक आलोक कुमार टाउन थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार स्थित बड़ी दरगाह वार्ड नंबर-8 निवासी संजय पंडित के इकलौते बेटे थे। पियूष कुमार सुनील चौधरी का बेटा था। घायल जय कुमार बड़ी दरगाह वार्ड-8 निवासी पिंटू पंडित के बेटे हैं। सागर कुमार शहर के नया टोला में रहते हैं। टाउन थाना पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। दोनों का इलाज इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। इस मामले में एसपी ने बताया कि पोल से टकराने के कारण बाइक गढ्डे में गिर गई। 4 लोग एक बुलेट बाइक पर सवार थे। 2 की मौत हुई है, 2 जख्मी है। चारों की पहचान हो गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

आनंद मोहन का आशीर्वाद लेने गई थी- ज्योति सिंह

भोजपुरी। के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने बुधवार को चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो-चार दिनों के अंदर ही वह किसी न किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि जिस भी पार्टी से उन्हें मौका मिलेगा, वह चुनाव जरूर लड़ेंगी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस सीट से चुनाव लड़ेंगी, इसकी घोषणा बाद में करेंगी। मीडिया से बात करते हुए ज्योति सिंह ने कहा, मैं हर जगह चुनाव के लिए नहीं आ रही हूं। हर चीज को चुनाव से आपलोग नहीं जोड़ सकते हैं। मैं पारिवारिक माहौल के लिए भी आती हूं। इन लोगों से मेरा पारिवारिक नाता है। लोकसभा चुनाव में जो लोगों से मेरा बॉन्ड रहा, उस नाते भी मैं अक्सर इन लोगों से मिल लेती हूं। इसके साथ ही पारिवारिक मुद्दों पर भी बात हुई थी। बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए आनंद मोहन से मुलाकात पर कहा कि जो राजनीति में पहले से एंट्री मार चुके हैं, उनका आशीर्वाद तो लेना चाहिए। जब मैं राजनीति में आ ही गई हैं, तो जनता और नेताओं से मिलना-जुलना सामान्य बात है। मैं लोगों से जुड़ाव की वजह से उतरी हूं। एक समाजसेविका के रूप में उतरी हूं। लक्ष्य यही है कि जनता की सेवा करना है, उनका आशीर्वाद लेकर चलना है। महिलाओं ने किया भव्य स्वागत डेहरी ऑन सोन में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची ज्योति सिंह का वहां की महिलाओं ने भव्य स्वागत किया। उन्हें सिंदूर लगाया गया और खोईछा भी दिया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह समाज सेविका के रूप में लोगों से संवाद स्थापित कर रही हैं और उनकी समस्याओं को समझ रही हैं। राजनीति में जल्द आएंगी खुलकर ज्योति सिंह ने बताया कि वह लगातार क्षेत्र में लोगों से मिल रही हैं। उनकी समस्याओं को समझ रही हैं। उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में काराकाट सीट से पवन सिंह के लिए जमकर प्रचार किया था, जिससे उनका जनता से भावनात्मक जुड़ाव हो गया। चुनाव हारने के बाद पवन सिंह क्षेत्र से दूर हो गए, लेकिन ज्योति सिंह लगातार लोगों से संपर्क बनाए हुए हैं।

वहीं, बुधवार को स्नेहा हत्याकांड को लेकर रोहतास में एक रैली निकली है। इसमें ज्योति सिंह भी शामिल हुई। उन्होंने कहा कि स्नेहा हत्याकांड में हम इंसाफ की उम्मीद करते हैं। चाहते हैं कि इसमें जल्द से जल्द सुनवाई हो। स्नेहा के माता-पिता के साथ मैं हूं।

मीना बाजार की 6 दुकान से 5.70 लाख की चोरी

मोतिहारी। के नगर थाना क्षेत्र के मीना बाजार में बुधवार की रात चोरों ने एक साथ 6 दुकानों के ताले तोड़कर करीब 5.70 लाख रुपए का माल पार कर दिया। घटना बुधवार रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि चोरों ने शिवम कुमार की मोबाइल दुकान, सुरेश कुमार की किराना दुकान, प्रकाश प्रसाद के जनरल स्टोर, सोनू कुमार की मोबाइल दुकान और आरिफ रजा के साइबर कैफे को निशाना बनाया। जहां शिवम कुमार की दुकान से 70 हजार रुपए नगद के साथ कई महंगे मोबाइल चोरी हो गए। बताया गया कि नाइट गार्ड ने रात 1:30 बजे दुकानदारों को चोरी की सूचना दी। दुकानदार जब मौके पर पहुंचे तो दुकानों के शटर के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने आरिफ के साइबर कैफे से चुराया गया प्रिंटर रास्ते में ही फेंक दिया। जांच में जुटी पुलिस नगर थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। चोरों की धरपकड़ के लिए छापेमारी जारी है। हालांकि अभी तक दुकानदारों की तरफ से कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। व्यापारियों में इस घटना को लेकर रोष है। उनका कहना है कि मीना बाजार शहर का प्रमुख व्यवसायिक केंद्र है। यहां रात में पुलिस गश्ती वाहन मौजूद रहता है। फिर भी इतनी बड़ी चोरी की वारदात हो गई। इससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से इलाके में गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है।

148 बोतल विदेशी शराब के साथ दो तस्करों गिरफ्तार

मोतिहारी। होली के त्योहार से पहले बिहार में शराब तस्करी के प्रयास तेज हो गए हैं। बता दें कि आबकारी विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाल से लाई जा रही 148 बोतल कस्तूरी शराब जब्त की है। आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद के नेतृत्व में टीम ने विशेष तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान नेपाल सीमा से दो संदिग्ध व्यक्तियों को बोरे के साथ आते देखा गया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे। हालांकि, टीम ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पकड़े गए तस्करों की पहचान कोटवा निवासी कुंजेश कुमार और मन्नू कुमार के रूप में हुई है। दोनों के पास से बरामद शराब की बोतलें दो बोरों में छिपाकर रखी गई थीं। विभाग ने तस्करों की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

तस्करी पर रखी जा रही नजर आबकारी इंस्पेक्टर ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। होली के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है। विभाग अवैध शराब की तस्करी पर सख्त नजर रख रहा है और किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम बोलें- बिहार में जंगलराज

मुजफ्फरपुर। में राजद के सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिहार में नीतीश कुमार नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार चल रही है। शिवचंद्र राम ने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय बिहार में सुशासन था। उन्होंने कहा कि लालू राज में गरीबों, दलितों, महादलितों और पिछड़ों को सम्मान मिला। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बूट पॉलिश करने वाले का बेटा मंत्री बना और पहाड़ पर पत्थर तोड़ने वाली महिला सांसद बनीं। पूर्व मंत्री ने वर्तमान सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में अपराध चरम पर है। महिलाओं के साथ दिनदहाड़े अपराध हो रहा है। विशेष रूप से मुजफ्फरपुर में महिलाओं के खिलाफ कई शर्मनाक घटनाएं हुई हैं, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने नीतीश कुमार को 'मौनी बाबा' बताते हुए कहा कि उनका प्रभाव अब समाप्त हो चुका है। राज्य में बढ़ते अपराधों के लिए उन्होंने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। कार्यक्रम में शिवचंद्र राम ने कई लोगों को राजद की सदस्यता भी दिलाई। पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम बोलें- बिहार में जंगलराज मुजफ्फरपुर में राजद के सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिहार में नीतीश कुमार नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार चल रही है। शिवचंद्र राम ने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय बिहार में सुशासन था। उन्होंने कहा कि लालू राज में गरीबों, दलितों, महादलितों और पिछड़ों को सम्मान मिला। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बूट पॉलिश करने वाले का बेटा मंत्री बना और पहाड़ पर पत्थर तोड़ने वाली महिला सांसद बनीं।

तलवों में कीलें ठोंकी, शरीर जख्मों से भरा था; महिला के साथ इस बर्बरता की चर्चा सड़क से लेकर सदन तक

नालंदा। की महिला के साथ हुए इस बर्बरता की चर्चा है विधानसभा में भी हुई। विपक्ष के नेताओं ने इस मामले नीतीश सरकार से सवाल पूछा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी महिला की निर्मम हत्या को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला।नालंदा में एक महिला की लाश मिली है। उसके साथ बर्बरता की गई है। इसका प्रमाण तस्वीर में दिख रहा है। महिला का शरीर जख्मों से भरा था। तलवों में कीलों ठोंकी गई थी। इतना ही नहीं हाथ में स्लाइन चढ़ाने का ड्रिप लगा हुआ था। बुधवार को हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास एनएन 30ए किनारे इस शव को देख लोग हैरान रह गए। आशंका है कि किसी ने निर्ममता पूर्वक महिला की हत्या कर शव को यहां लाकर फेंक दिया है। गुरुवार को इस मामले की गूंज सड़क से लेकर सदन तक सुनाई दी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और विपक्ष के कुछ नेताओं ने इस मामले को लेकर विधानसभा में सवाल उठाया। हालांकि, सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। आइए जानते हैं क्या कहा मामला...चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि बुधवार को नालंदा के हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास नेशनल हाईवे (30 अ) के किनारे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। महिला की उम्र करीब 26 वर्ष प्रतीत हो रही और उसकी लाश नाइटी में थी। दाहिने हथेली पर ड्रीप लगा था, जिससे ये पता चलता है कि महिला को स्लाइन चढ़ाया जा रहा था। अब तक यह बात सामने नहीं आ पायी है कि महिला को किस अस्पताल में एडमिट किया गया था।लोगें का कहना है कि महिला के दाहिने हाथ पर कोहनी से ऊपर पट्टी लगी है, जिससे ब्लड चढ़ाए जाने की आशंका है। हालांकि, महिला प्रेग्नेंट होने की भी आशंका है, लेकिन इस संबंध में अब तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। महिला के दोनों तलवों में कुल नौ कीलें ठोकी मिली हैं। लेकिन, हैरानी की बात ये कि एक भी कील में खून लगा नहीं मिला है। जहां शव पाया गया वहां भी खून का धब्बा नहीं मिला है। प्रतीत होता है कि महिला की मौत के काफी देर बाद पैर में कील ठोंका गया है। पुलिस की ओर से कहा जा रहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकेगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला के शरीर पर राख लगा पाया गया है। हाथों में स्लाइन चढ़ाने वाली ड्रीप लगी है। आशंका है कि करंट लगने के बाद महिला को अस्पताल में एडमिट किया गया होगा। यहां मौत के बाद परिजन किसी ओझा के चक्कर में पड़ गए होंगे। लिहाजा उसकी लाश को ओझा या भगत के पास ले जाया गया होगा। यहां ओझा ने महिला के पैर में कील ठोंकी होगी, लेकिन जब महिला होश में नहीं आ पाई तो उसकी लाश को ओझा की ओर से ही यहां लाकर फेंक दिया गया होगा।

महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शर्म है कि आती ही नहीं! उनके गृह जिला में घटित इस रूह कंपकंपाने वाले वीभत्स कांड और दरिंदगी से भी अगर किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता तो वह इंसान है नहीं!

वैसे इस घटना को भी बेशर्म भाजपाई और ठऊअ के सत्तालोलुप लोग राम राज्य की मंगलकारी घटना ही बतायेंगे और कहेंगे कि 15वीं शताब्दी में क्या होता था जी?

यूपी के माध्यमिक शिक्षा विभाग में सिटिजन चार्टर लागू

लखनऊ। यूपी के माध्यमिक शिक्षा विभाग में अब सिटिजन चार्टर यानी नागरिक घोषणा पत्र लागू कर दिया गया। सरकारी माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को काम तय समय पर निस्तारित करने होंगे। ऐसा न करने पर जिम्मेदार अधिकारियों या कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। छात्रों को अंक पत्र और प्रमाणपत्र के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वहीं, शिक्षकों और कर्मचारियों के भी सेवा संबंधी काम तय समय पर निस्तारित करने होंगे। स्कूलों और कार्यालयों में इसका प्रचार-प्रसार बोर्ड लगाकर किया जाएगा। सिटिजन चार्टर से स्टूडेंट, टीचर और स्टॉफ को मिलेगा फायदा माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने इसका विमोचन करते हुए कहा कि इस पहल से काम में पारदर्शिता आएगी। सिटिजन चार्टर लागू होने के साथ ही अब राजकीय माध्यमिक स्कूलों और अशासकीय सहायताप्राप्त माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों को ह्यूमन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अवकाश की सुविधा दी जाएगी। स्टूडेंट्स को नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर स्टूडेंट्स को बोर्ड कार्यालय से आवेदन करने के 15 दिनों में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रमाण पत्र की सेकेंड कॉपी, मार्क शीट, मार्क शीट की सेकेंड कॉपी और संशोधित प्रमाण पत्र 30 दिनों में जारी करना होगा। वहीं, स्टूडेंट्स के निरस्त परीक्षाफल, रोके गए रिजल्ट या अपूर्ण व त्रुटिपूर्ण परीक्षाफल का संशोधन व निस्तारण 45 दिनों में करना होगा। विभिन्न सेवाओं के लिए अलग-अलग 15 से 30 दिनों में स्टूडेंट पहले अपीलीय अधिकारी सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद व दूसरे अपीलीय अधिकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक कार्यालय में अपील कर सकेंगे।स्कूल स्टॉफ पर भी होगा लागू राजकीय माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों के पेंशन स्वीकृति पर निर्णय 60 दिनों में, जीपीएफ स्वीकृति पर निर्णय 30 दिनों में, जीपीएफ अग्रिम भुगतान 15 दिनों में, नव नियुक्त शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन 60 दिनों में, चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर निर्णय 60 दिनों में, वेतन भुगतान पर निर्णय 15 दिनों में, सुनिश्चित करियर प्रोन्नयन पर निर्णय 90 दिनों में और मृतक आश्रितों को नौकरी देने के मामले में 90 दिनों में निर्णय लेना होगा। ऐसे ही एडेड माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों के भी काम तय समय पर होंगे।

हमीरपुर में ई लाटरी के जरिये हुई शराब और भांग की दुकानों की नीलामी

न्यूज स्पीक्स
हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में देशी शराब की 229 में से 188 दुकानों, कम्पोजिट शॉप की सभी 79 सहित भांग की सभी आठ दुकानों का 2025-26 के लिये ई-लॉटरी के जरिये हमीरपुर की तत्कालीन जिलाधिकारी बी.चन्द्रकला, वर्तमान सचिव महिला कल्याण सहित पंचायती राज उ०प्र० शासन की अध्यक्षता सहित जिलाधिकारी हमीरपुर घनश्याम मीना, पुलिस कप्तान हमीरपुर डॉ० दीक्षा शर्मा, अमृता श्रीवास्तव, सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन बांदा, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) विजय शंकर तिवारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ० नागेन्द्रनाथ यादव की मौजूदगी में जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। देशी शराब की 188 दुकानों पर 639 आवेदन, कम्पोजिट शॉप की 79 दुकानों पर 567 आवेदन सहित भांग की आठ दुकानों पर 12 आवेदन किये गये, जिसमें कुल 275 दुकानों पर 1218 आवेदन किये गये। इन आवेदन पत्रों में से आवेदकों का चयन ऑन लाईन ई-लॉटरी के जरिये तकनीकि, वैज्ञानिक रीति से एन. आई.सी. के सहयोग से सम्पन्न हुआ। ई-लॉटरी के वख्त भारी तादाद में आवेदक मौजूद रहे। ई-लॉटरी की कार्यवाही आवेदको की ज्यादा तादाद के मद्देनजर स्पोर्टस स्टेडियम हमीरपुर के मैदान में सम्पन्न कराई गयी। ई-लॉटरी में सभी आवेदकों की जांच करने के बाद लीगल डाक्यूमेंट दिखाने पर ही दिया गया। वही सुरक्षा के मद्देनजर ई- लाटरी मैदान सहित मैदान के बाहर बड़ी तादाद में पुलिस बल मौजूद रहा। ई-लॉटरी सम्पन्न होनें के बाद उप आबकारी आयुक्त,प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी अवधेश राम ने सभी अधिकारियों सहित आवेदकों का आभार व्यक्त किया। जबकि जिला आबकारी अधिकारी हमीरपुर अवधेश राम ने बताया कि ई-लॉटरी के रिजल्ट को हमीरपुर की बेबसाईट www.hamirpur.fic.if पर अपलोड करने के साथ ही नोटिस बोर्ड सहित मीडिया ग्रुप में शेयर कर दिया गया है।

अनिरुद्धवा में आयोजित बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में दी गई जानकारी

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। गन्ना विकास समिति कसया परिक्षेत्र के ग्राम अनिरुद्धवा में आयोजित बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती के गुर बताए गए।
आयोजित गोष्ठी में उत्तरप्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने गन्ने की सर्वाधिक उपज देने वाली प्रजाति को. 0118, तथा को. 15023 की जानकारी देते हुए दो आंख की गेड़ी काटने, हेक्सटॉप के घोल में उपचारित करने, ट्राईकोडर्मा का प्रयोग, गन्ने की बुवाई 120 सेंटीमीटर पर करने की जानकारी दी। कहा कि आने वाले समय में गन्ने की कटाई, छिलाई मशीन से होगी। गन्ने के साथ सहफसली खेती से गन्ने का उपज बढ़ेगा। हानिकारक कीट पीहिका अंकुर बेधक नियंत्रण होगा। भिंडी, मूंग, उर्द, लोबिया भी बोए। ढाढा चीनी मिल के अधिशाषी अध्यक्ष करण सिंह के हवाले से बताया कि मिल परिक्षेत्र में सभी किसानों की गन्ने की बुवाई केन प्लांटर से कराया जा रहा है। निराई गुड़ाई, पेड़ी प्रबन्धन मशीन पावर टीलर से कराया जा रहा है। सिंगल बड से तैयार गन्ने के पौधा की रोपाई मशीन से कराया जा रहा है। वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक तिवारी ने बताया की बीज गन्ना कृषकों के खेतों पर आरक्षण कराया गया है, छोटे ट्रैक्टर पर 25 हजार रुपए अनुदान दिया जा रहा है। सेवरही गन्ना शोध से कसया क्षेत्र के लिए 10 हजार एक आंख का टुकड़ा आवंटन हुआ है। कसया गन्ना समिति के संचालक सदस्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से नौ दिवसीय यात्रा से वापस लौटे रामबेलाश गुप्ता ने बताया कि पूर्वांचल में जागरूकता का अभाव है, पशुपालन का कमी है। अजय श्रीवास्तव द्वारा को. 0118, एवम को. 15023 के बारे मे बताया। गन्ना बैज्ञानिक डॉ बच्चा राव ने पेड़ी प्रबन्धन की जानकारी दी। संचालन वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक तिवारी ने किया। इस दौरान किसान कपिलदेव यादव, बलिराम, अनिरुद्ध, कैलाश, शिवपूजन, रामनरेश आदि मौजूद रहे।

नमाज (तरावीह) के साथ रमजान का आगाज मस्जिदें नमाजियों से हुई गुलजार

संवाददाता
कुशीनगर। माहे रमजान का चांद नजर आते ही रमजान की तैयारियों को लेकर जहां बाजारों में रौनक बढ़ने लगी वहीं मस्जिदों में भी नमाजियों की तादाद में इजाफा हो गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने रमजान की तैयारियों को लेकर बाजारों में सेवइयां डबल रोटी तथा अन्य खाने-पीने की जरुरी चीजों की जमकर खरीदारी की। रात्रि में रमजान शरीफ में पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज (तरावीह) मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा की। पकहां लुकपुर में नूरी मस्जिद प्रथम दिन नमाजियों से खचाखच भरी हुई थी। मस्जिद के इमाम एम एस कादरी निजामी ने तरावीह की नमाज के बाद अपने संबोधन में रमजान की अहमियत बयान करते हुए कहा कि रमजान (रोजे) का मकसद केवल भूखे वह प्यासा रहना नहीं है, बल्कि उसका असली अर्थ यह है कि हम अपने पड़ोसियों की गरीबों की भूख और प्यास का भी ख्याल रखेंअगर आपके पड़ोस में कोई गरीब या कोई व्यक्ति भूखा है और उसके घर में भोजन नहीं है, उसका एहसास करें। उसको खाना पहुंचाएं। रमजान के पहले अशरा में यानी रमजान के पहले दस दिन रहमत और बरकत का आसरा होता है, इसमें पूरी मानवता के लिए पूरी इंसानियत के लिए और अपने देश के लिए दुआ करें मानवता और सुख शांति की दुआ कराई गई। इस अवसर पर हाफिज इश्तियाक, इलियास, अबरार अहमद, रियाजउद्दीन, सैफुल्लाह अंसारी, अब्दुल कलाम, आजाद, सिराजुद्दीन अंसारी, गयासुद्दीन अंसारी तराबी तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रावि नरकटिया खुर्द में हुआ पौधरोपण, शिक्षण सामग्री वितरित

संवाददाता
कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय नरकटिया खुर्द में गुरुवार को कसया के व्यवसायी मनीष मोदनवाल की बिटिया खुशी मोदनवाल के जन्मदिन पर पौधरोपण एवं शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री मोदनवाल ने कहा कि बिटिया के जन्मोत्सव पर पूरा परिवार हर्ष में है और इस अवसर पर पौधरोपण करके और बच्चों को शिक्षण सामग्री भेंट कर सुकून मिल रहा। हम सबको अपने खुशियों में समाज को शामिल करना चाहिए। इससे एक सशक्त समाज का निर्माण होगा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक कृष्ण मोहन, माया चौरसिया, कुसुम देवी, मरियम खातून, नंदरानी श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने किया खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां का निरीक्षण

संवाददाता
कुशीनगर। उत्तर प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी ग्रामोद्योग एवं हथकरघा विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने गुरुवार को खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां, फाजिलनगर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने संस्था को खादी के क्षेत्र में कार्य करने में आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। साथ ही संस्था के भविष्य में रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा सकने वाले संभावित कार्यों पर भी गंभीरता और गहनता से चर्चा की। प्रमुख सचिव ने कामगारों से संवाद कर उनके कार्यों और कठिनाइयों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्था के कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन और विपणन तक के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में किए गए रोजगार सृजन के कार्यों की सराहना करते हुए उपस्थित सभी लोगों का मनोबल भी बढ़ाया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी तमकुही राज, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जिला एवं तहसील प्रशासन कसया के अधिकारी, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ए.के. पाल, बिहार से अवकाश प्राप्त न्यायाधीश सत्येन्द्र पांडेय,खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां के मंत्री पंकज कुमार पाण्डेय, दीनानाथ गुप्ता, रामनाथ गुप्ता, राम गुलाम प्रसाद, सोमारी प्रसाद, अखिलेश प्रसाद, रामनयन पांडेय, विजय पांडेय, नरेन्द्र पांडेय, जयप्रकाश पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बस संचालन के लिए सांसद विजय दूबे को पत्र सौंपा

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। रोडवेज बस न चलने से स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। पडरौना, बाड़ीपुल, अहिरौली राजा, गोबरही, भठही, नैका छपरा ,हेतिमपुर से गोरखपुर मार्ग सीधे जिला मुख्यालय से जुड़ा है। यहां आवागमन को रोडवेज बस की लंबे समय से मांग हो रही है लेकिन जिला प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इससे ग्रामीणों को निजी या प्राइवेट वाहनों से जिला मुख्यालय समेत अन्य स्थानों पर आवागमन करना पड़ता है। इसको लेकर डुमरी चुरामनछपरा के ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय के नेतृत्व में कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे को बस संचालन के लिए एक मांग पत्र सौंपा गया। जिसको गम्भीरता से लेते हुए सांसद ने कारवाई का आश्वासन दिया। दरअसल गोरखपुर से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले उक्त मार्ग पर अभी तक रोडवेज बसों का संचालन नहीं किया गया। लोगों को लंबी दूरी तय कर निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीण रूटों पर रोडवेज की बस नहीं चलने से तीन पहिया चालक मनमाफिक किराया वसूलते हैं। गांवों के स्टैंड से तीन पहिया भरने के बाद ही चलते हैं, जगह-जगह रुकने के साथ ही सवारी से जो किराया मांग लिया वह उसे देना पड़ता है। तीन पहिया चालक सवारियों को बाहर लटका कर चलते हैं। इससे कई बार दुर्घटना भी हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि निजी वाहनों को पकड़ने के लिए भी उन्हें चार से पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले उक्त मार्ग पर रोडवेज बसों का संचालन न होने से काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।
छात्र भी किसी तरह अपने विद्यालयों में पहुंचते हैं। ग्रामीणों को अगर गोरखपुर इलाज या बच्चों को शिक्षण संस्थान जाने के लिए अगर बस संचालन हो जाता तो बहुत सुगमता हो जाता।
ग्राम प्रधान अजय जायसवाल, अजित कुशवाहा, सतेन्द्र सिंह, राम आश्रय, समीउल्लाह खान, पूर्व ग्राम प्रधान जेपी यादव, मोहसिन उर्फ बुलेट, रामकृष्ण, अजीत सिंह, रामेश्वर मौजूद रहे

संक्षिप्त डायरी

पर्यावरण परिवर्तन की गति बढ़ने से लाखों जीव लुप्त होने के कगार पर:प्रो . प्रमोद टंडन

संवाददाता
कुशीनगर।

बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर में देश के महत्वपूर्ण वैज्ञानिकों की एक विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो . प्रमोद टंडन ने कहा पर्यावरण परिवर्तन नई चीज नहीं है यह हजारों वर्षों से हो रही है। समस्या यह है कि इसकी गति बहुत बढ़ गई है। इस कारण लाखों प्रकार के पौधे और प्राणी लुप्त होने के कगार पर हैं। इसका प्रभाव अमेरिका और चीन से ज्यादा भारत पर पड़ेगा। अगर इसे रोका नहीं गया तो 15 से 37 प्रतिशत पौधे और वनस्पति 2050 तक नष्ट हो जाएंगे। 6.1 प्रतिशत लोग प्रति 10 साल पहाड़ों की ओर बस रहे हैं। समुद्र में जल का स्तर बहुत तेज बढ़ने वाला है। जीव जंतुओं के प्रजनन पर असर पड़ रहा है। साइबेरियन पक्षी इस वर्ष कम आए हैं। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय में जीवन विज्ञान संकाय की पूर्व डीन प्रो वीना टंडन ने खाद्य पदार्थों से होने वाले पैरासाइट (परजीवी) संक्रमण विषय पर बोलते हुए कहा कि पूरे विश्व की एक तिहाई आबादी परजीवी कृमि संक्रमण से प्रभावित है। ये सभी कृमि ट्रॉपिकल देशों जहां गर्मी ज्यादा पड़ती है वहां के रोजमर्रा के जीवन में ज्यादा सक्रिय हैं। जानवरों में होने वाले कुछ संक्रमण मनुष्यों में भी फैल सकते हैं। सबसे ज्यादा राउंड बर्म का संक्रमण होता है। यह गंदे पानी से गंदे हाथों से होता है। पिन वर्म बच्चों में ज्यादा होते हैं। हुक वर्म नम मिट्टी से त्वचा के रस्ते शरीर में पहुंचते हैं। ज्यादातर बच्चों और महिलाओं में एनीमिया के कारण होते हैं। टेपवर्म इन्फेक्शन सूअर या गाय के मांस को खाने से होता है। इसकी लंबाई 25 मीटर तक हो सकती है। बायोकेमिस्ट्री के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो रमेश शर्मा ने हार्मोस और उनकी उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि हार्मोस केमिकल मैसेंजर होते हैं। ये हार्ट और किडनी में भी पाया जाता है। हार्मोस हमारे प्रत्येक गतिविधि को संचालित भी करते हैं। ये हार्मोस शरीर ही नहीं वातावरण से भी संचालित होते हैं। शरीर लड़े या भागे इसका संचालन भी हार्मोस से होता है। वातावरण के परिवर्तित होने पर शरीर को उससे अनुकूलित होने के लिए भी हार्मोन उत्तरदाई होते हैं। इंदरफिन हार्मोन पुरुष में ज्यादा होते हैं और महिलाओं में कम होता है इसीलिए पुरुषों में स्त्रियों की अपेक्षा कम घबराहट होती है। सीनियर एंटोमोलाजिस्ट डॉ मानवेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि किसी एजेंट के माध्यम से फैलने वाले रोग वेक्टर वॉर्न डिजीज होते हैं। मलेरिया, जीका वायरस, डेंगी, फाइलेरिया, प्लेग आदि इससे फैलते हैं। मच्छरों को समाप्त नहीं किया जा सकता उसकी संख्या कम की जा सकती है। डेंगी के अंडे बिना पानी के डेढ़ साल तक जीवित रहते हैं। इसलिए पानी इकट्ठा होने वाली सभी जगहों की व्यवस्थित सफाई जरूरी है। कूलर में 80 प्रतिशत डेंगी का मच्छर अंडा देता है। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंध सचिव सरदार वीरेंद्र सिंह आहलूवालिया ने की। स्वागत भाषण प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने किया। संचालन प्रो गौरव तिवारी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अनुज कुमार और सह संयोजक डॉ राकेश राय रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो रवि प्रताप पाण्डेय, प्रो इंद्रजीत मिश्र ,प्रो सत्येंद्र गौतम, डॉ चंद्रशेखर सिंह, डॉ रमेश चंद्र विश्वकर्मा, डॉ सौरभ द्विवेदी, डॉ सुबोध गौतम, डॉ हिमांशु मिश्र, डॉ श्वेता यादव, डॉ पारसनाथ, डॉ अंशु यादव, डॉ लक्ष्मी, डॉ पूजा, डॉ चंद्र प्रकाश सिंह, डॉ विनोद सिंह, डॉ चंद्रशेखर पाठक सहित भारी मात्रा में विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

हमीरपुर में सत्ताईसवीं अन्तर्जनपदीय प्रयागराज जोन की तीन दिवसीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

संवाददाता
हमीरपुर (सैय्यद बासित अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज, जोन प्रयागराज के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने तीन दिवसीय, 27वीं अन्तर्जनपदीय प्रयागराज की पुलिस एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता वर्ष 2025 के आयोजन का शुभारम्भ किया गया ।प्रतियोगिता 6.03.2025 से 8.03.2025 तक 27वीं प्रतियोगिता में आठ जनपदों में 6 जनपदों की टीमों ने जोरदार शिरकत की, पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा ने प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी टीमें और उनके सम्मानित प्रशिक्षकों से बात कर खेल भावना की उच्च मयार्दाओं के प्रति प्रतिबद्धता के लिये निर्देश दिए। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वालें पुलिस खिलाडियों को सम्मानित किया जायेगा ।

चार वर्षो से मृतक को देते रहे पेंशन, विवाद में हुआ खुलासा

संवाददाता
देवरिया। सदर तहसील के गौरी बाजार के रहने वाले बद्रीनारायण राय जिनकी मृत्यु 18 नवम्बर 2020 को हो गया, उसके बाद भी इनके छोटे बेटे श्रीप्रकाश राय द्वारा लगातार हर महीने पेंशन लिया जा रहा था,मरने के बाद भी लिया गया पेंशन का लाभ, हर वर्ष किया गया मृत शिक्षक का वेरिफिकेशन, सिस्टम में दिखाया गया जीवित। चार वर्षों से मृतक शिक्षक ले रहा था पेंशन। दो भाइयों के विवाद में हुआ खुलासा। ट्रेजरी विभाग के बाबू की मिलीभगत से उठता रहा पेंशन। हर वर्ष हुआ मृत शिक्षक का वेरिफिकेशन। मृत शिक्षक को जिंदा दिखाकर दी गई पेंशन। ट्रेजरी विभाग के बाबू को पटल से हटाया गया।अब इस पुरे मामले में धन की रिकवरी की जाएगी।

लोक अदालत में कुल 16 वादों का हुआ निस्तारण

संवाददाता
देवरिया। गुरुवार को जनपद यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया श्री देवेंद्र सिंह की मार्गदर्शन में लघु आपराधिक वादों के अन्तर्गत लम्बित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन दीवानी न्यायालय परिसर, तथा ग्राम न्यायालय में किया गया। उक्त लोक अदालत में विभिन्न फौजदारी न्यायालयों के पीठासीन न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 16 वादों का निस्तारण किया गया।उक्त जानकारी श्री मनोज कुमार तिवारी, अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया द्वारा दी गयी।

थोड़ी सी सावधानी से डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं होली का मजा

होली खाने-पीने और लोगों से मिलने-जुलने का मौका होता है. होली के दिन दोस्त-रिश्तेदार मिलते हैं, पार्टियों का दौर चलता है. लेकिन इन पार्टियों और बेवक्त खाने-पीने का बुरा असर उन लोगों के शरीर पर ज्यादा पड़ता है जो पहले से ही किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहे हैं. त्योहारों के दौरान खान-पान में लापरवाही बरतने से डायबिटीज के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है. आज इस त्योहारी सीजन पर हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पूरे जोश के साथ होली का मजा ले पाएंगे, वो भी बीमारी की चिंता किए बिना.

होली के दौरान ब्लड शुगर लेवल को कैसे रखें कंट्रोल

विशेषज्ञों का कहना है कि होली के बाद बड़ी संख्या में लोगों का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के दौरान 250 द्गद्य/स्रुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों के ब्लड शुगर लेवल में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 300 द्गद्य/स्रुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. इस होली पर डायबिटीज के मरीज अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल रखकर अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और त्योहार को भी उसी उत्साह और खुशी के साथ मना सकते हैं.

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं

अगर डायबिटीज के मरीज एक बार में बहुत सारा खाना खाने की बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, तो वे अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं. ऐसा करने से मरीजों के खून में शुगर लेवल सामान्य रहेगा और शरीर को पूरे पोषक तत्व भी मिलेंगे.

फास्ट फूड की जगह पौष्टिक स्नैक्स खाएं

त्योहार की चहल-पहल और उत्साह में खाने-पीने से समझौता न करें. जितना हो सके फास्ट फूड से बचें और तले-भुने और मसालेदार खाने से दूरी बनाए रखें. साथ ही बिस्किट, समोसे, कचौड़ी और पकौड़े जैसी खाद्य सामग्री खाने से बचें. फास्ट फूड की जगह फल और हल्के भुने स्नैक्स खाएं.

शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें

होली के त्योहार के मौके पर ज्यादातर लोग दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलकर खुशी जाहिर करने के लिए शराब का सेवन करते हैं. शराब आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है. इसलिए जहां तक ??हो सके शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें और अपने रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास करें.

कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

त्योहारों के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स के सेवन से भी बचना चाहिए. कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी या ग्रीन टी को प्राथमिकता देनी चाहिए.

ब्राउन राइस खाएं

ज्यादातर लोग सफेद चावल खाना पसंद करते हैं. लेकिन डायबिटीज के रोगियों को सफेद चावल खाने से बचना चाहिए. दरअसल, सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसलिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

भुने हुए अमरूद के लाभ जानकर हो जाएंगे हैरान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. अच्छी सेहत के लिए लोगों को आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, इसके साथ ही तरह-तरह के फल का भी सेवन करना चाहिए. अमरूद फल खाना हर किसी को पसंद होता है. स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अमरूद काफी फायदेमंद होता है. अमरूद स्वास्थ्य को ठीक रखता है, इसमें पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई होते हैं. अमरूद को अधिकांश लोग ऐसे ही खाते हैं लेकिन यदि इसे रोस्ट कर खाया जाए तो और भी फायदेमंद होगा. इस खबर में प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. जानकी श्रीनाथ से के माध्यम से जाने भुने हुए अमरूद खाने के फायदे के बारे में...

भुने हुए अमरूद खाने के फायदे

भुना हुआ अमरूद खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है. यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है. अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं.

भुने हुए अमरूद में फाइबर होता है. यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसे खाने से पेट की समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और अपच से राहत मिलती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है. इसे भूनकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इससे शरीर में संक्रमण का खतरा टल जाता है.

भुने हुए अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है. यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह डायबिटीज रोगियों के लिए रामबाण है. भुने हुए अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।. ये दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है.

भुने हुए अमरूद खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है. भुने हुए अमरूद में कैल्शियम और फास्फोरस होता है. ये हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है.

भुने हुए अमरूद सर्दी-खांसी से राहत दिलाते हैं. अमरूद की तासीर आमतौर पर ठंडी होती है. ऐसे में भुने हुए अमरूद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है. अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं. सर्दियों में भुने हुए अमरूद खाने से सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं दूर रहती हैं.

अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. ये दिल से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. दिल के मरीजों के लिए अमरूद खाना फायदेमंद होता है. एनर्जी से भरपूर अमरूद खाने से आपको एनर्जी मिलती है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. आप भुने हुए अमरूद की चाट बनाकर भी नाश्ते में खा सकते हैं.

भुने हुए अमरूद खाने से शरीर से कमजोरी और थकान दूर होती है. अगर आपको भूख कम लगती है तो भुने हुए अमरूद खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है. भुने हुए अमरूद खाने से भूख बढ़ती है. वजन घटाने में अमरूद खाना फायदेमंद होता है. इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और वजन कम करने में मदद करता है.

अमरूद में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं, जो इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे झुर्रियों को रोकने में मदद मिलती है.

दो महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीने से क्या होगा?

नारियल पानी शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप रोज सुबह 2 महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीते हैं तो क्या होता है? खबर में जानें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं.

शरीर में आते हैं ये बदलाव

दरअसल, रोजाना नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है. यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है.

रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है. संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है. जो लोग हमेशा मौसमी बीमारियों से परेशान रहते हैं उन्हें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से फायदा होता है.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह नारियल पानी पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके कुछ गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं. यह दिल को मजबूत बनाने में भी मदद करता है.

नारियल के पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. इनसे शरीर तरोताजा रहता है. संक्रमण से पीड़ित लोगों के लिए यह पानी पीना अच्छा रहता है. साथ ही बीपी, शुगर और दिल की बीमारियां भी कंट्रोल में रहती हैं. आपको बता दें, बढ़ते वजन को कम करने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. दिल को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए भी नारियल पानी उपयोगी है. अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आपको नारियल पानी पीना चाहिए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, नारियल पानी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं

नारियल पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है, जो किडनी के कार्य, मांसपेशियों के संकुचन और रक्त शर्करा के नियमन में मदद करता है.

नारियल का पानी ग्लूकोज सहनशीलता को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल का पानी रेटिना की मोटाई को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी का सिरका कैंसर से जुड़ी सूजन को रोकने और स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रगति में देरी करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स होते हैं जो रोगजनक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं

नारियल के पानी में कैटेचिन होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इलेक्ट्रोलाइट्सः- नारियल पानी पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है. ये खनिज शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, जो जलयोजन के लिए आवश्यक है.

हाइड्रेशनः- नारियल पानी हाइड्रेशन का एक प्राकृतिक स्रोत है, और यह पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थ को भरने में मदद कर सकता है. यह शुगर युक्त या हाई कैलोरी वाले पेय का एक उत्कृष्ट विकल्प है, जो निर्जलीकरण में योगदान कर सकता है.

ठंडक प्रदान करने वाले गुणः- नारियल पानी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और गर्मी के तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं.

भोजन करते समय ऊपर से भूलकर भी ना करें नमक का सेवन

देश-दुनिया में लोग जाने-अनजाने में जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं. कई लोग खाने के समय काफी मात्रा में अतिरिक्त नमक का सेवन करते हैं. मतलब निर्धारित मात्रा से अत्याधिक नमक सेवन करते हैं. इस कारण धीरे-धीरे हाई बीपी के अलावा कई गंभीर मेडिकल समस्या से ग्रसित हो जाते हैं. डिमेंशिया भी एक ऐसी ही समस्या है. डिमेंशिया से मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचता है. डिमेंशिया से पीड़ित लोगों में सोचने, याद रखने और तर्क करने की क्षमता कम हो जाती है. जापान में यह समस्या काफी आम है. कभी-कभी, डिमेंशिया से पीड़ित लोग पागल भी हो सकते हैं.

चिकित्सा विज्ञान में डिमेंशिया को बीमारी नहीं माना जाता है. वर्तमान में, मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को कम करने के लिए कोई संतोषजनक उपचार उपलब्ध नहीं है. या फिर डिमेंशिया को ठीक करने के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है. दुनिया की बढ़ती आबादी के साथ, डिमेंशिया की रोकथाम और उपचार दवाओं की खोज महत्वपूर्ण है. चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना ??है कि डिमेंशिया की समस्या के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में टेबल नमक का सेवन है, जो एक सर्वव्यापी खाद्य योजक है. अधिक नमक (एचएस) का सेवन हाई ब्लड प्रेशर का कारण भी बन सकता है. प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रति दिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सीमित करने की सलाह देता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वयस्कों को प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए. इसका मतलब है कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने के लिए प्रतिदिन 2,000 मिलीग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए.

अगर भारतीय प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक खाने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक का पालन करें, तो वे 10 वर्षों में हृदय रोग (सीवीडी) और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से होने वाली अनुमानित 300,000 मौतों को टाल सकते हैं। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक मॉडलिंग अध्ययन का निष्कर्ष है. द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में अनुपालन के पहले 10 वर्षों के भीतर पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ और लागत बचत की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें 1.7 मिलियन सी.वी.डी. घटनाओं (दिल के दौरे और स्ट्रोक) और 700,000 नए सी.के.डी. मामलों को रोकना शामिल है, साथ ही 800 मिलियन डॉलर की बचत भी शामिल है. वर्तमान में औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 11 ग्राम नमक का सेवन करता है, जो डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा अनुशंसित मात्रा (5 ग्राम/दिन नमक से कम) से दोगुना है.

शोध में क्या हुआ

एंजियोटेंसिन द्ध्रद्ध (एंग II) - एक हार्मोन जो ब्लड प्रेशर और द्रव संतुलन को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके रिसेप्टर %एटी1%, साथ ही शारीरिक रूप से महत्वपूर्ण लिपिड अणु प्रोस्टाग्लैंडीन ई2 और इसके रिसेप्टर %ईपी1% की हाई ब्लड प्रेशर और न्यूरोटॉक्सिसिटी में भागीदारी अच्छी तरह से पहचानी जाती है. हालांकि, हाई सॉल्ट मध्यस्थता वाले हाई ब्लड प्रेशर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि में इन प्रणालियों की भागीदारी अभी भी मायावी बनी हुई है.

इसके लिए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने एचएस-मेडीटर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि के पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया है. अध्ययन जापान के सहयोगी शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया गया था. क्रॉसस्टॉक द्वारा मध्यस्थता से भावनात्मक और संज्ञानात्मक शिथिलता का कारण बनता है.

फुजिता हेल्थ यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के लेखक हसायोशी कुबोता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अत्यधिक नमक का सेवन हाई ब्लड प्रेशर, संज्ञानात्मक शिथिलता और

स्पेन में 2025 मोबाइल विश्व कांग्रेस में एक ड्रोन को ड्यूटसे टेलीकोम स्टेंड में प्रदर्शित किया गया। इस मोबाइल विश्व कांग्रेस में कारोबारी जगत के दिग्गजों के अलाव नीति निर्धारक और नई तकनीक तलाशने वाले एक साथ नजर आते हैं।

महाराष्ट्र में गन्ना पेराई सत्र में चीनी उत्पादन में 20 फीसदी की गिरावट

- चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का हो चुका उत्पादन

मुंबई ।

महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट के कारण गन्ना पेराई सत्र अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है जो पिछले सीजन से करीब 20 फीसदी कम है। गन्ने की कमजोर फसल, चीनी रिकवरी दर में गिरावट और एथेनॉल की तरफ झुकाव से राज्य के चीनी उत्पादन में भारी गिरावट होते दिख रही है। महाराष्ट्र चीनी आयुक्तालय के अनुसार, तीन मार्च तक महाराष्ट्र में चालू 2024-25 सीजन के लिए चीनी उत्पादन 761.19 लाख क्विंटल (लगभग 76.11 लाख टन) हुआ है। इसके बावजूद गन्ने की कमी के कारण राज्य की 92 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है जो पिछले सीजन की तुलना में दोगुना है। वर्तमान में 108 मिलें गन्ना पेराई कार्यों में लगी हुई हैं, जबकि राज्य में 92 चीनी मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है। राज्य की कुल चीनी रिकवरी दर 9.37 फीसदी है, जो पिछले सीजन की तुलना में कम है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, कम पैदावार और बढ़ी हुई पेराई क्षमता के कारण मिलों ने इस सीजन में परिचालन जल्दी बंद कर दिया है। महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन कम होने का असर देश के कुल उत्पादन पर पड़ने वाला है और 2024-25 सीजन में चीनी उत्पादन में 15 फीसदी की गिरावट की आशंका है। भारत में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की खपत होती है, जिससे देश में गन्ने की कोई कमी नहीं रहने वाली है।

देश में 2014 से 2024 तक 17.1 करोड़ रोजगार अवसर पैदा हुए: मांडविया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 2014 से 2024 के दशक में देश के भीतर 17.1 करोड़ नौकरियां सृजित हुईं जिनमें से 4.6 करोड़ रोजगार अकेले पिछले साल ही सृजित हुए। मांडविया ने बजट पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यह 2017-18 के छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत पर आ गई। इसी अवधि में महिला रोजगार 22 प्रतिशत से खासा बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया। श्रम मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की प्रगतिशील नीतियों को देते हुए कहा कि इससे देश का कार्यबल मजबूत हुआ है। मांडविया ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024-26 का हवाला देते हुए सरकार की सामाजिक सुरक्षा पहल के प्रभाव का जिक्र किया। इसमें कहा गया है कि भारत का सामाजिक सुरक्षा 'कवरेज' 24.4 प्रतिशत से दोगुना होकर 48.8 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल का विस्तार, 30.67 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को कवर करना और पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) के तहत अस्थायी (गिग) श्रमिकों को शामिल करना, कार्यबल कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बताता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के तहत 12 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को भी एकीकृत किया है और यह पोर्टल 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

टेस्ला इंक मुंबई में खोलेगा पहला शोरूम

- 35 लाख होगा ऑ फिस का मंथली किराया

मुंबई ।

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने भारत में अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में लीज पर लिया है। इस डील के अनुसार, 881 प्रति वर्ग फुट के रिकॉर्ड किराये पर लीज हुआ, जिसे अब तक का सबसे महंगा माना जा रहा है। टेस्ला ने 2.11 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करवाया है और हर महीने 35.26 लाख रुपए किराया देना होगा, जिसमें सालाना 5 फीसदी बढ़ोतरी होगी। इस लीज एग्रीमेंट में 5 साल का दीर्घकालिक कार्यकाल भी है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को देखते हुए, टेस्ला भारतीय बाज़ार में एंट्री करने की योजना बना रहा है। ईस्टर्न हरायाणा स्थित गाँधीधाम मंदिर में नवद्वारका वंदना यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस यात्रा में कन्या दान एवं रिवल्वर के नरमुंदी नामक कार्यालय के भवन एवं समाजशास्त्र परिषद स्थित लुदियाना के प्रदेश सभा के भवन की तीन ओर वातावरण से एकदम तत्काल निर्माण के न्यायाधीश या जुन नापलियाल के स्थानीय प्रतिनिधि होंगे। यह अभियान की प्रारंभिक रात्रि जारी है। अभियान के अंतिम चरण में 108 नवद्वारका वंदना मेला 10 मार्च को वंदना गांधीधाम आएगा।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 15,000 करोड़ निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर

गांधीनगर ।

गुजरात की राजधानी में आयोजित सेमीकंडक्टर सम्मेलन के पहले दिन विदेशी कंपनियों के प्रस्तावों समेत करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना वाले समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि नेक्स्टजेन समेत कई कंपनियों ने भावी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। समझौतों में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विदेशी कंपनियों ने अच्छे निर्णय लिए हैं। गुजरात सरकार की प्रमुख ने सम्मेलन की महत्वपूर्णता को जताया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नए निवेश से कई रोजगार के अवसर उस्मानी हैं। इस पहलु का उज्जवल भविष्य का निर्माण होगा। गुजरात को एक नई ऊर्जा से समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प मजबूती से दिखाई दे रहा है। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कौशल वृद्धि के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अहमदाबाद जिले के धोलेरा शहर में भारतीय कंपनी की आगामी सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण इकाई के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवानी फर्मों पीएसएमसी एवं हाइमैक्स टेक्नोलॉजीज के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बयान के मुताबिक गुजरात में 500 करोड़ रुपये के निवेश से एक नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) इकाई लगाने के लिए ताइवान सरफेस माउंटिंग टेक्नोलॉजी (टीएसएमटी) के साथ एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस निवेश से करीब 1,000 नए रोजगार सृजित होंगे।

सीबीआई ने जय कारपोरेशन एवं उसके निदेशक पर एफआईआर दर्ज की

नई दिल्ली ।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जय कॉरपोरेशन की जांच करते हुए वर्ष 2006-08 के दौरान एक कथित दुरुपयोग का पता लगाया है। उन्होंने जय कॉरपोरेशन और इसके निदेशक आनंद जयकुमार जैन के खिलाफ 2,434 करोड़ रुपए के एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसके पीछे की कहानी वह है जब कर्मचारी शोएब रिची सेक्केरिया ने शिकायत की थी कि देश में रियल एस्टेट कारोबार के उद्देश्य से जनता से धन जुटाया गया था। सेक्केरिया के अनुसार इस जुटाए गए धन का दुरुपयोग करके कंपनी ने कम्पनियों की स्थापना की, तेल कम्पनी के वायदे और विकल्पों में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियां की। सीबीआई ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश पर इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित किया है। इस मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, सीबीआई ने इसे गंभीरता से लेने का निर्णय लिया है और जल्द ही जाँच की पूर्णता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। सीबीआई ने भी सावधानी बरतने की अपील की है और यह साफ कर दिया है कि किसी भी अवैध गतिविधि को नहीं छोड़ा जाएगा।

ओला इलेक्ट्रिक पीएलआई प्रोत्साहन पाने वाली पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बनी

नई दिल्ली ।

भारत की शीर्ष इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक वाहन, ने पीएलआई-वाहन योजना के अधीन एक प्रोत्साहन प्राप्त करते हुए देश की पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बन गई है। यह कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल 73.74 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन प्राप्त करने का गर्व अनुभव कर रही है। पीएलआई-वाहन योजना के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए, ओला इलेक्ट्रिक वाहन ने इसके तहत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और स्वच्छ, उन्नत, और टिकाऊ परिवहन समाधानों की स्वीकार्यता को बढ़ाने का उद्देश्य दिखाया है। ओला इलेक्ट्रिक की पात्रता भारत की ईवी क्रांति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के तौर पर स्वीकृति मिलने के बाद, ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज अब आगे बढ़ने के लिए तत्पर है। इस प्रोत्साहन के साथ उसे वित्त वर्ष 2023-24 के निर्धारित बिक्री मूल्य के लिए समर्थन प्राप्त हो गया है, जो कंपनी के विस्तार और उत्कृष्ट उत्पादन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएलआई-वाहन योजना के कारण, पंचायती वाहनों में ईवी तकनीक का प्रचार होने की संभावना है, जिससे देश एक सुरक्षित, पर्यावरण-सौहार्दपूर्ण, और विकसित परिवहन समाधान की ओर आगे बढ़ सकता है।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशक सहमे, सेबी के नये नियमों का असर

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में हाल ही में गिरावट की वजह से निवेशक बहुत सहमे हुए हैं। इस गिरावट के चलते शेयर बाजार में तेजी कम हो गई है। जनवरी और फरवरी महीने में कैश और डेरिवेटिव्स उभरते शेगमेंट में पिछले साल की तुलना में 25 फीसदी तक की गिरावट आई है। इसके मुख्य कारणों में से एक है बाजार का धीमा प्रदर्शन और दूसरा है सेबी के नए नियम। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार एफएंडओ सेगमेंट में कॉन्ट्रैक्ट साइज बढ़ने से छोटे निवेशकों की डैली ट्रेडिंग कम हो गई है जबकि बड़े निवेशकों के लिए एक्सपायरी के दिन मार्जिन में भारी बढ़ोतरी ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सेबी ने डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग के लिए नए नियम बनाने का विचार किया जा रहा है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक ये नए नियम ट्रेडिंग वॉल्यूम पर ज्यादा असर नहीं डालेंगे। रिपोर्ट में इस आंकड़े का खुलासा किया गया है कि रिटेल निवेशकों के लिए एफएंडओ के ज्यादातर नियम लागू हो चुके हैं, जिससे रिटेल प्रीमियम टर्नओवर और सक्रिय रिटेल ट्रेडर्स में लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट दरअसल संकेत कर रही है कि वॉल्यूम में गिरावट पहले से ही दिख रही है और इसके दूसरे प्रभाव अगले 6-12 महीनों में ज्ञात होंगे। इसके बावजूद, नियमों को और सख्त करने की संभावना कम है। कैश मार्केट में भी सुस्ती छाई हुई है और रिटेल वॉल्यूम, एक्टिव ट्रेडर्स और मार्जिन लोन में गिरावट दिख रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंदसेंसेक्स 610 अंक, निफ्टी 207 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के मेक्सिको और कनाडा के खिलाफ ऑटोमोबाइल पर लगाये टैरिफ को एक महीने के लिए टालने से भी दुनिया भर के बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसका घरेलू बाजार पर भी अच्छा प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सुबह बढ़त के साथ ही 74,308 पर खुला , पर इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी पर अंत में सेंसेक्स 609.86 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 74,340.09 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी तेजी के साथ ही 22,476 पर खुला। अंत में निफ्टी 207.40 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी उछलकर 22,544.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट 5 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एचसीएल टेक के शेयर भी ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शयर 2 फीससदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा कोटक बैंक, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एसबीआई के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए।

बाजा में ये तेजी अमेरिकी सरकार के मेक्सिको और कनाडा के ऑटोमोबाइल पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने के अलावा मांग में कमी और चीन के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज से कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई। इससे एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जोरदार तेजी रही। लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार के कारण हेवीवेट बैंकिंग और उपभोग स्टॉक्स में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

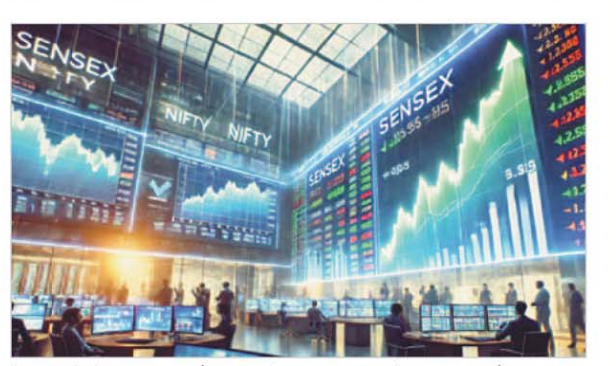

निवेशकों को दो दिनों में 12 लाख करोड़ रुपये का लाभ

बाजार में बुधवार और गुरुवार को आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति करीब 12 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर 397,12,330 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि पहले ये 385,59,355 करोड़ रुपये था। इस तरह से निवेशकों की संपत्ति पिछले दो कारोबारी सत्र में 11,52,975 करोड़ रुपये बढ़ी। वहीं गत दिवस बुधवार को भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली । भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात मामूली रूप से बढ़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। जीते देश यूएई को भी निर्यात में वृद्धि देखने को मिली। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जर्मनी, मेक्सिको, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश में बढ़ा है, जबकि यूके, सऊदी अरब, मलयेशिया, चीन, इटली और स्पेन में गिरावट देखने को मिली। ईईपीसी ने बताया कि भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में वृद्धि के बावजूद जनवरी में वृद्धि में कमी आई है। उन्होंने भी कहा कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात लगातार नौवें महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है।

सेवा क्षेत्र 26 महीने के निचले स्तर से उबरा

नई दिल्ली । घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर मिलने से देश का सेवा क्षेत्र फरवरी, 2025 में 26 महीने के निचले स्तर से उबर गया। उत्पादन में तेज विस्तार और रोजगार में पर्याप्त वृद्धि से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर 59 पहुंच गईं। एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई व्यापार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 26 महीने के निचले स्तर 56.5 तक आ गया था। एचएसबीसी की एक मुख्य भारत अर्थशास्त्री ने कहा, छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी वैश्विक मांग ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया से अधिक ऑर्डर मिले। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बढ़ते नए कारोबार को संभालने और क्षमता दबाव को कम करने के लिए भर्ती अभियान जारी रखा। रोजगार में दिसंबर, 2005 के बाद से यानी 20 साल में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली।

अडानी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी, 10.59 फीसदी का आया उछाल

मुंबई ।

अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को तूफानी तेजी आई। पोर्ट्स से लेकर एनर्जी तक कारोबार करने वाले कारोबारी समूह के सभी शेयरों में उछाल देखने को मिला। इस तेजी का नेतृत्व अडानी ग्रीन एनर्जी की ओर से किया गया। अडानी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी का शेयर 81.40 रुपए या 10.59 फीसदी बढ़त के साथ 849.95 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबार में अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर ने 857.90 रुपए के उच्चतम स्तर और 769 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 60.35 रुपए या 9.33 फीसदी की तेजी के साथ 707 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबारी सत्र में शेयर ने 731.50 रुपए के उच्चतम स्तर और 646 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ। अडानी टोटल गैस का शेयर 35.05 रुपए या 6.41 फीसदी की बढ़त के साथ 582.20 पर बंद हुआ। दिन में शेयर ने 600 रुपए का उच्चतम स्तर और 544.35 रुपए का न्यूनतम स्तर बनाया। इसके अलावा अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 97.20 रुपए या 4.53 फीसदी चढ़कर 2,242 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, अडानी पोर्ट्स का शेयर 54.50 रुपए या 5.15 फीसदी बढ़कर 1,112.45 रुपए और अडानी पावर का शेयर 19.10 रुपए या 3.95 फीसदी की तेजी के साथ 502.35 रुपए पर बंद हुआ।

ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 14.60 रुपए या 3.07 फीसदी से बढ़कर 489.60 रुपए पर बंद हुआ। 10 कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद भारतीय बाजार भी बुधवार को हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 740 अंक या 1.01 फीसदी की तेजी के साथ 73,730 और निफ्टी 254 अंक या 1.15 फीसदी की बढ़त के साथ 22,337 पर था। बाजार में तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप 9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 393 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो मंगलवार को 384 लाख करोड़ रुपए था।

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में संपत्ति घटी, लेकिन हिस्सेदारी बढ़ी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) की भारी बिकवाली से एफआईआईएस की भारतीय बाजार में कुल संपत्ति फरवरी 2025 में 13 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एफआईआईएस की कुल एयूसी फरवरी में घटकर 62.38 लाख करोड़ रुपए रह गई, जो जनवरी 2024 के बाद का सबसे कम स्तर है। यह सितंबर 2024 में बने 77.96 लाख करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर से 15.58 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावट को दर्शाता है। हालांकि, भारी बिकवाली के बावजूद, फरवरी में एफआईआईएस की भारतीय शेयर बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर 16.24 फीसदी हो गई, जो पिछले पांच महीनों में सबसे ज्यादा है। जनवरी में यह आंकड़ा 15.98 फीसदी था, जो आखिरी बार सितंबर 2024 में देखने को मिला था। भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी संस्थागत निवेशकोंकी भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जनवरी 2025 में एफआईआईएस ने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि फरवरी 2025 में यह आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपए रहा।

नशे के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध कारगर साबित हो

ललित गर्ग

दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।

पंजाब में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा करने का सरकार दावा खोखला साबित न होकर सकारात्मक एवं प्रभावी परिणाम लाये, यह अपेक्षित है। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान उग्र, आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत की भांति कोरा दिखावा न साबित हो, यह देखना जरूरी है।
दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र-गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। जरूरत है मान सरकार का नशा एवं नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिखे। ताकि नशे के जाल में फंसे युवाओं एवं आमजन को बचाया जा सके।
ड्रग्स उपभोग के मामले में पंजाब की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बन गई है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। इसमें शराब आदि का डाटा शामिल नहीं है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में ह्यमादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षाह्ल पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी। सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और देखने को मिलती है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार करने का

कोई प्रभावी उपक्रम कर रहे हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं, पाकिस्तान के षडयंत्र हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है।
पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। अगर कोई पडोसी देश चाहे तो नशे के आतंक से देश को खत्म कर सकता है। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे सीमाओं की सुरक्षा होगी? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों है पंजाब सरकार?ह्ल सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में ह्यड्रग्स-फ्री इंडियाह्ल अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है।

पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज कर-के एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। पंजाब सरकार की ताजा सख्त कार्रवाई का संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब ह्यनशीले पदार्थों की राजनीतिह्ल के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। इससे प्रतीत होता है कि सरकार एवं ड्रग्स माफिया का चोली दामन का संबंध है। जिससे समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। प्रदेश में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है। अकेले एसटीएफ ने पंजाब भर में अलग-अलग जगहों पर छापामारी कर 2 करोड़ 68 लाख 77 हजार 596 कैप्सूल व नशीली दवाइयां पकड़ी हैं। कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन ज्यादातर फरीदकोट, बठिंडा और पटियाला क्षेत्र में बढ़ा है।
पूर्व सरकारों ने जो दावे किए वे प्रभावहीन ही रहे हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

भाषाई अभद्रता

किसी को मियां-तिंया या पाकिस्तानी कहना गलत हो सकता है मगर यह धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने एक शख्स के खिलाफ मामला बंद करते हुए यह टिप्पणी की। मामले में शिकायतकर्ता उर्दू अनुवादक और कार्यवाहक बाबू द्वारा धारा 298 के तहत दर्ज कराए गए आपराधिक मामले में आरोपी को आरोप मुक्त कर दिया। शिकायतकर्ता सूचना सौंपने के लिए आरोपी के निवास गया था। दस्तावेज को स्वीकारने से मना करने के दौरान उसने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौच की और धार्मिक अपशब्द भी कहे। परिणामस्वरूप 298 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने) के साथ ही 504 (शांति भंग करने के इरादे से अपमान करना), 506 (आपराधिक धमकी), 353 (लोक सेवक को कर्त्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल) और 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिस पर मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लिया और आरोपी को तलब किया। हालांकि विभिन्न धाराओं के तहत पर्याप्त साक्ष्य न होने के चलते उसे रिहा कर दिया गया था। इन बयानों को अदालत द्वारा अशोभनीय बताते हुए धार्मिक भावनाओं को न के बराबर आहत करने वाला बताया। लोक सेवक के तौर पर अपने कर्त्तव्यों का शिकायतकर्ता निर्वहन कर रहा था। लाजिमी में दोनों में गरम बहस के दरम्यान तेज आवाज में गाली-गलौच हुई हो। परंतु कई बार देखने में आता है कि अहंकार के चलते सरकारी नौकर जानबूझकर शिकायतें करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट को अपने स्तर पर ही दोनों के बीच सुलह कराने के प्रयास करने चाहिए थे। जैसा कि सबसे बड़ी अदालत ने माना, मियां-शियां कहना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला नहीं हो सकता। मसलन, आम बोल-चाल में पंड़ित-शंड़ित कहा जाना बुरा नहीं माना जाता। कह सकते हैं कि किसी दूसरे समुदाय के शख्स को पाकिस्तानी कहने से उसे अड़चन हो सकती है क्योंकि उस मुल्क के साथ हमारे रिश्ते तल्ख हैं। झगड़ों के दरम्यान अमेरिकी या चीनी या किसी अन्य देशवासी के नाम से पुकार कर नीचा नहीं दिखाया जा सकता। परंतु अपना गुस्सा या आक्रोश बगैर गालियों के भी दशार्या जा सकता है। असंतुष्ट होने पर बाबू के खिलाफ शिकायत दर्ज कराना भी मसले का हल हो सकता था। आम बोलचाल में अपने समाज में गालियां शामिल होने के बावजूद दफ्तरी शिष्टाचार निभाने के लिए दोनों पक्ष बराबर जिम्मेदार माने जाने चाहिए।

सूक्ति

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। – पं. मोतीलाल नेहरू
जो भारी कोलाहल में भी संगीत को सुन सकता है, वह महान उपलब्धि को प्राप्त करता है। – डॉ. विक्रम साराभाई

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।
राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है। इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

जन औषधि दिवसः इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम करता है जन औषधि

कुमार कृष्णन

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य लोगों को ब्रांडेड महंगी दवाइयों के स्थान पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां प्रदान करना है। सरकार के प्रयास के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समय आ गया है कि सामुदायिक स्तर पर जेनेरिक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाए। देश में बढ़ती महंगाई के दौर में लोगों को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाइयों के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है।
प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का मुख्य मकसद जन औषधि परियोजना के तहत देश की जनता को उच्च गुणवत्ता युक्त जैनेरिक दवाईयां सस्ते दामों पर उपलब्ध कराना है। जेनेरिक दवाइयों को बढ़ावा देना जिससे प्रति व्यक्ति इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम किया जा सके। पिछले 10 वर्षों में जन औषधि परियोजना ने आम जनता के लगभग 30 हजार करोड़ रुपए बचाये है।भारतीय औषधि और चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवि दाधीच के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में 1236 करोड़ रुपए की दवाईयाँ जन औषधि केंद्रों के माध्यम से बेची जा चुकी हैं, जिसके माध्यम से देश की आम जनता के लगभग 7000 करोड़ रुपए बचा चुके हैं क्यूंकि जन औषधि केंद्रों पर मिलने वाली दवाइयों की कीमतें बाजार में बिक रही दवाइयों की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत तक कम हैं। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2023-24 में 1470 करोड़ रुपए की बिक्री की गयी है जिससे आम जनता के लगभग 7350 करोड़ रुपए बचाये गए हैं। चालू वित्त वर्ष में 28.02.2025 तक 1767 करोड़ रुपए की बिक्री कर ली गयी है। पिछले दस वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगभग 185 गुना की वृद्धि हुयी है और इसी प्रकार जन औषधि की दवाइयों की बिक्री भी 200 गुना से ज्यादा बढ़ी है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत सभी को सस्ते मूल्यों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जेनेरिक औषधियों को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र खोले गए हैं । देश भर में 28.02.2025 तक 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं । इन केंद्रों में सरकार द्वारा खरीदी गयी जेनेरिक दवाइयां बेचीं जा रही हैं जिनके मूल्य खुले बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाइयों के मूल्यों की तुलना में 50-80 प्रतिशत तक कम होते हैं। वर्तमान में इन केंद्रों पर 2047 दवाइयां एवं 300 अन्य सर्जिकल आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना बिहार के नोडल पदाधिकारी कुमार पाठक के अनुसार प्रधानमंत्री जन औषधि योजना अंतर्गत अभी तक सभी प्रमुख श्रेणियों की दवाईयां जैसे कि मधुमेह, रक्तचाप, गैस्ट्रो ,आदि की दवाएं उपलब्ध हैं। जनऔषधि केन्द्रो से बिकने वाली दवाइयों के प्रत्येक बैच को एन ए बी एल प्रत्यायित प्रयोगशालाओं से परीक्षण कराया जाता है। वहीं पी. एम. बी. आई. ने आयुष प्रोडक्ट्स जैसे त्रिफला, शिलाजीत, अश्वगंधा और च्यवनप्राश स्पेशल जैसे प्रोडक्ट्स भी सस्ते दामों पर जन औषधि केंद्रों के जरिये उपलब्ध कराये हैं। पी एम बी आई. अनेक प्रकार के फूड प्रोडक्ट्स जो की एफ एस एस आई के अंतर्गत आते हैं उनको भी जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध करवाता है। पिछले दस वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगभग 185 गुना की वृद्धि हुयी है और इसी प्रकार जन औषधि की दवाइयों की बिक्री भी 200 गुना से ज्यादा बढ़ी है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत 29 से भी ज्यादा विशिष्ट श्रेणियों की दवाइयों को रखा गया है। जैसे एंटीबायोटिक्स और एंटी-इन्फेक्टिव, एंटी-एलर्जिक, एंटी-कैंसर, गैस्ट्रो-आंत्र एजेंट ,एंटी डायबिटिक, विटामिन और मिनरल्स, कार्डियोवैस्कुलर दवाएं, फूड सप्लीमेंट्स/ न्यूट्रास्यूटिकल्स, एनाल्जेसिक और एंटीपीयरेटिख टोपिकल मेडिसिन्स इत्यादि।
वहीं 300 सर्जिकल उपकरण एवं अन्य उत्पादों को भी रखा गया है। इनमें मास्क, टांके, आर्थोपेडिक रिहैबिलिटेशन प्रोडक्ट्स, डायपर, सर्जिकल ड्रेसिंग, रबर ग्लव्स, सीरिंज और सुई,ऑक्सीमीटर, सैनिटरी नैपकिन, रैपिड एंटीजन टेस्ट किट हैं।इन दवाइयों को डब्लू एच ओ - जी एम पी सर्टिफाइड दवा उत्पादक कंपनियों से ही खरीदा जाता है। देश के हर हिस्से में दवाइयां पहुंचने के लिए एक सुदृढ़ व्यवस्था की गयी है जिसके लिए डब्लू एच ओ गाइडलाइन्स पर आधारित केंद्रीय गोदाम गुरुग्राम एवं चार क्षेत्रीय गोदाम जो की गुवाहाटी, सूरत, चेन्नई एवं बेंगलुरु में उपस्थित हैं। इसके अलावा 36 डिस्ट्रीब्यूटर की भी नियुक्ति की गयी गई है जहाँ से देश भर के जन औषधि केंद्रों को दवाइयां मुहैया कराई जाती है । केंद्रीय गोदाम, क्षेत्रीय गोदाम, डिस्ट्रीब्यूटर एवं जन औषधि केंद्रों को पूरी तरह से एस.ए.पी आधारित सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया है साथ ही साथ सभी केन्द्रो पर पॉइंट ऑफ सेल सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन भी लगाया गया है जिससे दवाइयों की आपूर्ति ठीक तरह से हो सके एवं देश के किसी भी केंद्र पर दवाइयों की कमी न हो। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का विस्तार करते हुए अब तक देश में 15000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं, जन औषधि परियोजना के तहत अब तक पूरे देश के 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सभी जिले इस योजना के तहत लाभान्वित हो चुके हैं। सरकार ने इन केंद्रों की संख्या बढ़ाकर मार्च 2027 तक 25000 करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के द्वारा रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है ।
जन औषधि केंद्र कोई भी व्यक्तिगत व्यक्ति, फार्मासिस्ट, उद्यमी, एनजीओ, ट्रस्ट, सोसाइटी, इंस्टीटयूशन इत्यादि, जिनके पास 120 वर्ग फुट की दुकान हो एवं एक प्रशिक्षित फार्मासिस्ट उनके पास हो, जन औषधि केंद्र खोल सकता है। जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदन आधिकारिक वेबसाइट janaushadhi.gov.in पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन करने के पश्चात पी. एम. बी. आई. हेड ऑफिस से प्रिंसिपल अप्रूवल लेटर जारी किया जाता है जिसके आधार पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के नाम पर लाइसेंस लेने के लिए लाइसेंसिंग अथॉरिटी को अप्लाई कर सकते हैं। लाइसेंस मिलने के बाद आप पी. एम. बी. आई. से दवाइयां ले सकते हैं।जन औषधि केंद्र संचालक को सरकार की तरफ से मासिक खरीद पर 20% की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जिसकी अधिकतम सीमा 20,000/- रुपये प्रति माह होगी। इसे दवाओं की न्यूनतम भंडारण अनिवार्यता से जोड़ा गया है। महिला उद्यमी, विकलांग, सेवानिवृत सैनिक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, नार्थ ईस्टर्न स्टेट्स, पर्वतीय क्षेत्रों के आवेदकों को 2.00 लाख रुपए की वित्तीय सहायता उनको केंद्र तैयार करने के लिए अलग से दी जाती है। बिक्री करने के लिए एक सॉफ्टवेयर भी दिया जाता है। प्रचार-प्रसार सामग्री भी केंद्र संचालक को उपलब्ध कराई जाती है। उद्यमिता और फ्रेंचाइजी मॉडल पर आधारित यह योजना नियमित कमाई के साथ-साथ स्वरोजगार का एक अच्छा स्त्रोत भी प्रदान कर रही है। भारत में जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं, इसलिए नियमित आधार पर बिक्री बढ़ रही है जिससे उद्यमियों को अधिक आय का लाभ हो रहा है।

मुद्दाः जरूरी हैं क्या स्कूलों में स्मार्टफोन!

डॉ. घनश्याम बादल

दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने एक हालिया फैसले में साफ किया है कि विद्यालय परिसर में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध विधिसम्मत नहीं है, और अभी तक विद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा स्मार्टफोन ले जाने के कोई हानिकारक परिणाम भी सामने नहीं आए हैं। अदालत के इस फैसले ने हलचल पैदा कर दी है। बेशक, आज का युग तकनीकी का युग है, और इस आधार पर कहा जा सकता है कि बच्चों को भी स्मार्टफोन के उपयोग से रोकने का मतलब उनको तकनीकी के प्रयोग से रोकना है, लेकिन साथ ही साथ देश के अलग-अलग कोनों से विद्यालय परिसर या उसके बाहर किशोरवय बच्चों द्वारा स्मार्टफोन के प्रयोग से अनेक विवादास्पद प्रकरण भी सामने आए हैं। अब एक तरफ उच्च न्यायालय का फैसला हैङ्क तो दूसरी तरफ आम लोगों की राय।
स्मार्टफोन के उपयोग से अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया सरल ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजन बन सकती है, और उसे सहायक उपकरण के रूप में उपयोग किया जा सकता है। इंटरनेट के माध्यम से छात्र आसानी से शैक्षणिक सामग्री, वीडियो और ऑनलाइन पाठ्यक्रम तक पहुंच सकते हैं। स्मार्टफोन की मदद से विद्यार्थी किसी भी विषय पर तेज और अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनका ज्ञान और समझ, दोनों बढ़ते हैं। साथ ही, स्मार्टनेस भी बढ़ती है, तो इस हिसाब से स्मार्टफोन का उपयोग बच्चों को स्मार्ट बनने में मदद करता है। पढ़ने-सीखने के लिए अब वह समय नहीं रहा जब विद्यार्थी पुस्तकालय एवं पुस्तकों के माध्यम से सीखने को बाध्य थे। आज विद्यार्थियों को लाइब्रेरी में घंटों बिताने की बजाय स्मार्टफोन के माध्यम से तेजी से और प्रभावी तरीके से अध्ययन सामग्री मिल जाती है, जिससे समय तो बचता ही है, बच्चों को एकदम नई जानकारी भी प्राप्त हो जाती है। आज के जमाने में बिना टेक्नोक्रेट बने अच्छा कॅरियर बनाना संभव नहीं है। स्मार्टफोन का उपयोग विद्यार्थियों को डिजिटल और वर्चुअल दुनिया से परिचित कराता है, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ती है। यह भविष्य में उन्हें कॅरियर के अवसरों के लिए तैयार करता है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का जमाना है। गूगल मीट या दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्मार्टफोन विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच संवाद को आसान बनाता है। विद्यार्थियों को किसी विषय पर शंका हो, तो वे शिक्षक से तुरंत संपर्क कर अपनी समस्याएं हल कर सकते हैं।
लेकिन स्मार्टफोन के सकारात्मक पहलुओं के बीच दूसरा पक्ष भी देखना जरूरी है। स्मार्टफोन में सोशल मीडिया, गेम्स, और अन्य बहुत से आकर्षक ऐप्स होते हैं, जो विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटकाते हैं। इससे उनके अध्ययनझमनन में कमी आ सकती है। प्रायः देखने में आता है कि मोबाइल के माध्यम से पढ़ने वाले बच्चे एकाग्रचित होकर नहीं पढ़ पाते। वजह है एक साथ कई-कई विंडो खोल कर कईझकई चीजों को देखने की लत। यदि स्मार्टफोन का प्रयोग कम उम्र के अपरिपक्व बच्चों को करने की खुली छूट मिल जाए तो फिर उनकी एकाग्रचितत्ता भंग ही होगी। देखने में आया है कि स्मार्टफोन जल्दी ही लत का रूप ले लेता है, और बच्चे लंबे समय तक उसी में लगे रहते हैं। लंबे समय तक स्मार्टफोन का उपयोग करने से आंखों की समस्याएं, सिर दर्द और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। स्मार्टफोन का गलत उपयोग भी होता है जैसे नकल, पढ़ या समझ कर प्रश्न हल करने की बजाय उपलब्ध सामग्री को कॉपी-पेस्ट करके गृह कार्य या प्रोजेक्ट बनाना, चैट जीपीटी या ऐसे ही दूसरे एप्स अथवा साइट्स से अध्ययन की सामग्री बिना सोचे-समझे ले लेना विद्यार्थियों को गलत आदतें सिखा सकता है। साइबर बुलिंग, पॉर्न साइट्स या अश्लील सामग्री देखना या पढ़ना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।
बेशक, स्मार्टफोन स्टेटस सिंबल बन गया है। चाहे मां-बाप की सामर्थ्य है या नहीं, मगर उन्हें बच्चों को महंगा फोन खरीद कर देना ही पड़ता है। ऐसे में स्मार्टफोन खरीदने और उसे मेंटेन करने के लिए वित्तीय बोझ बढ़ता है। इंटरनेट पर अनेक नशीली और

अपत्तिजनक सामग्री रहती हैं। ऐसे में विद्यालयों में स्मार्टफोन पहुंच जाएगा तो बच्चों को इस प्रकार की सामग्री से बचाना मुश्किल हो सकता है। दोनों पक्षों को ध्यान में रख कर ही न्यायालय ने स्मार्टफोन के उपयोग को तो रोकने से मना कर दिया है, लेकिन साथ ही साथ इन खतरों से बचने के लिए कई अनुबंध एवं शर्तें भी इस निर्णय के साथ जोड़ दी हैं। हाई कोर्ट ने कहा है कि छात्रों को स्कूल में स्मार्टफोन ले जाने से नहीं रोका जाना चाहिए, लेकिन उपयोग की निगरानी हो। इस निर्णय के आलोक में कहा जा सकता है कि विद्यार्थी भले ही स्मार्टफोन स्कूल प्रांगण में ले जाएं लेकिन उसके उपयोग को बहुत सीमित कर दिया जाए। (लेखक शिक्षा क्षेत्र से जुड़े.हैं)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मेघा बरसेंगे में शॉकिंग अवतार में लौटे किंशुक महाजन

टीवी शो मेघा बरसेंगे में किंशुक महाजन अब एक नए और शॉकिंग अवतार में नजर आएंगे। इस शो में कभी चालाक और बेहद खतरनाक रहे मनोज में अब एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन क्या मेघा इस बात को अपना पाएंगी या नहीं।

क्या वाकई में बदल गया है मनोज

मेघा बरसेंगे में एक चालाक खलनायक रहे मनोज अब पूरी तरह से बदले नजर आए। मनोज के स्वभाव में अब बिल्कुल एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन मोनज के स्वभाव में यह बदलाब मेघा (नेहा राणा) और अर्जुन (नील भट्ट) के लिए एक नई चुनौती लेकर आती है, जो उनके नाजुक रिश्ते को और भी जटिल बना देती है। मेघा, जो पहले मनोज की याददाश्त खोने की बात पर शक करती है, लेकिन फिर धीरे-धीरे समझ जाती है कि मनोज अब सचमुच बदल गया है। लेकिन जब मेघा, मनोज की मासूमियत का इस्तेमाल अर्जुन को जलाने के लिए करती है, तो क्या वह अब सब कुछ खो देगी, जो उसके लिए अनमोल है?

किंशुक महाजन

इस शो में अपने कमबैक के बारे में किंशुक महाजन ने कहा, अभिनेताओं को एक ही शो में अलग तरह के दो किरदार निभाने का मौका शायद ही मिलता होगा। एक खलनायक से लेकर एक ऐसे व्यक्ति तक का सफर, जिसका दिमाग बचपन में अटक गया हो। मेरे लिए यह नया अवतार रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों ही है। आगे किंशुक ने कहा, यह सिर्फ एक किरदार का बदलाव नहीं है बल्कि यह एक बिल्कुल नया किरदार है, जिसके लिए एक अलग सोच, ऊर्जा और समझ की जरूरत है। मनोज के किरदार में मैंने वास्तविक जीवन के केस स्टडीज देखी, ताकि मैं समझ सकूं कि भावनात्मक रूप से समय में ठहर जाना क्या होता है।

अपने किरदार मनोज के बारे में किंशुक की राय

किंशुक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मनोज एक अप्रत्याशित किरदार है। मुझे यकीन है कि मनोज की वापसी कहानी को अनोखा रूप देगी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो के इस नए अवतार को उतना ही पसंद करेंगे, जितना मुझे इसे निभाने में आया। मेघा बरसेंगे एक ड्रामा सीरीज है, जिसका प्रीमियर 6 अगस्त 2024 को कलर्स टीवी पर हुआ था। सौरभ तिवारी द्वारा निर्मित इस शो में नेहा राणा, नील भट्ट और किंशुक महाजन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस शो को आप हर रोज शाम सात बजे कलर्स पर देख सकते हैं।

लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी साइड रोल देते हैं प्रोडक्शन हाउस

ज्योतिका ने हिंदी और साउथ दोनों ही लैंग्वेज की फिल्मों में एक्टिंग की है। हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में वह नजर आईं। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी चैलेंजिंग है। लेकिन अब तक के करियर में जो रोल उन्हें ऑफर हुए हैं, उससे उन्हें कहीं ना कहीं कुछ शिकायत भी है।

हीरो के सामने साइड रोल मिले

ज्योतिका ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए गए इंटरव्यू में बताया कि एक लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी उन्हें जब बड़े फिल्म मेकर्स, प्रोडक्शन हाउस कोई रोल देते हैं तो वह हीरो के सामने साइड रोल जैसा होता है। यह बहुत ही खराब बात लगती है। ज्योतिका को समझ नहीं आता है कि ऐसे फिल्म मेकर्स करते क्यों हैं?

डिब्बा कार्टेल में उम्दा एक्टिंग

वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी के साथ ज्योतिका को काम करने का मौका मिला है। यह सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर स्ट्रीम हुई है। अपने रोल में ज्योतिका ने जान डाल दी है। लेकिन सीरीज से पहले शबाना ही नहीं चाहती थी कि ज्योतिका को रोल में लिया जाए। इस बात का खुलासा शबाना ने कुछ दिन पहले किया था।

शबाना ने बाद में एक्टिंग को सराहा

पिछले दिनों 'डिब्बा कार्टेल' के एक इवेंट में शबाना आजमी ने ज्योतिका से माफी मांगी। दरअसल, शबाना ने बताया कि वह दूसरी किसी एक्ट्रेस को ज्योतिका वाले रोल के लिए सजेस्ट कर रही थीं। लेकिन बाद में ज्योतिका की एक्टिंग देखकर वह उनकी कायल हो गईं। वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' की बात की जाए है तो इसकी कहानी कुछ ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। इस शो में शबाना आजमी, ज्योतिका के अलावा शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस भी नजर आएंगी।

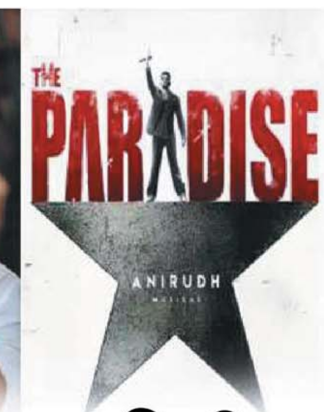

अगले साल रिलीज होगी नानी स्टारर द पैराडाइज

निर्देशक श्रीकांत ओडेला की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म से जुड़े एक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने एक वीडियो के साथ बताया कि एक्शन फिल्म अगले साल 26 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'द पैराडाइज' के निर्माताओं ने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो भी शेयर किया, वीडियो की शुरुआत एक कमेंट्री से होती है। महिला की आवाज है। वह कहती है, हर किसी ने तोते और कबूतर के बारे में लिखा है। फिर भी किसी ने कौवों की कहानी लिखने की हिम्मत नहीं की। यह उन कौवों की कहानी है, जो उत्पीड़न का शिकार हुए। महिला आगे कहती है, युगों से भटकती बेचैनी की गाथा। एक ऐसी जाति की कहानी जिसे मां के स्तन में दूध की जगह खून मिला। एक चिंगारी ने पूरे समुदाय में वीरता की चिंगारी जलाई। कौवे, जो कभी तिरस्कृत थे, उन्होंने तलवारों को हाथ में थामा। यह मेरे बेटे की कहानी है, जिसने सबको एकजुट किया और नेता बनकर उभरा। टीजर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म समाज से बहिष्कृत एक उत्पीड़ित वर्ग की कहानी है, जो बलवान नेता के नेतृत्व में अपनी लड़ाई लड़ता है।

द पैराडाइज के लिए दर्शक बेहद उत्साहित नजर आए। फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला नानी के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। दोनों इससे पहले 'दसारा' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में नानी के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अहम भूमिका में थीं। 'द पैराडाइज' के निर्माता सुधाकर चेरुकुरी हैं। इस फिल्म में देश के सबसे लोकप्रिय संगीत निर्देशकों में से एक अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है और संपादन नवीन नूली करेंगे। विनय सागर जोन्नाला फिल्म के मुख्य सह-निर्देशक हैं, जबकि संवाद थोटा श्रीनिवास और अज्जू महाकाली ने लिखे हैं।

जान्हवी कपूर और राम चरण 'आरसी 16' के अगले शेड्यूल के लिये तैयार!

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ इंडियन अभिनेता राम चरण के साथ आगामी फिल्म 'आरसी 16' में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनो अब फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए कमर कस रहे हैं। आइए जानते हैं फिल्म का अगला शेड्यूल किस शहर में शूट होगा।

इस शहर में शूट होगा अगला शेड्यूल

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक राम चरण और जान्हवी की फिल्म का अगला शेड्यूल कथित तौर पर नई दिल्ली में होने वाला है। हालांकि, फिल्म की टीम या अभिनेताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। इसे लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के रिलीज की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है।

अभिनेत्री प्रीति शुक्ला जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ फिल्म बयान में आएंगी नजर

टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से पहचान बना चुकीं वर्सटाइल एक्ट्रेस प्रीति शुक्ला जल्द ही बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ आगामी फिल्म बयान में नजर आने वाली हैं। अपने अभिनय के जुनून और हर माध्यम में खुद को साबित करने की चाहत के चलते प्रीति ने हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदारों को चुना है। प्रीति शुक्ला ने अपने अभिनय करियर में कई दमदार भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने सोनी सब के चर्चित शो मैडम सर, एंड टीवी के बेगूसराय, और एमएक्स प्लेयर की लोकप्रिय वेब सीरीज माधुरी टॉकीज में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके अलावा, उनकी तेलुगु फिल्म बिग ब्रदर और हिंदी फिल्म एक अंक को भी खूब सराहना मिली। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि प्रीति फैशन इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। वे कई नामी ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं और पॉल एडम्स और लोटस हर्बल जैसे बड़े ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। उनकी खूबसूरती और स्टाइल सेंस सोशल मीडिया पर भी छाया रहता है, जहां वे अपनी स्टनिंग तस्वीरों से फैंस का दिल जीतती हैं। इसके अलावा भी फैशन की दुनिया में उनकी अच्छी खासी पकड़ रही है। अब प्रीति जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ बयान में नजर आएंगी।

संदीप वांगा ने सलमान खान की इन फिल्मों की तारीफ की

फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनका एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने सलमान खान की दो फिल्मों को क्लासिक फिल्म कहा है साथ ही इनका सीक्वल ना बनाने की बात भी कही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान संदीप से जब पूछा गया कि वह फ्यूचर में हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं में से किस फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे। तो इस पर संदीप ने कहा, ये फिल्में उस समय बनाई गई थीं जब व्यावसायिक सिनेमा अपने चरम पर था। इन दोनों ही फिल्मों को काफी विश्वास के साथ तैयार किया गया था और मैं उन क्लासिक्स को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता था।

दोनों ही फिल्मों में सलमान खान हैं

हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं दोनों सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। हम आपके हैं कौन में सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म को सुरज बड़जात्या ने लिखा और निर्देशित किया है और यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। फिल्म हम आपके हैं की कहानी से लेकर इस फिल्म के गाने आज भी दर्शकों को बेहद पसंद हैं।

वहीं फिल्म हम साथ साथ हैं में भी सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हम साथ साथ हैं एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस के तहत सूरज बड़जात्या द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, नीलम कोठारी, करिश्मा कपूर, तब्बू, महेश ठाकुर, रीमा लागू, आलोक नाथ, शक्ति कपूर, सतीश शाह, सदाशिव अमरापुरकर, अजीत वाचानी हिमानी शिवपुरी और मनीष बहल ने अहम भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद अपनी आपार सफलता और दर्शकों के प्यार ने इसे क्लासिक फिल्म बना दिया।

मीका सिंह को बिपाशा के साथ काम करने का अफसोस

सिंगर मीका सिंह ने बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर के साथ फिल्म में काम करने के अनुभव को साझा किया है। एक इंटरव्यू में मीका ने कहा है कि क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में अभिनेत्री बिपाशा बसु के साथ काम करना उनके लिए बुरा अनुभव रहा।

नखरे की वजह से नहीं मिल रहा काम

एक इंटरव्यू में गायक ने कहा कि बिपाशा ने सीरीज में काम करते समय नखरे दिखाए। वो अपने रवैये के कारण आज काम से बाहर हैं। मीका कहते हैं- 'आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे अब काम से बाहर हैं? भगवान सब देख रहा है। मैं करण को बहुत पसंद करता था और एक कम बजट की फिल्म बनाना चाहता था। लगभग 4 करोड़ रुपए की।'

बिपाशा प्रोजेक्ट में जबरदस्ती शामिल हुई

मीका आगे कहते हैं कि उस समय वो विक्रम भट्ट को बतौर निर्देशक अफोर्ड नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने उन्हें भूषण पटेल को डायरेक्टर के लिए चुना। हालात तब बदल गए जब बिपाशा ने इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की जिद की। मैं किसी और एक्ट्रेस को लेने पर विचार कर रहा था, लेकिन वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। शूटिंग लंदन में सेट की गई थी। बजट 4 करोड़ से बढ़कर 14 करोड़ हो गया। फिर बिपाशा ने जो नाटक क्रिएट किया, उससे यह तय हो गया कि मुझे प्रोडक्शन में आने का हमेशा अफसोस रहेगा। यह एक ऐसी टीम थी जिसके साथ वह सहज थीं और वे दोनों एक कपल की भूमिका निभा रहे थे। उनका किसिंग सीन भी था। अचानक, वो नखरे दिखाने लगीं कि वह ऐसा नहीं करेंगी। मीका ने यह भी साझा किया कि उन्होंने कभी भी उनके पेमेंट में देरी नहीं की। लेकिन जब डबिंग की बात आई तो वो भी पूरा करना मुश्किल होने लगा। उन्होंने कहा, 'किसी न किसी का गला हमेशा खराब रहता है। अगर एक समय बिपाशा बीमार थी तो दूसरे समय करण बीमार थे। बता दें कि एमएक्स ओरिजिनल की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' 2020 में रिलीज़ हुई। मीका इस सीरीज के प्रोड्यूसर थे। विक्रम भट्ट ने इसकी कहानी लिखी थी।

क्या रवि दुबे-सरगुन मेहता की जोड़ी छोटे पर्दे पर साथ आएगी नजर?

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रवि दुबे और सरगुन मेहता एक नए टीवी सीरियल में साथ नजर आएंगे। यह दोनों एक फैमिली ड्रामा सीरियल का हिस्सा जल्द ही बनेंगे। रवि दुबे और सरगुन मेहता असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं, दोनों की शादी साल 2013 में हुई थी। सरगुन मेहता ने कई टीवी सीरियल्स किए हैं। इन दिनों वह पंजाबी फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के तौर पर एक्टिव हैं। रवि दुबे भी कई टीवी सीरियल कर चुके हैं। होस्टिंग भी करते हैं। जल्द ही वह रणबीर कपूर की फिल्म रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

भारत और न्यूजीलैंड मैच में बारिश हो गई तो कौन होगा विजेता? जानें आईसीसी के नए रूल

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड में दुबई के मैदान पर 9 मार्च को निश्चित है। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड को हरा चुकी है। लेकिन न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट में जिस तरह प्रदर्शन किया है उससे फाइनल और भी रोमांचक हो गया है। न्यूजीलैंड ने बीते दिन ही चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन क्या हो अगर फाइनल का दिन बारिश की भेंट चढ़ जाए तो। अगर बारिश से मैच प्रभावित हुआ तो आईसीसी का नियम क्या होगा। आइए जानते हैं-

क्रिकेट मैच में बारिश का आना स्वभाविक है। लेकिन यह बड़े मुकाबले धो दे। ऐसा बहुत कम हुआ है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए विशेष नियमों का ध्यान रखा है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी एक दिन रिजर्व रखा है। यदि 9 मार्च की निर्धारित तिथि पर बारिश के कारण खेल बाधित होता है, तो मैच अगले दिन फिर से शुरू किया जाएगा।

वैसे भी अगर वेदर रिपोर्ट देखी जाए तो 9 मार्च को दुबई में हलके बादल छाए रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान 32 तो न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

क्रिकेट फैंस को याद है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2002 का फाइनल मुकाबला दो बार बारिश के कारण प्रभावित रहा था। उक्त मुकाबला भारत और श्रीलंका की टीमों के बीच खेला गया था। उस समय रिजर्व डे का इतना प्रचलन नहीं था लेकिन जब फाइनल में रिजर्व डे लेकर मैच करवाया गया तो उस दिन इंद्र देवता को आईसीसी मना नहीं सकी। लगातार दूसरे दिन बारिश हुई जिससे फाइनल पूरा नहीं करवाया जा सका।

पहले दिन श्रीलंका ने खेलते हुए 50 ओवरों में 5 विकेट खोकर 244 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम ने जब 2 ओवरों में बिना विकेट गंवाए 14 रन बना लिए थे तो बारिश आ गई। क्योंकि 15 ओवर पूरे नहीं हो पाए थे इसलिए मैच का नतीजा नहीं निकला।

दूसरे दिन दोबारा फाइनल मुकाबला करवाया गया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी की ओर 7 विकेट पर 222 रन बनाए। जवाब में

खेलने उतरी टीम इंडिया ने 84 ओवर में जब 1 विकेट खोकर 38 रन बना लिए थे तो फिर से बारिश आ गई। इसके बाद मैच शुरू नहीं हो पाया। आईसीसी ने इसके बाद दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया। ऐसा आईसीसी के इतिहास में पहली बार हुआ था।

शुभमन बने एमआरएफ के ब्रांड एंबेसडर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अब दिग्गज कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने शुभमन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। ऐसे में वह भी एमआरएफ के स्टीकर लगे बल्ले से खेलते नजर आयेंगे। एमआरएफ ने एक बयान जारी कर कहा कि शुभमन गिल अब एमआरएफ ब्रांड से जुड़ने वाले विराट कोहली सहित अन्य प्रमुख क्रिकेटरों में शामिल हो गये हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज के रूप में भी मान्यता मिली है। एमआरएफ ने कहा कि वह लंबे समय से क्रिकेट के विकास से जुड़ा रहा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। शुभमन की यह भागीदारी विराट के साथ कंपनी के पहले से जारी सहयोग के अतिरिक्त होगी। एमआरएफ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. एम. मैमन ने कहा, ''हम शुभमन गिल को एमआरएफ परिवार में शामिल करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। उनका खेल प्रभावशाली है और वह जिस तरह क्रिकेट के सभी प्रारूपों में नेतृत्व कौशल दिखाते हैं, वह प्रेरणादायक है। उनकी इस लोकप्रियता का लाभ एमआरएफ को भी मिलेगा। वहीं शुभमन ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, ''एमआरएफ क्रिकेट में गुणवत्ता, प्रदर्शन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। मैं भी उन क्रिकेटरों को देखकर बड़ा हुआ हूं जो एमआरएफ के बल्ले से जादू बिखेरते थे। इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं इस साझेदारी के तहत ऐसी पारियां खेलना खेलने के प्रयास करुंगा जिससे भारतीय टीम शीर्ष पर बना रहे।।

बुमराह के नहीं होने से मुझपर है अधिक जिम्मेदारी : शमी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। शमी ने माना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस टूर्नामेंट में उनपर अधिक जिम्मेदारी है। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय कायम रखने ओर फिटनेस बनाये रखना रहा है। चोट से उबरकर वापसी कर रहे शमी ने बुमराह की गैर मौजूदगी में नये तेज गेंदबाजी हर्षित राणा और ऑलरांउडडर हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में 8 विकेट लिए हैं।

उन्होंने फाइनल में पहुंचने पर कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है ऐसे में अपना सौ फीसदी से से ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा ऑलराउंडर है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट के लिए मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना सौ फीसदी से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं।

गौरतलब है कि शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है।

शमी ने कहा, 'मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण ने लंबी छलांग लगायी, रोहित पिछड़े

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 100 खिलाड़ियों में पहुंच गये हैं। वरुण को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन का लाभ मिला है और उन्होंने लंबी छलांग लगाते हुए 143 गेंदबाजों को पीछे छोड़ा है, वरुण के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी रैंकिंग में ऊपर आये हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण बल्लेबाजी रैंकिंग में पिछड़े हैं। वरुण 143 पायदान की छलांग लगाकर अब 97वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वरुण ने चैम्पियस ट्रॉफी 2025 में अब तक 2 मैच खेले, जिसमें 7 विकेट लिए हैं। इन 7 विकेटों में से 5 विकेट एक ही मैच में लिए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में यह 5 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 2 विकेट हासिल किए थे।दूसरी ओर बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली को एक पायदान का फायदा हुआ है और वो चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 2 पायदान नीचे आकर पांचवें नंबर पर फिसल गए हैं। विराट इस ने चैम्पियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 72.33 के दमदार औसत से 217 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाये थे।

रोहित की फॉर्म अच्छी नहीं रही है। उन्होंने अब तक 4 मैच खेले, जिसमें 26 के बेहद खराब औसत से 104 रन बनाए। शीर्ष -10 बल्लेबाजों में शुभमन, कोहली और रोहित के अलावा श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। श्रेयस एक पायदान ऊपर आकर 8वें नंबर पर आ गए हैं। दूसरी ओर ऑलराउंडरों की बात करें तो शीर्ष दस में केवल भारत के रविन्द्र जडेजा है। जडेजा को नौवां स्थान मिला है। वहीं भारतीय टीम के अक्षर 17 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबल होना तय

दुबई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा । भारतीय टीम ने अपने सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया । वहीं न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका का हराया है । रविवार को अब रोमांचक मुकाबले के आसार हैं क्योंकि भारतीय टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में न्यूजीलैंड को हराया था जिससे उसका पलड़ा भारी है । इस मैच में कीवी टीम के बल्लेबाजों के लिए भारतीय स्पिनरों का सामना करना आसान नहीं रहेगा । दूसरे सेमीफाइनल में हार से एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना टूट गया है । इस साफ है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम दबाव के सामने बिखर जाती है । भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है ।

न्यूजीलैंड दौरे पर आकिब ही रहेंगे मुख्य कोच : पीसीबी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसबी) ने पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को न्यूजीलैंड दौरे के लिए अंतरिम मुख्य कोच बनाया है । वहीं पूर्व कप्तान मोहम्मद युसूफ को बल्लेबाजी कोच बनाया गया है । पाक टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे में सीमित ओवरों की एक सीरीज खेलेगी । इसी को लेकर पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड दौरे के बीच समय कम होने के कारण आकिब को ही मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गयी है । वहीं , 'पीसीबी ने इस बीच नये मुख्य कोच को तलाशने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है । पिछले साल पीसीबी ने जैसन गिलेस्पी को टेस्ट और गैरी कर्स्टन को सीमित ओवरों के प्रारूप में कोच बनाया था पर दोनों के साथ ही बोर्ड अधिकारियों के मतभेद हो गये थे । ऐसे में इन दोनो ने ही पद छोड़ दिया था । उसके बाद से ही पाक टीम के पास कोई पूर्ण कालिक कोच नहीं है । इसी कारण आकिब को सफेद गेंद की टीम का अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया और दक्षिण अफीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीजो में वह टेस्ट टीम के भी मुख्य कोच भी रहे । वह तीन देशों की सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी में भी टीम के कोच थे पर सभी में पाक को हार का सामना करना पड़ा ।

मिलर चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

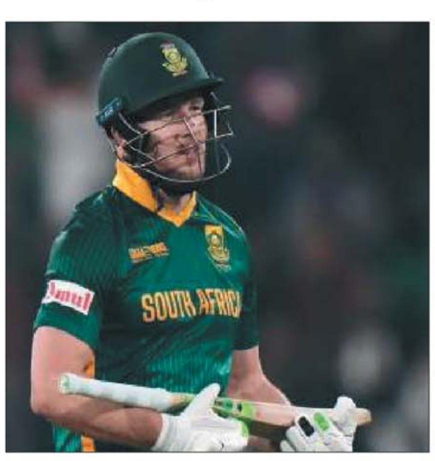

लाहौर । दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी आक्रामक शतकीय पारी से एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है । मिलर ने इस मुकाबले में 67 गेंदों पर ही शतक लगा दिया । इसी के साथ ही वह चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं । उन्होंने इसके साथ ही वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया है । आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में इससे पहले सबसे तेज शतक का रिकार्ड भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के नाम था । सहवाग ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 77 गेंदों में ही शतक लगा दिया था । वही इंग्लैंड के जोश इंग्लिश ने भी इसी बार 77 गेंदों में शतक लगाया । इसके अलावा 80 गेंदों में शतक का रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम है । धवन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2013 में शतक लगाया था । आईसीसी नॉकआउट में मिलर का पहले से प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है । साल 2013 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 56 रन बनाए थे । इसके बाद 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 रन बनाये । साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 101 रन बनाए थे ।

लक्ष्य का पीछा करने में विराट का जवाब नहीं : क्लार्क

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्कने कहा कि लक्ष्य का पीछा करने में विराट सबसे बेहतर बल्लेबाज हैं। क्लार्क ने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम सेमीफाइनल में जीत दिलायी। उससे ये बात फिर साबित होती है। क्लार्क ने विराट को अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया। कोहली आईसीसी नॉकआउट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए क्रीज पर उतरे पर उन्होंने अपने बेहतरीन स्ट्रोक प्ले और स्ट्राइक रोटेशन के जरिये आसानी से टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

क्लार्क ने कहा, एक बार फिर, उन्होंने हालातों का शानदार तरीके से आंकलन किया। उन्हें पता था कि उनकी टीम को क्या चाहिए और किस प्रकार मैच अपने नियंत्रण में लेना। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने शानदार शतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बल्लेबाज के पास हर शॉट है और वह किसी भी गेंद को सीमा रेखा से बाहर कर सकते हैं। मेरी राय में, वह अब तक के सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर हैं, और वह सबसे बड़े मंच पर, सबसे ज्यादा दबाव में भी इसे साबित करते रहते हैं। उन्हें पता है कि क्या करना है, और जब सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने श्रेयस अय्यर की भी तारीफ की।उन्होंने कहा, तब भारतीय टीम को एक साझेदारी की आवश्यकता थी क्योंकि दुबई की स्पिन-अनुकूल पिचों पर और अधिक विकेट गिरने से टीम ढ़ह सकती थी। ऐसे में अय्यर एक छोर पर कोहली के साथ टिके रहे।।

उन्होंने कहा, श्रेयस ने वाकई बहुत अच्छा खेला। उनके पास आक्रामक दृष्टिकोण और शानदार इरादे हैं और वे हमेशा अपने शॉट्स खेलने की कोशिश करते हैं, जिससे उनके बल्लेबाजी साथी पर से दबाव कम हो जाता है। वे और विराट एक दूसरे के पूरक बनकर उभरे हैं। विराट के अनुभव के कारण वे जरूरत पड़ने पर श्रेयस का मार्गदर्शन कर सकते हैं और उन्हें संयमित रख सकते हैं। उनकी साझेदारी मैच जीतने वाली थी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी फ्रेड स्टोल का निधन

मेलबर्न । दो बार के ग्रैंड स्लैम एकल विजेता और ऑस्ट्रेलिया की तीन बार डेविस कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे फ्रेड स्टोल का निधन हो गया है । टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी । वह 86 वर्ष के थे । टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टिली ने स्टोल को टेनिस में एक खिलाड़ी के रूप में और बाद में ऑस्ट्रेलिया के नाइन नेटवर्क तथा सीबीएस और फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए एक कमेंटेटर के रूप में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया । टिली ने निधन का कारण नहीं बताया । टिली ने कहा, 'उनकी विरासत उत्कृष्टता, समर्पण और टेनिस के प्रति गहरा प्रेम है । ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम के स्टार सदस्य, फ्रेड ने एक कोच और चतुर टिप्पणीकार के रूप में अपने शानदार करियर से खेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया ।' स्टोल ने 1965 में फ्रेंच ओपन और 1966 में अमेरिकी ओपन का एकल खिताब जीता था । इसके बाद वह विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गए थे । उन्होंने ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में 10 पुरुष युगल और सात मिश्रित युगल भी जीते ।

ग्रुप चरण में भारत से हार अतीत की बात, फाइनल एक नया दिन होगा: डेरिल मिशेल

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने कहा कि ग्रुप चरण में भारत से हार अतीत की बात है और फाइनल एक नया दिन होगा। न्यूजीलैंड ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान को 50 रन से हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला रविवार 9 मार्च 2025 को भारत से होगा।

उन्होंने कहा, 'फाइनल एक नया मैच होगा और हम वास्तव में इस चुनौती का सामना करने और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने को लेकर उत्साहित हैं। उम्मीद है कि हम उन पर दबाव बनाने में सफल रहेंगे।% मिशेल इस बहस में नहीं पड़ना चाहते हैं कि भारत को एक ही स्थान पर खेलने का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'यही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रकृति है। हमने काफी यात्रा की है और हम इसके आदी हो चुके हैं। टूर्नामेंट का कार्यक्रम तैयार करना मेरा काम नहीं है। मैं अभी आईसीसी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने पर रोमांचित हूं और अगला मैच खेलने के लिए उत्साहित हूं।' गौर हो कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में दक्षिण अफ्रीका की बुरी किस्मत अभी भी जारी है। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की टीम चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में नहीं पहुंच पाई। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में उनकी टीम को 50 रनों से झेलनी पड़ी। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए रचिन रविंद्र (108) और केन विलियमसन (102) के शतक की बदौलत 362 रन बनाए थे। द. अफ्रीकी गेंदबाज लुंगी एनगिडी को 3 तो कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका को बावुमा और रासी वेन दूसें ने अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरूआत दी लेकिन मध्यक्रम बिखर जाने के कारण पूरी टीम 9 विकेट पर 312 रन ही बना पाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए एक आकर्षण डेविड मिलर की पारी रही। उन्होंने 100 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर ने संन्यास लिया

ढ़ाका । बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के खराब प्रदर्शन के बाद एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। मुशफिकुर ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया पर की है । मुशफिकुर ने बांग्लादेश की टीम के सालाना अनुबंधों की घोषणा के ठीक बाद ही खेल को अलविदा कह दिया । इसी के साथ ही उनका दो दशक का करियर समाप्त हो गया। इस क्रिकेटर ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं आज से एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। साथ ही लिखा कि भले ही वैश्विक स्तर पर हमारी उपलब्धियां सीमित रही पर एक बात तो तय है- जब भी मैं अपने देश के लिए मैदान पर उतरा, मैंने समर्पण और पूरी ईमानदारी के साथ अपन पूरा योगदान दिया । इस टूर्नामेंट में मुशफिकुर के अलावा पूरी टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है ।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं और मुझे एहसास हो गया है कि यही मेरी नियति है । मुशफिकुर ने साल 2006 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना एकदिवसीय प्रारुप में डेब्यू किया था । अब वह इस प्रारूप में सबसे अधिक मैच खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी बन गये हैं । उन्होंने 274 मैचों में 36.42 की औसत से 7,795 रन बनाए हैं, जिसमें 144 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है । इसक अलावा उनके नाम नौ शतक भी हैं । उन्होंने 243 कैच लिए और 56 स्टंपिंग भी की हैं ।

चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली हार से तीन कप्तानों पर गाज गिरी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट में इस बार टीम की हार के कारण एक नहीं तीन-तीन कप्तानों का करियर खराब हो गया। सबसे पहले इसमें मेजबान टीम पाकिस्तान का आता है। भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के बाद उसके कप्तान मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर कर दिया गया। पाक टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में बेहद खराब रहा और वह एक मैच भी नहीं जीत पायी। वहीं दूसरी गाज इंग्लैड के कप्तान जोस बटलर पर गिरी। बटलर को भी टीम के खराब प्रदर्शन के कारण पद गंवाना पड़ा। इंग्लैड टीम का प्रदर्शन भी टूर्नामेंट में खराब रहा। वहीं तीसरे कप्तान ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को तो एकदिवसीय प्रारुप से ही संन्यास लेना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम को भारतीय टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) रिजवान से इस कदर नाराज हुआ कि टी20 टीम से ही बाहर कर दिया। उनकी जगह न्यूजीलैड दौरे पर टी20 का कप्तान सलमान आगा को बनाया गया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के दौरे पर आई इंग्लैंड की टीम को एकदिवीसय सीरीज में सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद टीम की तरफ से बयान में कहा गया था कि वो भारत में हार से दुखी नहीं क्योंकि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हराना चाहते हैं पर वहां भी जब टीम की हालत खराब रही और उसे अफगानिस्तान की टीम से भी हार मिल तो बटलर की के पास पद छोड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। इसी प्रकार की स्थिति ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ की रही। वह सेमीफाइनल में मिली हार से बेहद निराश देखे और उन्होंने संन्यास का ही ऐलान करना ठीक समझा।

संक्षिप्त समाचार

लुइसियाना पेट्रोकेमिकल प्लांट के खिलाफ मुकदमा वापस लेगी ट्रंप सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने लुइसियाना में सिंथेटिक रबर निर्माता कंपनी के खिलाफ संघीय कानून को वापस लेने का फैसला किया है। दरअसल कंपनी पर आरोप लगा है कि इसके चलते कैंसर का खतरा बढ़ रहा था। लुइसियाना अश्वेत बहुल इलाका है। बाइडन सरकार में लुइसियाना की कंपनी के खिलाफ पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी ने मुकदमा दायर किया था। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने सत्ता संभालते ही पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी के 170 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया। अब मुकदमा वापस लेने के ट्रंप प्रशासन के फैसले से कंपनी को बड़ी राहत मिलेगी, जो कई वर्षों से मुकदमेबाजी में फंसी थी।

अफगानिस्तान में 6000 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान पुलिस ने सोमवार रात उत्तरी अफगानिस्तान के तखर प्रांत में भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की। स्थानीय अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद अकबर हक्कानी ने कहा, पुलिस ने प्रांत की राजधानी तालुकान शहर के खटयान क्षेत्र में कुल 6,299 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की। उन्होंने कहा कि ड्रग्स को एक गैस टैंकर के अंदर छिपाया गया था। अधिराकी ने कहा कि वाहन ताखर के पड़ोसी प्रांत बदख्शां से आ रहा था। इस मामले के सिलसिले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने अफीम की खेती और ड्रग्स के उत्पादन और तस्करी पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने तब तक कार्रवाई जारी रखने की बात कही है जब तक देश ड्रग्स से मुक्त नहीं हो जाता। इस बीच, दक्षिणी अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में मादक पदार्थ निरोधक पुलिस ने 15 किलोग्राम हेरोइन समेत भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की है और 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला असदुल्ला जमशेद ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिनों में कई अभियानों के दौरान 15 किलोग्राम हेरोइन, 689 किलोग्राम हशीश और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं और सैकड़ों नशीली गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के दौरान पुलिस ने आठ एकड़ अफीम की खेती को भी नष्ट कर दिया।

न्यूजीलैंड में देश के नाम पर हुआ विवाद

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की संसद में देश के नाम पर विवाद हो गया। न्यूजीलैंड की संसद के स्पीकर ने सांसदों से कहा कि वे देश के माओरी नाम, एओटेरोआ पर आपत्ति करना बंद करें। दरअसल एक सांसद ने इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, लेकिन स्पीकर ने इस पर नाराजगी जताई। स्पीकर गेरी ब्राउनली ने मंगलवार को एक फैसले में कहा, एओटेरोआ का इस्तेमाल नियमित रूप से न्यूजीलैंड के नाम के रूप में किया जाता है। यह हमारे पासपोर्ट और हमारी मुद्रा पर भी दिखाई देता है। ऐसे में इस पर आपत्ति गलत है। दरअसल नाम को लेकर विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ जब एक सांसद ने दूसरे सांसद द्वारा इस नाम के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई। वामपंथी ग्रीन पार्टी के रिकार्डो मेनेंडेज मार्च ने एक मंत्री से सवाल के दौरान एओटेरोआ नाम का इस्तेमाल किया। माओरी भाषा में इस संयुक्त शब्द का अर्थ है लंबे सफेद बादल की भूमि। इस पर न्यूजीलैंड के उप-प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और न्यूजीलैंड फर्स्ट कैंपेन के मशहूर नेता विंस्टन पीटर्स ने एओटेरोआ नाम पर आपत्ति जताई। पीटर्स ने ब्राउनली से संसद में एओटेरोआ शब्द के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए कहा। मंगलवार को ब्राउनली ने कहा कि सांसदों को पहले से ही न्यूजीलैंड की तीन आधिकारिक भाषाओं - अंग्रेजी, माओरी और न्यूजीलैंड सांकेतिक भाषा में से किसी में भी संसद को संबोधित करने की अनुमति है। इसके बाद उन्होंने विंस्टन पीटर्स की आपत्ति को खारिज कर दिया।

कनाडाई प्रधानमंत्रीबोले- ट्रम्प का हम पर टैरिफ लगाने का फैसला बेवकूफी भरा कदम

ओटावा, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से कनाडा पर

25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के फैसले को बेवकूफी भरा बताया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प भले ही होशियार इंसान हैं, लेकिन ऐसा करना बहुत मूर्खतापूर्ण है। हम दो दोस्तों की लड़ाई बिल्कुल वैसी ही है, जैसी दुनिया भर में हमारे विरोधी देखना चाहते हैं। ट्रूडो ने कहा कनाडा वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के जरिए अमेरिकी टैरिफ को चुनौती देगा। अमेरिका के टैरिफ के जवाब में कनाडा ने भी टैरिफ का ऐलान किया है। इसे लेकर कनाडाई पीएम ने कहा कि जब तक अमेरिका टैरिफ वापस नहीं लेगा, तब तक हमारा टैरिफ भी लागू रहेगा। ट्रूडो ने कहा- ट्रम्प चाहते हैं कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो जाए, क्योंकि इससे उन्हें कनाडा को अमेरिका में मिलाना आसान हो जाएगा। मैं बता दूं कि ऐसा कभी नहीं होने वाला है। हम कभी भी अमेरिका के 51वें राज्य नहीं बनेंगे।

कांग्रेस के संबोधन में ट्रंप ने की घोषणा, दो अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। कांग्रेस के संयुक्त सत्र में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले संबोधन के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी कठोर टैरिफ नीति का बचाव किया, तथा दोहराया कि अमेरिका को भारत सहित दुनिया भर के कई देशों से उच्च टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान कहा, अगर आप ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका में अपना उत्पाद नहीं बनाते हैं, तो आपको टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में, काफी बड़ा टैरिफ देना होगा। दूसरे देशों ने दशकों तक हमारे खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल किया है और अब हमारी बारी है कि हम उन दूसरे देशों के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल करना शुरू करें। यह बहुत अनुचित है।'

ट्रंप ने उन देशों का नाम गिनाया, जो अमेरिका से बहुत ज़्यादा टैरिफ वसूलते हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने कहा, औसतन, यूरोपीय संघ, चीन, ब्राज़ील, भारत, मैक्सिको और कनाडा...क्या आपने उनके बारे में सुना है? और अनगिनत दूसरे देश हमसे बहुत ज़्यादा टैरिफ वसूलते हैं, जितना हम उनसे वसूलते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अनुचित है। अपने भाषण के दौरान भारत का ज़िक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, भारत हमसे 100 प्रतिशत से ज़्यादा ऑटो टैरिफ वसूलता है। उन्होंने आगे कहा, हमारे उत्पादों पर चीन का औसत टैरिफ हमसे दोगुना है और दक्षिण कोरिया का औसत

टैरिफ चार गुना अधिक है। ट्रम्प ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका कई देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाएगा, जो 1 अप्रैल से नहीं बल्कि 2 अप्रैल से शुरू होगा, क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि यह अप्रैल फूल्स डे के साथ मेल खाए।

बाइडेन प्रशासन को आर्थिक तबाही के लिए ठहराया जिम्मेदार : उन्होंने बाइडेन प्रशासन को आर्थिक तबाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप ने कहा, मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक अमेरिकी इकोनॉमी को बचाना और वर्किंग फैमिलीज को तुरंत और बड़ी राहत देना है। बाइडेन प्रशासन से हमें आर्थिक तबाही और महंगाई का बुरा सपना विरासत में मिला है। बाइडेन की नीतियों ने एनर्जी की कीमतें बढ़ा दीं, किराने का सामान महंगा कर दिया और लाखों अमेरिकियों के लिए बुनियादी जरूरतों को पहुंच से बाहर कर दिया। राष्ट्रपति के रूप में, मैं हर दिन इस नुकसान को ठीक करने और अमेरिका को फिर से किफायती बनाने के लिए लड़ रहा हूं।

100 एग्जिक्यूटिव ऑर्डर्स का भी किया जिक्र : ट्रंप ने 100 एग्जिक्यूटिव ऑर्डर्स का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने अब तक लगभग 100 एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स पर साइन किए हैं और छह हफ्ते पहले पद संभालने के बाद 400 से ज्यादा कार्यकारी कदम उठाए हैं। उनके मुताबिक जॉर्ज वाशिंगटन का कार्यकाल 'नंबर दो' था, जबकि उनका सबसे ऊपर है।

इक्विटी और इन्क्लूजन को खत्म करने का किया ऐलान : उन्होंने डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन को खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मैंने फेडरल सरकार, प्राइवेट सेक्टर और अमेरिकी सेना में लागू 'डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन' (डीईआई) नीतियों को खत्म कर दिया। अब हमारा देश वोक नहीं रहेगा।

अमेरिका में फ्री स्पीच वापस लाने का भी किया दावा : ट्रंप ने अमेरिका में फ्री स्पीच वापस लाने का भी दावा किया। उन्होंने कहा, हमने ऐसे सरकारी तंत्र को खत्म कर दिया है, जिसका इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जाता है, जिसके जरिए मौजूदा राष्ट्रपति को मेरे जैसे राजनीतिक विरोधी के खिलाफ बेरहमी से मुकदमा चलाने की इजाजत दी जाती है।

रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा की : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, कनाडा, मेक्सिको, भारत और दक्षिण कोरिया बहुत टैरिफ लगाते हैं। हम दो अप्रैल से कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाएंगे, जो हम पर टैक्स लगाएंगे, हम भी उन पर उतना ही टैक्स लगाएंगे।

डब्ल्यूएचओ को भ्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र ह्यूमन राइट्स कमीशन को अमेरिका विरोधी बताया : उन्होंने डब्ल्यूएचओ को भ्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र ह्यूमन राइट्स कमीशन को अमेरिका विरोधी बताया। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मैंने पद संभालते ही सभी फेडरल भर्तियों, नई फेडरल नीतियों और विदेशी सहायता पर तुरंत रोक लगा दी।

चीन ने फिर बढ़ाया अपना रक्षा बजट, रोजगार बढ़ाने पर चीन की सरकार का जोर

बीजिंग, एजेंसी। चीन लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ाता जा रहा है। इसी के तहत चीन ने एक बार फिर अपने रक्षा बजट

में बढ़ोतरी करने का एलान किया है। चीन ने बुधवार को अपने रक्षा बजट का एलान किया, जिसमें चीन ने रक्षा खर्च के लिए 249 अरब डॉलर का बजट रखा है। यह पिछले साल के बजट की तुलना में 7.2 प्रतिशत ज्यादा है।

पिछले साल भी चीन ने अपने रक्षा बजट में की थी बढ़ोतरी चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के सामने पेश किए गए ड्राफ्ट बजट में इस साल चीन का रक्षा बजट 1.7 खरब युआन (249 अरब डॉलर) तय किया गया है। गौरतलब है कि बीते साल भी चीन ने अपने रक्षा बजट में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि की थी। पिछले साल चीन का रक्षा बजट 1.67 खरब युआन या कहें 232 अरब डॉलर था। चीन अपनी सेना का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण कर रहा है। इसके तहत चीन नए एयरक्राफ्ट करियर बना रहा है, तेजी से नौसैन्य जहाजों का निर्माण कर रहा है और स्टील्थ तकनीक पर आधारित लड़ाकू विमानों को विकसित कर रहा है। चीन, अमेरिका को हर मोर्चे पर चुनौती देने की तैयारी कर रहा है और इसी के तहत वह अपनी सेना को भी मजबूत करने में जुटा है। हालांकि अभी अमेरिका की तुलना में चीन का बजट काफी कम है, लेकिन जिस तेजी से चीन अपने सैन्य खर्च को बढ़ा रहा है, उसे देखते हुए जल्द ही चीन के भी अमेरिका के नजदीक पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा चीन दक्षिण चीन सागर और वियतनाम के साथ भी हालात तनावपूर्ण हैं। भारत के साथ भी चीन का सीमा विवाद है। गौरतलब है कि भारत के मुकाबले चीन का सैन्य बजट तीन गुना से भी ज्यादा हो गया है। बीते दिनों पेश किए गए बजट में भारत ने अपने सैन्य खर्च के लिए 75 अरब डॉलर आवंटित किए थे। जबकि चीन का यह खर्च 249 अरब डॉलर है। इससे दोनों देशों के बीच के अंतर को साफ समझा जा सकता है। अन्य देशों की बात करें तो अमेरिका इस मामले में सबसे आगे है और उसका सैन्य बजट 895 अरब डॉलर है।

नेपाल ने प्रमुख सीमा-पार रेलवे परियोजनाओं के शेष काम को पूरा करने का आश्वासन दिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने भारत को आश्वासन दिया है कि वह जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर सीमा-पार रेलवे लाइनों के शेष खंडों पर काम जल्द शुरू करने और पूरा करने के लिए कदम उठाएगा। रेलवे लाइन भारत के वित्तीय सहयोग से बिछाई जा रही हैं। दिल्ली में 27-28 फरवरी को आयोजित भारत-नेपाल परियोजना संचालन समिति और संयुक्त कार्य समूह की बैठकों में विभिन्न सीमा-पार रेलवे परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दोनों पक्षों ने भारत और नेपाल के बीच जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर बड़ी लाइन पर हो रहे कार्यों को लेकर चर्चा की।

पाकिस्तान में दो आत्मघाती बम विस्फोटों में 9 की मौत, 25 घायल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले के आर्मी कैंट इलाके में दो आत्मघाती बम विस्फोट हुए. इन धमाकों में कम से कम नौ लोग मारे गए जबकि 25 घायल हो गए. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े एक समूह ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू में हुए हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि इस हमले में कई पाकिस्तानी सुरक्षा बल मारे गए. हालांकि सेना ने तुरंत किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी. इस बीच बन्नू जिला अस्पताल की ओर से कहा गया कि कम से कम नौ लोग मारे गए.

रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारियों में शामिल जाहिद खान ने कहा दो विस्फोटों के बाद हवा में धुंआ का गुबार उठ रहा था और गोलीबारी जारी थी. मरने वालों में चार बच्चे थे. पीड़ित विस्फोट स्थल के पास ही रहते थे. हमले सूर्यास्त के बाद हुए जब लोग मुस्लिम पवित्र महीने रमजान के दौरान अपना रोजा खोल रहे होते हैं. बन्नू जिला अस्पताल के प्रवक्ता मुहम्मद नोमान के अनुसार शाम को हुए धमाकों में घरों और दूसरी इमारतों को बहुत नुकसान पहुंचा. छतें और दीवारें ढह गई और इसी वजह से लोग हताहत हुए. कहा जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है.

बचावकर्मियों और प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ के अनुसार विस्फोटों के कारण पास की एक मस्जिद की छत गिर गई, जबकि कई नमाजी अंदर मौजूद थे. मलबे के नीचे से लोगों को निकालने की कोशिश की गई. बचावकर्मियों ने मस्जिद

के इमाम का शव बरामद किया.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो आत्मघाती हमलावरों ने विशाल सैन्य क्षेत्र की दीवार के पास खुद को उड़ा लिया. दीवार के साथ विस्फोट के बाद कुछ और हमलावरों ने सैनिक अड्डे में घुसने की कोशिश की, लेकिन उन्हें मार गिराया गया. जैश अल-फुरसान ने हमले की जिम्मेदारी ली है. रमजान रविवार से शुरू होने के बाद से यह पाकिस्तान में तीसरा आतंकवादी हमला है.

एक बयान में समूह ने कहा कि विस्फोट का कारण विस्फोटकों से लदा वाहन था. पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की और जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया. खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने जांच के आदेश दिए हैं.

आतंकियों ने कई बार बन्नू को निशाना बनाया है. पिछले नवंबर में एक आत्मघाती कार बम विस्फोट में 12 सैनिक मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे. जुलाई में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे अपने वाहन में विस्फोट कर दिया और अन्य आतंकवादियों ने सैन्य प्रतिष्ठान की बाहरी दीवार के पास गोलीबारी शुरू कर दी.

पिछले साल की शुरुआत से सूडान में 200 से अधिक बच्चों से बलात्कार हुआ : यूनिसेफ

काहिरा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी 'यूनिसेफ' ने बताया कि संघर्ष-ग्रस्त सूडान में 2024 की शुरुआत से एक साल की उम्र तक के बच्चे बलात्कार का शिकार हुए हैं। 'यूनिसेफ' के अनुसार, यौन हिंसा का इस्तेमाल युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है। 'यूनिसेफ' ने बताया कि उत्तर अफ्रीकी देश में लिंग आधारित हिंसा के विषय में काम करने वाली संस्थाओं द्वारा संकलित रिकॉर्ड के अनुसार, सशस्त्र बलों ने लड़कों सहित 221 बच्चों से बलात्कार किया। सूडान में युद्ध की शुरुआत अप्रैल 2023 में सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्द्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' के बीच खार्तूम में लड़ाई से हुई जो देश भर में फैल गई। तब से कम से कम 20,000 लोग मारे गए हैं, हालांकि यह संख्या कहीं अधिक होने की आशंका है। युद्ध के कारण 1.4 करोड़ से अधिक लोग अपने अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर हुए और देश के कुछ हिस्से भूखमरी की कगार पर हैं। अधिकार समूहों का कहना है कि यौन हिंसा और जबरन बाल विवाह सहित अत्याचार दोनों पक्षों

द्वारा किए गए हैं।

'यूनिसेफ' ने पिछले महीने बताया था कि युद्ध शुरू होने के बाद से अनुमानित 61,800 बच्चे आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं। 'यूनिसेफ' ने कहा कि बच्चों के साथ बलात्कार के मामलों में 30 प्रतिशत से अधिक पीड़ित लड़के थे। पीड़ितों में पांच वर्ष से कम उम्र के 16 बच्चे और चार शिशु शामिल हैं। ये मामले गदारेफ, कसाला, गेजेरा, खार्तूम, रिवर नाइल, नॉर्दर्न स्टेट, साउथ कोर्दोफन, नॉर्थ दारफुर और वेस्ट दारफुर राज्यों में दर्ज किए गए। 'यूनिसेफ' की प्रवक्ता टेस इनग्राम ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि बलात्कार के शिकार हुए 221 बच्चों में से 73 मामले संघर्ष से संबंधित थे और 71 इससे संबंधित नहीं थे जबकि अन्य अज्ञात थे।

यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने रिपोर्ट में कहा कि बलात्कार सहित यौन हिंसा का इस्तेमाल ''युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है'' जो अंतरराष्ट्रीय कानून और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों का उल्लंघन है। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा का दस्तावेजीकरण करने वाला गैर-लाभकारी संगठन 'एसआईएचए नेटवर्क' ने पिछले महीने कहा था कि युद्ध शुरू होने के बाद से संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के लगभग 23 प्रतिशत मामले लड़कियों से जुड़े थे। दक्षिण कोर्दोफन में बंदूक के बल पर एक लड़के से बलात्कार किया गया और छह साल के बच्चे सहित कई बच्चों के साथ भी दुष्कर्म किया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 13 साल के बच्चे को बनाया सीक्रेट सर्विस एजेंट, इसकी वजह भावुक करने वाली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में सत्ता संभालने के बाद पहली बार अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल में अब तक किए गए कामों का जिक्र किया। ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान एक 13 साल के बच्चे डीजे डेनियल को सीक्रेट सर्विस एजेंट नियुक्त करने का भी एलान किया। जिस वक्त ट्रंप ने यह एलान किया, उस वक्त गैलरी में डीजे भी अपने परिजनों के साथ मौजूद रहा। डीजे के लिए पूरे सदन ने खड़े होकर तालियां बजाईं। दरअसल डीजे डेनियल कैंसर से पीड़ित है और उसका सपना था कि वह पुलिस अधिकारी बने। बच्चे की हालत को देखते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे सीक्रेट सर्विस एजेंट नियुक्त करने का फैसला किया।

दुर्लभ कैंसर से पीड़ित है डीजे डेनियल : राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि डीजे डेनियल साल 2018 से एक दुर्लभ कैंसर से ग्रस्त है और डॉक्टर्स ने बताया था कि डीजे के पास सिर्फ पांच महीने का ही वक्त है, लेकिन तमाम मुश्किलों के बावजूद डीजे लड़ा और आज छह साल बीत गए हैं। उसने कभी भी अपने पुलिस अधिकारी बनने के सपने को नहीं छोड़ा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि आज की रात हम डीजे को उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान देंगे। मैं हमारे सीक्रेट सर्विस निदेशक सीन कुरन से कहता हूं कि वे

आधिकारिक तौर पर तुम्हें अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का एजेंट नियुक्त करें। ट्रंप के इस एलान के बाद पूरा सदन भावुक हो गया और दोनों पार्टियों के सांसदों ने खड़े होकर डीजे और उसके पिता के सम्मान में तालियां बजाईं। इस दौरान सांसदों ने डीजे..डीजे के नारे भी लगाए। इसके बाद सीन कुरन ने डीजे को सीक्रेट सर्विस एजेंट का आधिकारिक बैज सौंपा। इससे खुश डीजे ने कुरन को गले लगा लिया।

ट्रंप ने टैरिफ को लेकर कही ये बात : ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान एलान किया कि 2 अप्रैल को पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे। जो भी देश हम पर टैरिफ लगाते हैं, हम उन पर टैरिफ लगाएंगे। यदि वे हमें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक टैरिफ लगाते हैं, तो हम भी उन्हें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक अवरोध लगाएंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, मंत्रियों से की वार्ता

लंदन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार शाम यहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग तथा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और एक दूसरे के यहां लोगों की आवाजाही बढ़ाने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।'' इससे पूर्व मंगलवार को विदेश मंत्री (ईएएम) ने अपनी छह दिवसीय यात्रा के पहले दिन ब्रिटेन और आयरलैंड की यात्रा के दौरान मंत्रिस्तरीय वार्ताएं कीं। उन्होंने मंगलवार को ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स और गृह मंत्री यवेट कूपर के साथ भी भेंटवार्ता की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रिटेन और आयरलैंड के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए मंगलवार को लंदन पहुंचे और इसी के साथ उनकी छह दिवसीय यात्रा शुरू हो गई। यात्रा से पहले एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर की यात्रा से दोनों देशों के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध नवीनीकृत होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जो रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित विविध क्षेत्रों में मजबूत हुई है।

द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा : बैठक के बाद विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ उनकी मुलाकात में

द्विपक्षीय सहयोग के अलावा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे। डॉ. एस. जयशंकर ने मुलाकात के दौरान हुई चर्चा के संदर्भ में एक्स पर लिखा, हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।

ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से भी की मुलाकात : बाद में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से मुलाकात की और आगे की चर्चा के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने लैमी के साथ भारत से आए उत्कृष्ट शोध-छात्रों से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि यह हमारी प्रतिभा और लोगों के बीच आदान-प्रदान की एक ज्वलंत अभिव्यक्ति है और ये विद्वान निश्चित रूप से भारत-ब्रिटेन संबंधों के महान समर्थक हैं। इससे पहले, डॉ. एस जयशंकर ने गृह सचिव यवेट कूपर से मुलाकात की और प्रतिभा के प्रवाह, लोगों के बीच आदान-प्रदान तथा तस्करी और उग्रवाद से निपटने के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने व्यापार और वाणिज्य विभाग के सचिव जोनाथन रेनोल्ड्स के साथ भी बैठक की और दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति के बारे में चर्चा की।

पूर्व सीएम केजरीवाल की जेड कैटेगरी सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की जेड कैटेगरी सुरक्षा जारी रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा समीक्षा के बाद यह फैसला लिया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर खतरे के आकलन के बाद आगे भी समीक्षा की जाएगी। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और दिल्ली पुलिस द्वारा सुरक्षा स्थिति की निगरानी की जाएगी, और आवश्यकतानुसार मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल को जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है, लेकिन वह कानूनी रूप से अन्य राज्यों की सुरक्षा नहीं ले सकते। यदि कोई अन्य राज्य का वीवीआईपी दिल्ली आता है और उसे सुरक्षा दी जाती है, तो वह अधिकतम 72 घंटे तक ही वैध होगी। इसके लिए भी दिल्ली पुलिस को पूर्व सूचना देना अनिवार्य है, अन्यथा यह कानून का उल्लंघन माना जाएगा। गृह मंत्रालय के इस फैसले से साफ है कि अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

जम्मू में आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

जम्मू (एजेंसी)। रामबन पुलिस ने पब्लिक सेफ्टी एक्ट के तहत आतंकवादियों के ओवर ग्राउंड वर्कर मंजूर अहमद को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने बताया कि मंजूर अहमद गूल व इसके आसपास के क्षेत्रों में राष्ट्र और समाज विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है। मंजूर अहमद लंबे समय से फरार था और गिरफ्तारी से बच रहा था। ऐसे में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। स्पेशल टीम ने कामयाबी हासिल करते हुए मंजूर अहमद को गिरफ्तार कर लिया।

नालंदा मे युवति की निर्मम हत्या देखकर सन्न रह गए लोग, मानवता हुई शर्मसार

बिहार शरीफ (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बिहार को सुशासन का राज बताते हैं। लेकिन जिस तरह से युवति की निर्मम तरीके से हत्या की गई है। उसको देखने के बाद लोग सन्न रह गए हैं। मानवता शर्मसार हो गई है। ऐसे निर्मम तरीके से किसी की हत्या कोई मानव कर सकता है। बुधवार की सुबह नालंदा के बिहार शरीफ स्थित बहादुरपुर गांव में एक युवति का शब मिला है। युवती के पूरे शरीर में मारने पीटने के निशान और घाव बने हुए हैं। लड़की के दोनों पैरों पर 9 कीलें ठोकी गई हैं। युवती की उम्र 24 वर्ष की बताई जा रही है। अभी उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। जहां शव मिला है,वहां पर खून के कोई निशान देखने को नहीं मिले हैं। जिसके कारण यह माना जा रहा है। हत्या और प्रताड़ना के बाद युवति का शव लाकर यहां फेंक दिया गया है। प्रारंभिक अवस्था में लाश को देखने के बाद लग रहा है, युवती गर्भवती है।

संभल हिंसा के एक आरोपी का फोटो वाला पोस्टर पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर लगवाया

संभल (एजेंसी)। जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद उत्तरप्रदेश पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपितों की तलाश जारी है। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपित का फोटो दिखाई दे रहा है, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। इसके बाद अब पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपित की पहचान कराने को आरोपी का फोटो वाला पोस्टर सार्वजनिक स्थान पर चस्पा कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पुलिस ने अब तक करीब 76 आरोपितों की पहचान कर जेल भेज दिया है। बवाल के बाद एकत्र की गई सीसीटीवी की इन्हीं फुटेज में पुलिस को एक फुटेज ऐसी मिली है, जिसमें एक युवक भीड़ में शामिल लोगों को अपनी ओर आने का इशारा कर रहा है। पुलिस उस आरोपित की पहचान कराने में लगी रही, लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी आरोपित की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे आरोपित युवक के फोटो वाले पोस्टर छपवाकर नगर में सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा करवाए हैं, जिससे उनकी पहचान और उसके खिलाफ कार्रवाई हो सके। पुलिस की ओर से चिपकवाए गए पोस्टर में सूचना देने वाले की पहचान को गुप्त रखने व इनाम देने की घोषणा भी की है।

रील बनाने के चक्कर में नहर में गिरी कार, सवार तीन युवकों को तलाश रही पुलिस

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद के फतेहवाड़ी नहर में एक स्कॉर्पियो कार जा गिरी। गुरुवार को कार जब नहर में गिरी तब उसके अंदर तीन युवक मौजूद थे। बताया जा रहा है कि, रील बनाने के चक्कर में स्कॉर्पियो कार बेकाबू होकर नहर में जा गिरी। स्कॉर्पियो जैसे ही कैनाल में गिरी उसके तुरंत बाद वहां मौजूद दूसरे दोस्तों ने रस्सी डालकर तीनों युवकों को बचाने की कोशिश की वे लेकिन असफल रहे। जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हुए। इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी गई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। रेस्क्यू के लिए पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के द्वारा स्कॉर्पियो गाड़ी को बाहर निकालकर गाड़ी में मौजूद तीनों युवकों की तलाश शुरू की गई है। पुलिस जानकारी के मुताबिक स्कोर्पियो कार 4 घंटे के लिए 3500 रुपए चुकाकर रील बनाने के लिए हृदय, ध्रुव और ऋतायु ने किराए पर ली हुई थी। स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर जब तीनों वासना बैरेज पहुंचे तब वहां पहले से ही उनके 4 दोस्त विराज सिंह, यक्ष, यश और क्रिश वहीं मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक, यक्ष ने स्कॉर्पियो गाड़ी चलाकर थोड़ी दूर जाने के बाद अपने दोस्त यश सोलंकी को चलाने के लिए दी थी। इस दौरान गाड़ी में क्रिश भी साथ में मौजूद था। स्कॉर्पियो रील बनाने के लिए ली गई थी, तब रील बनाने का काम भी जारी था। लेकिन गाड़ी अचानक बेकाबू होकर नहर में जा गिरती है। इसके बाद वहीं मौजूद तीनों युवकों के दोस्त विराजसिंह राठौड़ ने रस्सी की मदद से अपने दोस्तों को बचाने की कोशिश की लेकिन तीनों में से एक भी दोस्त रस्सी पकड़ नहीं पाए और पानी के तेज बहाव में बह गए।

पीएम मोदी और राहुल गांधी का गुजरात दौरा... गर्माएगी सियासत

चुनावी रणनीति पर चर्चा करने पहुंच रहे राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां एक बार फिर गुजरात दौरे पर जा रहे हैं, तो वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी और राहुल का यह दो दिवसीय दौरा गुजरात की राजनीति को गरमाने के लिए काफी होगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 8 मार्च को राज्य के सूरत और नवसारी जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने गुजरात पहुंच रहे हैं। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात करेंगे और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। एक तरह से पार्टी के लिए चुनावी प्लेटफार्म तैयार करने पीएम मोदी एक बार फिर गुजरात दौरे पर पहुंच रहे हैं। यहीं

प्रधानमंत्री मोदी 7 मार्च को सूरत के लिंबायत इलाके के नीलगिरी ग्राउंड में एक भव्य जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के तहत वृद्ध लाभार्थियों को विशेष किट वितरित करेंगे। इसके बाद वे सूरत के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम कर अगले दिन, 8 मार्च को नवसारी जाएंगे। यहां पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में पीएम मोदी शामिल होंगे। नवसारी में भी वे एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। गौरतलब है कि इससे पहले, 1 मार्च को पीएम मोदी तीन दिवसीय निजी दौरे पर गुजरात पहुंचे थे, जहां उन्होंने सौराष्ट्र के विभिन्न जिलों का दौरा किया था। उन्होंने जामनगर, गिर और जूनागढ़ में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और सोमनाथ मंदिर के दर्शन भी किए थे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठनेता राहुल गांधी 7 और 8 मार्च को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा आगामी 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों को मजबूती प्रदान करने के लिए हो रहा है। वे पार्टी संगठन को पुनर्गठित करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर देने वाले हैं। इसके अलावा, वे कांग्रेस के प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाएंगे। जानकारी अनुसार कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले राहुल गांधी का यह दौरा पार्टी के लिए अहम माना जा रहा है इससे रणनीति में बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही है।

अब चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 मार्च को गुजरात के सूरत और नवसारी जिलों के दौरे पर रहेंगे वहीं राहुल गांधी भी दो दिवसीय दौरे पर गुजरात में रहेंगे तो ऐसे में राज्य की राजनीति गर्माने की पूरी उम्मीद है। इन दौरों को देखते हुए पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ता अपना पूरा जोश दिखाते दिखें तो हैरानी की बात नहीं होगी। यही वजह है कि गुजरात में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी, दोनों ही आगामी चुनावों को लेकर अपनी रणनीति को धार देने में जुट गई हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद : छावा की स्क्रीनिंग से दूर रहना शिंदे की गलती तो नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में किसी न किसी बहाने राजनीति की हवा गरम होते देर नहीं लगती है। हाल ही में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के मंत्रियों और विधायकों ने रायगढ़ के गार्जियन मंत्री पद को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड फिल्म छावा की स्क्रीनिंग में भाग नहीं लिया। यह स्क्रीनिंग अजीत पवार गुट की एनसीपी विधायक और फडणवीस सरकार में मंत्री अदिति तटकरे द्वारा आयोजित की गई थी। इस आयोजन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और अन्य प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जबकि शिवसेना की ओर से केवल राज्य मंत्री आशीष जैस्वाल ही उपस्थित थे। शिंदे का इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होना इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि यह पार्टी का जानबूझकर किया गया बहिष्कार हो सकता है। रायगढ़ गार्जियन मंत्री पद शिवसेना और एनसीपी के बीच एक बड़ा विवाद बन चुका है। शिवसेना इस पद पर अपना अधिकार जमाने के लिए लगातार दबाव बना रही है, जबकि एनसीपी इस पद से अपनी दावेदारी छोड़ने को तैयार नहीं है। शिंदे गुट के भारत गोगावले ने इस पद पर अपनी दावेदारी की है, जबकि महिला और बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे इस पद पर दावा करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले भी दोनों पार्टियों के बीच तनाव देखा गया था, जब शिवसेना के मंत्रियों ने अजीत पवार द्वारा आयोजित रायगढ़ योजना बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। इस बैठक में तटकरे भी मौजूद थीं, जिससे दोनों पार्टियों के बीच के गहरे मतभेद और बढ़े।रायगढ़ जिले में फिलहाल शिवसेना का दबदबा देखा जाता है, जहां शिंदे गुट के तीन विधायक थोरवे, दलवी और गोगावले (महाड) हैं, जबकि एनसीपी की ओर से तटकरे (श्रिवर्धन) विधायक हैं।

अभी से तैयारी में जुटे कांग्रेस, वरना बिहार में होगा महाराष्ट्र, हरियाणा जैसा हाल

–कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने किया आगाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के चुनावों में हमें हार मिली है। इससे सबक लेकर बिहार चुनाव के लिए पहले से ही तैयारी करनी होगी। यदि गठबंधन में गांठ है, तब उस गांठ को समय रहते खत्म करना होगा। कांग्रेस के ही नेता तारिक अनवर ने अपनी पार्टी को यह हिदायत दी है। कांग्रेस नेता अनवर ने कहा कि बिहार चुनाव इसी साल अक्टूबर-नवंबर में है और बिना कोई समय गंवाए कांग्रेस को तैयारी में जुटना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस हाईकमान को आगाह करते हुए कहा कि अब हमारे पास वक्त नहीं है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य अनवर ने कहा कि दूसरे राज्यों की हार से सबक लेकर आरजेडी के साथ गठबंधन की हर गांठ को खत्म कर लेना चाहिए। हमें समय रहते ही समन्वय बैठकें शुरू करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जेडीयू और भाजपा के बीच पहले ही चीजें तय होने लगी हैं। वे चुनाव कैंपेन मोड में भी चले गए हैं। कांग्रेस नेता अनवर ने कहा, 'हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में कांग्रेस की हार के बाद अब बिहार का चुनाव अहम हो गया है। इसका असर बिहार में ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में होता है। यह कांग्रेस और हमारे सहयोगी दलों की जरूरत है कि बिहार में भाजपा और जेडीयू को हरा दिया जाए। इसलिए मेरी अपनी राय है कि हम देरी स्वीकार नहीं कर सकते। यदि कांग्रेस पार्टी देरी करती हैं, तब नुकसान होगा। चुनाव से कुछ सप्ताह या दिन पहले सक्रिय करने से कोई फायदा नहीं है। हमें अभी से बिहार चुनाव की तैयारी शुरू करनी होगी।' अनवर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अलर्ट कर कहा कि लीडरशिप को हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली के नतीजे देखने चाहिए। इन नतीजों से सबक लेकर बिहार की तैयारी की जाए। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी और बिहार इकाई के बीच तुरंत ही समन्वय बनाकर काम शुरू किया जाए।

सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी स्टालिन की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट से राहत

–उसकी अनुमति के बिना कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री एम उदयनिधि स्टालिन को फौरी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उदयनिधि के खिलाफ उसकी अनुमति के बिना कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि एक ही मुद्दे पर कई शिकायतें दर्ज नहीं हो सकतीं। साथ ही न्यायालय ने मौजूदा प्राथमिकियों की सुनवाई कर रही अदालतों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से स्टालिन को दी गई छूट संबंधी अंतरिम आदेश की अवधि बढ़ा दी। दरअसल एक कार्यक्रम में उदयनिधि स्टालिन ने बयान दिया था कि जिस तरह से कोरोना, मलेरिया, डेंगू को खत्म करते हैं, उसी तरह सनातन धर्म का सिर्फ विरोध नहीं होना चाहिए, बल्कि सनातन धर्म को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ स्टालिन की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने सभी प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने और शिकायतों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। पीठ ने लंबित मामले में दायर उनकी याचिका पर उन राज्यों को नोटिस जारी किए जहां नई प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं।

स्टालिन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि महाराष्ट्र के अलावा पटना, जम्मू और बेंगलुरु में भी प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। उन्होंने तर्क देकर कहा कि सभी मामलों को तमिलनाडु में स्थानांतरित किया जा सकता है जहां कथित घटना हुई थी। सिंघवी ने कहा कि स्टालिन के खिलाफ बिहार में एक नया मामला दर्ज हुआ है और लंबित याचिका में वहां के शिकायतकर्ताओं को पक्षकार बनाने के लिए संशोधन याचिका दायर की गई है। वकील सिंघवी ने कहा, नूपुर शर्मा के मामले में शब्दों को बहुत अधिक आक्रामक माना जाता है। न्यायालय ने अन्य सभी मामलों को उस स्थान पर स्थानांतरित किया था जहां पहली बार प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इस मामले में यहीं समाधान है। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि सनातन धर्म को मलेरिया, कोरोना, डेंगू आदि की तरह खत्म किया जाना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं कर रहे... केवल एक ही सवाल है कि क्या इन्हें एक ही स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि केवल इसलिए कि हिंदुओं ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, नेता को ऐसा कहने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

कौशांबी से पकड़ा गया खालिस्तानी आंतकी लाजर मसीह, कुंभ में गड़बड़ी फैलाने की तैयारी

कौशांबी (एजेंसी)। यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दोनों टीमों ने संयुक्त अभियान चलाकर कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सक्रिय आतंकवादी को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आतंकी के पास से 3 हैंड ग्रेनेड, 2 डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्तौल और 13 जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। इसकी पहचान अमृतसर के कुर्लियान गांव के रहने वाले संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह के रूप में हुई है। गिरफ्तार आतंकी महाकुंभ में गड़बड़ी फैलाने की फिराक में था। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक कुमार ने गिरफ्तार आतंकी को लेकर कई बड़े खुलासे किए। डीजीपी ने बताया कि आतंकी लाजर लगातार आईएसआई के संपर्क में था। पाकिस्तान में बैठे कुछ हैंडलर आंतकी लाजर लगातार ड्रोन और गोला बारूद और असलहे भेज रहे थे। डीजीपी ने बताया कि आतंकी लजर प्रयागराज में हुए महाकुंभ में कोई बड़ी आतंकी घटना करना चाहता था। इसके अलावा आतंकी पाकिस्तान से कई विस्फोटक हथियार भी अपने साथ लेकर आया था। महाकुंभ में आतंकी साजिश रचने के बाद लाजर पुर्तगाल भागने की फिराक में था। डीजीपी ने बताया कि महाकुंभ में आतंकी घटना करने के लिए आंतकी लाजर कौशांबी, लखनऊ और कानपुर में रहकर प्लान भी तैयार किया था। पुलिस को जब आतंकी घटना की जानकारी मिली तो सर्च अभियान चलाया। पुलिस की कार्रवाई में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकी लाजर मसीह को कौशांबी से गिरफ्तार कर लिया गया।

महानिदेशक (यूपी स्पेशल टास्क फोर्स, कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि आंतकी मसीह कथित तौर पर बीकेआई के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ ??जीवन फौजी से जुड़ा हुआ है और वह पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों के सीधे संपर्क में भी था। ऑपरेशन के दौरान यूपी एसटीएफ ने तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड सहित विस्फोटक और अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया। इसके अलावा दो सक्रिय डेटोनेटर। एक विदेशी निर्मित नोरिन्को एम-54 टोकरेव पिस्तौल (7.62 मिमी)। विदेश में बने तेरह कारतूस (7.62×25 मिमी)। सफेद रंग का विस्फोटक पाउडर। गाजियाबाद के पते वाला आधार कार्ड। बिना सिम कार्ड वाला मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

माता-पिता दोनों की अनुमति के बिना नहीं बनेगा नाबालिग का पासपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। माता-पिता दोनों की अनुमति के बिना अब नाबालिग का पासपोर्ट नहीं बनेगा। अगर किसी एकल अभिभावक ने पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन दिया है, तब उन्हें पहले से ज्यादा सूचनाएं और उनकी पुष्टि करने वाले दस्तावेज देना होगा। उन्हें दूसरे अभिभावक की ओर से सहमति न मिलने का कारण भी स्पष्ट करना होगा।

दरअसल विदेश मंत्रालय ने बीते दिनों नाबालिग के आवेदन के साथ लगने वाले अनुलग्नक-सी (माता-पिता की ओर से घोषणा-पत्र) में परिवर्तन किया है। अनुलग्नक-सी में सही जानकारी नहीं देने पर पासपोर्ट के आवेदन पर विचार नहीं होगा। नाबालिग के पासपोर्ट के आवेदन के साथ दोनों अभिभावकों की सहमति दी गई है, तब उन्हें अनुलग्नक-डी और एक अभिभावक की सहमति होने पर अनुलग्नक-सी भरकर देना होता है। इसमें अक्सर आवेदकों की ओर से सही जानकारी नहीं दी जाती थी। इसतरह के कई मामले सामने आए हैं, जिसमें अभिभावकों के बीच विवाद होने पर पूरी जानकारी नहीं दी गई थी। आवेदन करने वाले अभिभावक की ओर से दूसरे की सहमति न मिलने का कारण उसका विदेश में रहना बताया गया। पूर्व में इसतरह के मामलों में विदेश में रहने के सुबूत दिया जाना अनिवार्य नहीं था।

वहीं, कोर्ट में तलाक का केस चलने पर सिंगल अभिभावक की ओर से आवेदन करने पर उनके लिए यह जानकारी देना अनिवार्य नहीं था कि न्यायालय की ओर से उन्हें बच्चे की कस्टडी दी गई है या नहीं। पासपोर्ट बनवाने के दौरान इसतरह के दस्तावेज जमा करने की अनिवार्यता भी नहीं थी जिसमें कोर्ट के पासपोर्ट जारी करने पर कोई शर्त या प्रतिबंध तो नहीं लगा रखा है।

1.माता या पिता में से कोई एक विदेश में रह रहा है और अनुमति देने में असमर्थ हैं, तब उनके पासपोर्ट और वीजा की कॉपी भी जमा करानी होगी।

2. अगर कोई एक अभिभावक विदेश यात्रा के लिए गया है, तब पासपोर्ट, वीजा के साथ टिकट या बोर्डिंग पास की कॉपी देनी होगी।

3. तलाक होने की स्थिति में सिंगल अभिभावक को आवेदन के साथ कोर्ट से बच्चे की कस्टडी और देखरेख के अधिकार का दस्तावेज देना होगा।

4. तलाक होने या मामला विचाराधीन होने पर अगर कोर्ट ने पासपोर्ट के संबंध में कोई निषेधाज्ञा लागू नहीं की है, तब तलाक याचिका की कॉपी देनी होगी।

5. तलाक हो जाने पर या मामला विचाराधीन होने पर अगर कोर्ट ने पासपोर्ट के संबंध में निषेधाज्ञा लागू की है, तब दोनों अभिभावकों की सहमति या न्यायालय की अनुमति जरूरी होगी।

केरल में निपाह वायरस को लेकर बढ़ी चिंता, सरकार ने शुरु की तैयारी

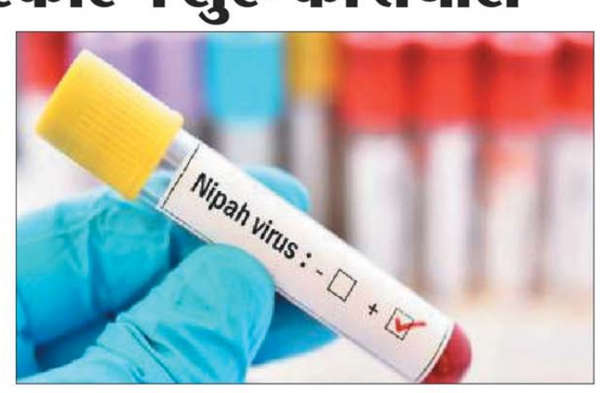

तिरुवंतनमपुरम (एजेंसी)। केरल में निपाह वायरस को लेकर फिर चिंता बढ़ गई है। केरल राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कोझिकोड, मलप्पुरम, कन्नूर, वायनाड और एर्नाकुलम जिलों को जूनोटिक संक्रमण के हॉटस्पॉट मानकर विशेष सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। चमगादड़ों के प्रजनन के मौसम से पहले इन जिलों में जागरूकता अभियान शुरू किया गया हैं ताकि निपाह वायरस के बढ़ते खतरे को रोक सके।

मिली जानकारी के मुताबिक, केरल सरकार ने रोग-ट्रैकिंग स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर कई बचाव उपाय किए हैं। इसमें सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम भी शामिल हैं, इसके द्वारा लोगों को निपाह वायरस से जुड़ी जोखिमों की जानकारी दी जा रही है और इससे बचाव के तरीकों के बारे में बताया जा रहा है।

दरअसल निपाह वायरस एक जूनोटिक वायरस है, यानी यह जानवरों से इंसानों में फैलता है। यह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों और सुअरों के जरिए इंसानों में फैलता है। लेकिन सबसे चिंता वाली बात यह है कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से यह इंसान से इंसान में भी तेजी से फैल सकता है।

यह वायरस पहली बार 1998 में मलेशिया में पाया गया था, जब यह सुअरों से इंसानों में फैला था। भारत में भी 2001 और 2018 में इसके मामले सामने आए थे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, निपाह वायरस का मृत्यु दर 40 से 75 प्रतिशत तक हो सकता है, जबकि कोविड-19 की मृत्यु दर औसतन 2 से 3 प्रतिशत थी। इसका मतलब है कि यह वायरस कम समय में ज्यादा लोगों की जान ले सकता है। फिलहाल, इस वायरस के लिए कोई वैक्सीन या पुख्ता इलाज उपलब्ध नहीं है, जिससे इसका खतरा और बढ़ जाता है।

हिंदु मतदाताओं का जीत विश्वास, केरल में यूडीएफ और एलडीएफ का खेल बिगाड़ेगी भाजपा

–लगातार बढ़ रहा भाजपा का वोट प्रतिशत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव में अभी एक साल का समय बाकी है, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ और लेफ्ट की अगुवाई वाले एलडीएफ ने चुनावी तैयारियां अभी से शुरू कर दी है। इस बीच लोगों में पैठ बना रही भाजपा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व वाम दलों की चुनौतियां बढ़ा सकती है।

केरल में बीते 10 वर्षों से वाम दल सत्ता में है। हालांकि वर्ष 2019 और 2024 के आम चुनाव में यूडीएफ ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह कहना मुश्किल है, कि लोकसभा का असर विधानसभा में दिखाई देगा। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद वर्ष 2021 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ ने केरल में सरकार बनाई थी। चुनावी रणनीतिकार मानते हैं कि पहले मतदाताओं के सामने यूडीएफ और एलडीएफ दो ही विकल्प होते थे। अब धीरे-धीरे दोनों गठबंधनों के वोट बैंक में सेंध लगाकर भाजपा अपनी जगह बना रही है। नायर और मछुआरा समुदायों पर भाजपा की पहले से नजर है। दोनों समुदाय अमूमन चुनाव में एलडीएफ का समर्थन करते रहे हैं।

केरल में अब तक राजनीति दो ध्रुवीय रही है, लेकिन भाजपा के प्रवेश के बाद सियासत बदल गई है। अगर भाजपा सभी सीट पर चुनाव लड़ती है, तब मुकाबला त्रिकोणीय होगा है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव में अभी अपना प्रदर्शन बरकरार रखती है, तब यह यूडीएफ और एलडीएफ दोनों का गणित बिगाड़ सकती है। क्योंकि, भाजपा का वोट बैंक लगातार बढ़ रहा है। लोकसभा में एनडीए को 19 फीसदी वोट मिले। जबकि 2021 विधानसभा में यह 12 प्रतिशत था।

केरल में कांग्रेस रणनीतिकार मानते हैं कि एलडीएफ सरकार के खिलाफ लोगों में खासी नाराजगी है। पर क्या यूडीएफ मतदाताओं की नाराजगी को अपने पक्ष में बदल पाएगी। वहीं, एलडीएफ के लिए भी अपना पुराना प्रदर्शन दोहराना आसान नहीं है। इसकी बड़ी वजह लोकसभा चुनाव में त्रिशूर सीट से भाजपा की जीत है। भाजपा ने केरल में सिर्फ त्रिशूर सीट से जीत दर्ज नहीं की है, करीब एक दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवार को सबसे अधिक वोट मिले हैं। भाजपा के प्रदर्शन से साफ है कि वह हिंदू मतदाताओं को भरोसा जीतने में सफल रही है। वहीं, ईसाई मतदाताओं के लिए भी भारतीय जनता पार्टी अब दूर नहीं है।